राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ग्रेग चैपल को सताया डर ...

अब नए गवर्नर से भी ममता बनर्जी की ठनी 12

वर्ष : 11 | अंक : 26 | पटना, मंगलवार, 06 जून, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 42°C

न्यूनतम तापमान 29.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,995
चांदी	72,500
सेंसेक्स	57,635
निफ्टी	16,986

भारत सभी विकसित देशों के साथ जलवायु न्याय के मुद्दे को मजबूती से उठाता रहा है: मोदी

प्रात: किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि गरीब और विकासशील देश कुछ विकसित देशों की गलत नीतियों की कीमत चुका रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत ऐसे सभी उन्नत और बड़े देशों के साथ जलवायु न्याय के मुद्दे को मजबूती से उठाता रहा है।

मोदी ने यहां विश्व पर्यावरण दिवस के एक कार्यक्रम में अपने वीडियो संदेश में कहा कि विश्व जलवायु की सुरक्षा के लिए यह महत्वपूर्ण है कि सभी देश स्वार्थी हितों से ऊपर उठकर सोचें। उन्होंने कहा, लंबे समय से बड़े और उन्नत देशों में विकास का मॉडल विरोधाभासी था। इस विकास मॉडल में सोच यह थी कि हम पहले अपने देश का विकास करें, फिर पर्यावरण के बारे में सोचा जा सकता है। उन्होंने कहा, इससे उन्होंने विकास के लक्ष्य तो हासिल कर लिए लेकिन दुनिया के पर्यावरण को उनके विकास की कीमत चुकानी पड़ी। आज भी दुनिया के विकासशील और गरीब

देश कुछ विकसित देशों की गलत नीतियों की कीमत चुका रहे हैं। मोदी ने कहा कि दशकों तक विकसित देशों के इस रवैये पर आपत्ति करने वाला कोई नहीं था। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि भारत ने इन सभी देशों के समक्ष जलवायु न्याय का सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि भारत अपने विकास के लिए किसी भी अन्य क्षेत्र की तरह बड़े पैमाने पर पर्यावरण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा, एक तरफ हमने गरीबों को मदद मुहैया कराई है और दूसरी तरफ भविष्य की ईंधन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भी बड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अगर भारत ने अपने 4-जी और 5-जी दूरसंचार नेटवर्क का विस्तार किया है तो उसने अपने वन क्षेत्र को भी समान स्तर पर बढ़ाया है। उन्होंने कहा, ह्यह्लइस साल विश्व पर्यावरण दिवस का विषय एकल उपयोग वाले प्लास्टिक (सिंगल-यूज प्लासटिक) से छुटकारा पाना है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसके बारे में दुनिया आज बात कर रही है लेकिन भारत पिछले चार-पांच वर्षों से लगातार इस दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 2018 में ही भारत ने सिंगल यूज प्लास्टिक से छुटकारा पाने के लिए दो स्तरों पर काम करना शुरू कर दिया था। एक तरफ, हमने इस पर प्रतिबंध लगा दिया और दूसरी तरफ हमने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करण को अनिवार्य बना दिया। मोदी ने कहा कि पिछले नौ साल में भारत ने हरित और स्वच्छ ऊर्जा पर काफी ध्यान केंद्रित किया है। विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में 1973 से प्रतिवर्ष पांच जून को आयोजित किया जाता है। यूएनईपी पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का सबसे बड़ा वैश्विक मंच है।

जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री, 73 लोगों की सुनी समस्याएं

जमीन पर कब्जा की शिकायत पर सीएम सख्त, शीघ्र कार्रवाई का दिए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दबंगों द्वारा जमीन पर कब्जा किये जाने की फरियादियों की शिकायत पर सख्त दिखें। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। दरअसल, मुख्यमंत्री सोमवार को 4, देशरत्न मार्ग स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय परिसर में आयोजित जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे 73 लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। पूर्णिया जिले से ही आए एक बुजुर्ग फरियादी ने गुहार लगाते हुए कहा कि मेरी जमीन पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा कर समस्या उत्पन्न किया जा रहा है। इसकी शिकायत किए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं, अररिया जिले से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि उनके पुश्तैनी जमीन को दबंगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। इसकी शिकायत किए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। पूर्णिया जिले से आए एक व्यक्ति ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि भू-हदबंदी के तहत जमीन का सारा कार्य पूर्ण होने के बाद वर्ष 2013 से अब तक उचित कार्रवाई नहीं हो रही है जिससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं गोपालगंज जिले से आये एक युवक ने मुख्यमंत्री से फरियाद करते हुए कहा कि उसके निजी जमीन में बिना सहमति के पुल का निर्माण किया जा रहा है। इस बात की शिकायत किए जाने के बाद भी अब तक मेरी जमीन पर किए जा रहे पुल का निर्माण कार्य नहीं रुक पाया है। एक अन्य फरियादी ने कहा कि मेरे निजी जमीन पर दबंगों द्वारा कब्जा कर कचड़ा फेंका जा रहा है। इस संबंध में संबंधित अधिकारी से गुहार लगाने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

ये रहें मौजूद : जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में वित्त, वाणिज्य कर एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, खान एवं भूतत्व मंत्री डॉ रामानंद यादव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी, पुलिस महानिदेशक आरएस भट्टी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव,सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह तथा वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा उपस्थित थे।

पुल का निर्माण कार्य मजबूत तरीके से हो, इसको लेकर अधिकारियों को दिया गया निर्देश : मुख्यमंत्री

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खगड़िया अगवानी सुल्तानगंज के बीच बन रहे पुल के ऊपरी हिस्से के गिरने पर विपक्षी पार्टियों द्वारा सरकार पर लगाए जा रहे आरोप से संबंधित सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोग कुछ भी बोलते रहते हैं, उनका काम सिर्फ बोलना है। जो हमारे साथ पहले उप मुख्यमंत्री थे, उनको पार्टी ने कोई जगह नहीं दिया है तो कुछ न कुछ तो बोलना ही है। मुख्यमंत्री सोमवार को संपूर्ण क्रांति दिवस के मौके पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद पत्रकारों से मुखातिब हुए।

खगड़िया-अगवानी-सुल्तानगंज के निमाणार्धीन पुल के स्ट्रक्चर गिरने से संबंधित सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निमाणार्धीन पुल का स्ट्रक्चर एकबार पहले और गिरा था उस समय भी हमने पूछा था कि ऐसा क्यों हुआ है। वर्ष 2012 में ही इस पुल के निर्माण करने का निर्णय किया गया था और वर्ष 2014 में इसकी शुरूआत हुई। कल ही जानकारी मिली है कि फिर से इसका स्ट्रक्चर गिरा है, तुरंत हमने विभाग के सभी अधिकारियों को कहा कि जाकर देखिए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई कीजिए। पुल का निर्माण कार्य मजबूत तरीके से हो, इसको लेकर भी हमने अधिकारियों को निर्देश दिया है। ओडिशा में हुए रेल दुर्घटना से संबंधित प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह घटना दुखद है। हमने इस पर दुख व्यक्त किया है। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में जब हम रेल मंत्री थे उस समय रेल हादसा हुआ था। हमने घटनास्थल पर जाकर मृतकों को देखा तो काफी तकलीफ हुई थी तो हमने रेल मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था लेकिन श्रद्धेय अटल जी ने उसे स्वीकार नहीं किया था। हमने उनसे आग्रह कर दोबारा इस्तीफा दिया, उसके बाद उन्होंने मेरा इस्तीफा स्वीकार किया था। डेढ़ साल के बाद जब पुनः मुझे रेल मंत्री बनाया गया तो मैंने प्रधानमंत्री से कहा था कि रेलवे सुरक्षा की दृष्टि से जो तय हुआ है उस पर काम किया जाए। उसके चलते रेलवे की स्थिति बेहतर हुई। ओडिशा में जो रेल हादसा हुआ है इसको ठीक से देखना चाहिए कि घटना का कारण क्या है। पहले रेलवे का बजट अलग से पेश होता था। लोकसभा और राज्यसभा में रेल बजट पर विस्तृत चर्चा होती थी। सांसदों की बात सुनी जाती थी और उनकी समस्याओं का निदान भी होता था। रेल बजट को इस सरकार ने खत्म कर दिया। रेल हादसा को लेकर पहले भी एक-दो मंत्रियों ने रिजाईन किया है। रेल मंत्रालय पुराना मंत्रालय है, लोगों की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखना जरुरी है, लेकिन रेल बजट को हटाकर सब अपने तरीके से किया जा रहा है। 12 जून को पटना में विपक्षी एकता की बैठक होने से संबंधित प्रश्न का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 जून को होने वाली विपक्षी एकता की बैठक के लिए अधिकतर लोगों का समर्थन आ गया था। 12 तारीख होने वाले कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया है। हमने कांग्रेस पार्टी से कहा है कि आपलोग भी बैठक के लिए आगे की तिथि को लेकर बात कर लीजिए। सभी पार्टी के अध्यक्ष को आना है इसमें कोई दूसरा आएगा तो अच्छा नहीं लगेगा। आगे इसकी तिथि तय होगी और उसके बारे में आपलोगों को बता दिया जाएगा।

गडकरी ने असम में दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को असम में दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसके साथ ही गडकरी ने असम में दो राष्ट्रीय राजमार्गों का उद्घाटन भी किया। इन चारों राजमार्ग परियोजनाओं की कुल लागत करीब 1,450 करोड़ रुपये है। गडकरी ने एक ऑनलाइन कार्यक्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर 535 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन वाले मंगलदेई बाइपास बनाने और राष्ट्रीय राजमार्ग 29 पर 517 करोड़ रुपये की लागत से 13 किलोमीटर लंबे दबोका-परखुवा खंड के निर्माण की आधारशिला रखी।

उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग 127 के 10 किलोमीटर लंबे एवं 247 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नगांव बाइपास- तेलियागांव खंड और इसी राजमार्ग के आठ किलोमीटर लंबे एवं 156 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित तेलियागांव-रंगगरा खंड को राष्ट्र को समर्पित भी किया। इस अवसर पर गडकरी ने कहा कि असम वृद्धि और विकास की दिशा में बढ़ रहा है और राज्य सरकार ने भी इन परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण एवं पर्यावरण मंजूरियां देने में तेजी दिखाई है। उन्होंने कहा कि यह असम समेत समूचे पूर्वोत्तर क्षेत्र में सड़कों एवं अन्य ढांचागत सुविधाओं के विकास के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निदेशों के अनुरूप है।

मौत के आंकड़ों को छिपाने का कोई इरादा नहीं : ओडिशा सरकार

भुवनेश्वर,एजेंसी। ओडिशा के मुख्य सचिव पी के जेना ने कहा कि उनकी सरकार का बालासोर ट्रेन हादसे में मौत के आंकड़ों को छिपाने का कोई इरादा नहीं है और पूरा बचाव अभियान सभी की नजरों के सामने चल रहा है। मृतकों की संख्या में हेरफेर के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि ओडिशा सरकार पारदर्शिता में विश्वास रखती है। जेना ने कहा, "दुर्घटनास्थल पर शुरूआत से ही मीडियाकर्मी मौजूद हैं। सब कुछ कैमरों के सामने हो रहा है।" जेना ने कहा, "रेलवे ने मृतकों की संख्या 288 बतायी है। हमने भी यही कहा है और यह संख्या रेलवे से मिली सूचना पर आधारित है। लेकिन, हमारे बालासोर के जिलाधिकारी ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की और रविवार सुबह 10 बजे तक यह संख्या 275 थी।" मृतकों की संख्या में बदलाव के बारे में पूछे जाने पर मुख्य सचिव ने कहा कि कुछ शवों को दो बार गिन लिया गया था। उन्होंने कहा कि दुर्घटनास्थल पर मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर भी कोई पाबंदी नहीं थी। उन्होंने कहा, "बचाव और यहां तक कि मरम्मत का काम भी सभी के सामने किया गया।" गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मौत के आंकड़ों पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनके राज्य के 61 लोगों की मौत हुई है और 182 अब भी लापता हैं।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री ने पूर्व विधान पार्षद पुनेश्वर मंडल के निधन पर जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व विधान पार्षद पुनेश्वर मंडल के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि वे एक कुशल राजनेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी थे। वे सभी वर्ग के लोगों के बीच लोकप्रिय थे। उनके निधन से सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुयी है।मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

उधना-बरौनी स्पेशल ट्रेन का परिचालन 02 अगस्त तक

पटना। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर मोकामा-पटना-डीडीयू के रास्ते बरौनी और उधना के मध्य संचालित की जा रही 09033/09034 बरौनी-उधना-बरौनी स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि में वृद्धि की गई है। विस्तारित अवधि के साथ अब इस ट्रेन का परिचालन 02 अगस्त तक किया जाएगा। गाड़ी संख्या 09033 उधना-बरौनी स्पेशल का परिचालन 05 जून से 31 जुलाई तक प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को किया जाएगा। इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 09034 बरौनी-उधना स्पेशल का परिचालन दिनांक 07 से 02 अगस्त तक प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार को किया जाएगा। इस स्पेशल स्पेशल ट्रेन का ठहराव, समय पूर्ववत रहेगा।

ओडिशा के बरगढ़ जिले में मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतरीं, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। बालासोर जिले में हुए भीषण रेल हादसे के तीन दिन बाद ही, सोमवार को ओडिशा के बरगढ़ जिले में एक निजी नैरो गेज रेल लाइन पर एक मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गई। गौरतलब है कि ओडिशा के बालासोर जिले में पिछले सप्ताह कोरोमंडल एक्सप्रेस और बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने तथा फिर एक मालगाड़ी से टकराने से हुए भीषण हादसे में कम से कम 275 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि चूना पत्थर ले जा रही एक मालगाड़ी की पांच बोगियां उस वक्त पटरी से उतर गईं, जब वह डूंगरी से बरगढ़ जा रही थी। उन्होंने बताया कि इस घटना में किसी के घायल या हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना एक प्राइवेट साइडिंग के अंदर हुई जो एक कंपनी के स्वामित्व में है और इसका रखरखाव तथा संचालन रेलवे द्वारा नहीं किया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि, डूंगरी लाइमस्टोन माइन्स और एसीसी सीमेंट प्लांट, बरगढ़ के बीच एक निजी नैरो गेज रेल लाइन है।

जेपी नड्डा ने की पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल दलबीर सिंह सुहाग से मुलाकात

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने देश भर में विशिष्ट नागरिक संपर्क अभियान की शुरूआत की है। इसके तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के 9 सफल वर्ष पूरे होने के अवसर पर विशिष्ट नागरिक संपर्क अभियान के तहत सोमवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुग्राम (हरियाणा) में पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल दलबीर सिंह सुहाग के साथ उनके आवास पर मुलाकात की। इस मौके पर जेपी नड्डा ने दलबीर सिंह सुहाग को मोदी सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धियों की बुकलेट भी सौंपी।

डोभाल और ऑस्टिन ने सामरिक संबंध मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की

प्रात : किरण/ एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सोमवार को यहां अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड आस्टिन के साथ मुलाकात की और दोनों देशों के बीच समुद्री, सैन्य और एयरोस्पेस क्षेत्र में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी में सहयोग बढाने के उपायों पर चर्चा की। सूत्रों के अनुसार श्री डोभाल ने दो दिन की यात्रा पर रविवार को यहां पहुंचे श्री आस्टिन के साथ मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों की तर्ज पर प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण, सह उत्पादन और स्वदेशी क्षमता को बढाने पर भी बातचीत की। दोनों पक्षों

ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और हिन्द प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहित वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने साझा सुरक्षा हितों और समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढाने पर अपना दृष्टिकोण रखा। दोनों की बातचीत में भरोसेमंद आपूर्ति स्रोतों, मजबूत आपूर्ति श्रंखला और उद्योगों के बीच परस्पर सहयोग के मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। इस बात का उल्लेख किया गया कि पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और हिन्द प्रशांत जैसे अलग अलग क्षेत्रों के देशों को उनकी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के आधार पर स्वतंत्र रूख अपनाने की आजादी होनी चाहिए और उनपर कुछ थोपा नहीं जाना चाहिए। इस बात पर भी बल दिया गया कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सरकारों के समग्र प्रयासों के माध्यम से रणनीतिक रूख अपनाया जाना चाहिए जिसमें लोगों के बीच परस्पर संपर्क और सामाजिक स्तर पर संबंधों को भी समाहित किया जाना चाहिए। श्री आस्टिन ने हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति और सुरक्षा की स्थिति बनाये रखने के लिए अमेरिका- भारत साझेदारी के महत्व का उल्लेख किया। समुद्री क्षेत्र में चीन के बढते प्रभुत्व और दबाव की रणनीति के मद्देनजर इस बात का विशेष महत्व है। श्री आस्टिन की भारत यात्रा को इसलिए भी महत्वपूर्ण जाना जा रहा है क्योंकि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस महीने के अंत में होने वाली अमेरिका की आधिकारिक यात्रा से पहले हो रही है।

उद्घाटन मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण विभाग एवं बिहार राज्य भवन निर्माण निगम की 2530.33 करोड़ रुपए लागत की 189 योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

भवनों के निर्माण के साथ-साथ उसका मेटेनेंस भी जरूरी : नीतीश

आवश्यकतानुसार अधिकारियों व कर्मियों की बहाली करें

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प से भवन निर्माण विभाग एवं बिहार राज्य भवन निर्माण निगम द्वारा क्रियान्वित 2530.33 करोड़ रुपए लागत की 189 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें 18 विभागों के 1340.46 करोड़ रुपए की 106 योजनाओं का उद्घाटन तथा 1189.87 करोड़ रुपए की 83 योजनाओं का किया शिलान्यास कार्य शामिल है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन निर्माण विभाग एवं बिहार राज्य भवन निर्माण निगम को बधाई देते हैं कि उन्होंने आज कई योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास कराया है। भवनों का निर्माण के साथ-साथ उसका मेटेनेंस भी करना है। हम काफी समय से कहते रहे हैं कि जो भवन बने उसका मेटेनेंस जरुर होना चाहिए। ऐसा न हो कि भवन बने और मेटेनेंस नहीं होने के कारण वह खराब हो जाय। मेटेनेंस करने के लिए अगर और अधिकारियों, अभियंताओं एवं कर्मियों की आवश्यकता है तो उसकी बहाली जल्दी कीजिए। हम जहां भी नवनिर्मित भवनों को देखने जाते हैं, वहाँ के कैंपस में वृक्षारोपण करने की सलाह देते हैं। साथ ही भवनों के छत पर सोलर प्लेट लगाने के लिये भी कहते हैं। सौर ऊर्जा बहुत जरुरी है। इन सब चीजों पर विशेष ध्यान देने की जरुरत है। निमार्णाधीन भवनों के निर्माण के काम में तेजी लानी चाहिए। भवन निर्माण विभाग द्वारा काफी अच्छी बिल्डिंग बनायी जा रही है। पटना में सरदार पटेल भवन, बिहार संग्रहालय जैसे आइकोनिक बिल्डिंग बनाये गये हैं। सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र जिसमें बापू सभागार, ज्ञान भवन एवं सभ्यता द्वार तथा सम्राट अशोक की सांकेतिक प्रतिमा का निर्माण कराया गया है। सरदार पटेल

भवन 9 रिक्टर स्केल के भूकंप के झटके को सह सकता है। सरदार पटेल भवन में गृह विभाग, पुलिस मुख्यालय आपदा प्रबंधन विभाग तथा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण कार्यरत है। बिहार संग्रहालय काफी अच्छा बना है। यह इंटरनेशनल स्तर का बना है। देश में ऐसा संग्रहालय कहीं भी नहीं है। बिहार संग्रहालय का मेटेनेंस होते रहना चाहिए। बोधगया में महाबोधि सांस्कृतिक केंद्र बहुत अच्छा बना है। वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय का निर्माण तेजी से पूरा कीजिए। यहाँ भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेष रखे जायेंगे। इसका निर्माण पूरा हो जाने के बाद काफी पर्यटक वैशाली जायेंगे। राजगीर में अंतरराष्ट्रीय खेल अकादमी सह क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण तेजी से पूर्ण करें। खेल यूनिवर्सिटी भी राजगीर में बनाया जा रहा है। पटना में एपीजे अब्दुल कलाम साइंस सिटी का काम भी अभी पूरा नहीं हुआ है। इसका निर्माण जल्द पूरा करें। बापू टावर भी पटना में बन रहा है। हम चाहते हैं कि बापू टावर तेजी से बन जाय।

केंद्र सरकार पुरानी चीजों को खत्म करने में जुटी है : मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की केंद्र सरकार पुरानी चीजों को खत्म करने में जुटी है। हमलोग चाहते हैं कि पुरानी चीजें संरक्षित रहे। निर्माण एजेंसी अगर निर्माण कार्य में देरी करती है तो इसे देखें कि निर्माण कार्य में देरी क्यों हो रही है। अधिकारी एक-एक काम को तेजी से पूर्ण करवायें। आज जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया है उसका निर्माण पूर्ण होने का समय निर्धारित कीजिए।

शिलान्यास के बाद निर्माण कार्य तेजी से पूरा होना चाहिए। अब सभी सरकारी भवनों का मेंटेनेंस करते रहना है। विभाग के सभी इंजीनियर इस पर ध्यान दें भवनों के निर्माण कार्य में काफी खर्च होता है। उसका देखभाल जरूरी है। भवनों का सदुपयोग ठीक ढंग से हो। अगर सरकारी भवन मेनटेन रहेगा तो वह सुंदर दिखेगा। निजी भवन भी उसे देखकर मेंटेनेंस और साफ-सफाई के लिये प्रेरित होंगे। कार्यक्रम में भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को मोमेंटो भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान भवन निर्माण विभाग एवं बिहार राज्य भवन निर्माण निगम द्वारा किये गये कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी, मुख्य सचिव आमिर सुबहानी एवं भवन निर्माण विभाग के सचिव कुमार रवि ने भी संबोधित किया।

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव सह मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, भवन निर्माण विभाग के अभियंता प्रमुख राकेश झा, बिहार राज्य भवन निर्माण निगम के मुख्य महाप्रबंधक सुधांशु शेखर उपस्थित थे, जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विभागों के मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण, जिलों के जिलाधिकारी, अभियंतागण एवं भवन निर्माण विभाग के अन्य वरीय अधिकारी जुड़े हुये थे।

संक्षिप्त खबरें

रविंद्र सिंह के निधन पर केला मंडी बंद

पटना सिटी, (प्राकि)। कृषि उत्पादन बाजार समिति मुसल्लहपुर हाट का केला मंडी पूर्ण रूप से बंद रहा। इस बंद का आयोजन कृषि उत्पादन फल व्यवसायी संघ केला मंडी ने किया था। केला मंडी संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार यादव ने बताया कि यह बंद हमारे वरीय सदस्य रविंद्र सिंह के निधन हो जाने के कारण रखा गया था। रविंद्रसिंहकानिधन 29 मार्च को हुआ और 30 को उनकी आत्मा की शांति के लिए शोकसभा रखा गया। उसी दिन निर्णय लिया गया था कि पांच जून को केला मंडी पूरी तरह से बंद रखेंगे। इस दौरान वरुण कुमार, रघु सिंह, राजेश कुमार, रामजी प्रसाद, मुनक्का सिंह, सुशील कुमार, दिलीप कर, उज्जवल सिंह आदि शामिल हुए।

स्वर्गीय विजय शंकर मिश्र की जयंती मनाया गया

पटना सिटी (प्राकि)। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग के महासचिव अशोक यादव की अध्यक्षता में बिहार विधान परिषद पूर्व उप नेता रहे स्वर्गीय विजय शंकर मिश्र का जन्मदिन मनाया गया। उनके 77वां जन्मदिन पर बच्चों के बीच केक काटा गया। सबों ने उनके अमर रहने का नारा लगाया। इसके बाद बच्चों के बीच केक का वितरण किया गया। इस दौरान उमेश गुप्ता, यश्लोक विद्यार्थी, रघु सॉन्ग, श्याम यादव, अशोक राय, सरदार जगजीत सिंह, पप्पू त्रिवेदी, डा विनोद अवस्थी आदि उपस्थित थे।

जय प्रकाश नारायण सम्पूर्ण क्रांति के नायक थे : उपेन्द्र

पटना। राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी राज्य कार्यकाल में सोमवार को सम्पूर्ण क्रांति के नायक जय प्रकाश नारायण के तैल्य चित्र पर पुष्प चढ़ाकर कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। लोकनायक को याद करते हुए युवा रालोजपा के प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र यादव ने कहा की 5 जून 1974 को सम्पूर्ण क्रांति का आगाज पटना के एतिहासिक गाँधी मैदान में जेपी के अहवान पर हुआ था। मैदान में उपस्थित लाखों लोगों ने जात, पात, तिलक दहेज भेद भाव छोड़ने का संकल्प लिया था। सम्पूर्ण क्रांति की तपिश इतनी भयानक थी की केंद्र के कांग्रेस को सता से हाथ धोना पड़ा था। जेपी जी के हुंकार पर नौजवानों का जथा सड़कों पर निकल पड़ता था। बिहार से उठी जेपी की चिनगारी देश के कोने कोने में आग बनकर भड़क उठी थी। सम्पूर्ण क्रांति लोकनायक जेपी जी का विचार व नारा था जिसकी अहवान इंदरगांधी के सता को उखाड़ फेकने के लिए किया था।

हरगोविंद साहिब का जीवन दर्शन शक्ति व भक्ति का प्रेरणास्रोत था

पटना सिटी। सिख पंथ के छठे गुरु श्री हरि गोबिंद साहिब जी महाराज का 428वां प्रकाश पर्व मनाया गया। इसे लेकर तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में सोमवार को विशेष दीवान सजा। इसमें शबद कीर्तन व कथा प्रवचन हुआ। विशेष दीवान में कथावाचक ज्ञानी गगनदीप सिंह और ज्ञानी दलजीत सिंह ने कथा कही। रागी जत्थों में रागी हरभजन सिंह, ज्ञान सिंह, जगत सिंह, जोगिंदर सिंह और भाई कविंदर सिंह ने शबद कीर्तन से संगत को निहाल किया। इससे पूर्व बीते दो दिनों से तख्त साहिब में चल रहे श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ की समाप्ति मुख्य ग्रंथी ज्ञानी दिलीप सिंह की देखरेख में हुई। वक्ताओं ने कहा कि गुरु महाराज का जीवन दर्शन शक्ति व भक्ति के प्रेरणास्रोत थे। गुरु महाराज ने मीरी अर्थात शक्ति व पीरी अर्थात भक्ति का प्रतीक है। विशेष दीवान की समाप्ति विश्व शांति और भाईचारे के लिए कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी बलदेव सिंह ने अरदास करते हुए गुरु महाराज के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। इस दौरान तख्त साहिब की उपरि मंजिल पर अमृत बांटा में लोगों ने अमृत छक कर सिख धर्म की दीक्षा ली।

मंगल तालाब परिसर का विकास व सौंदर्यीकरण को प्रतिबद्ध : नंदकिशोर

रामदेव महतो सामुदायिक भवन में सुविधाओं का किया गया निरीक्षण

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मंगल तालाब विकास समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष अपर समाहर्ता (सामान्य) पटना की अध्यक्षता में रामदेव महतो सामुदायिक भवन में हुई। इसमें भाजपा के वरीय नेता एवं पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के विधायक नंदकिशोर यादव ने बैठक का नेतृत्व किया। उन्होंने मंगल तालाब परिसर का चतुर्दिक सौंदर्यीकरण एवं सैर-सपाटे के लिए आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अनेक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। मौके पर श्री यादव ने मंगल तालाब के ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसके विकास और सौंदर्यीकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जतायी। श्री यादव ने कहा कि वे पटना साहिब का सिर्फ विधायक ही नहीं, यहां का बेटा हूं। पटना सिटी के विकास और यहां के लोगों की हर मुश्किल में साथ देने

और उसके निदान के लिए हमेशा तत्पर रहा हूं और रहूंगा। उन्होंने कहा कि मंगल तालाब परिसर में मेरा बचपन बीता है। इसकी धूल और मिट्टी में खेल कर बड़ा हुआ हूं, इसलिए मंगल तालाब से उनका विशेष लगाव रहा है। इसके विकास और सौंदर्यीकरण के लिए वे संकल्पित हैं। श्री यादव ने रामदेव महतो सामुदायिक भवन और घसीटा कहार एसी ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया तथा बिजली व्यवस्था और एसी (एयरकंडीशंड) को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया। साथ ही रंग-रोगन कराने, भवन निर्माण विभाग के अभियंता को रामदेव महतो समुदायिक भवन के पूर्व की ओर और उत्तर की ओर रहे नालायक की समस्या को दूर करने, बाथरूम में लोहे का गेट का फ्रेम लगा है उसके फैलने से दरवाजा नहीं लग पा रहा है, उसे ठीक कराने, बिजली वायरिंग को दुरुस्त कराने, पन्नालाल मुक्ताकाश मंच के जीर्णोद्धार के लिए स्टीमेट बनाने आदि का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि पटना साहिब क्षेत्र के लोगों के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और मांगलिक कार्यों का यह प्रमुख आयोजन स्थल है। इसलिए लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रख कर इसे हमेशा दुरुस्त रखें। ओपन थिएटर को भी बेहतर बनाए रखें, ताकि सांस्कृतिक गतिविधियों में कोई परेशानी न हो। अगर राशि की जरूरत हो, तो उसका स्टीमेट बनाएं। इस अवसर पर समिति की सचिव सह सिटी एसडीओ अनुमंडल गुंजन सिंह, सदस्य किरण शंकर, दिनेश पटेल, संजीव यादव आदि उपस्थित थे। केयर टेकर अशोक गिरी ने भी यहांकमियों के बारे में बताया। विदित हो कि दिसंबर माह में हुए श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के प्रकाश पर्व की तैयारी को लेकर आयोजित बैठक में डीएम डॉ चंद्रशेखर सिंह ने सवाल उठाए जाने पर तत्कालीन एसडीओ मुकेश रंजन को रामदेव महतो सामुदायिक भवन के अंदर और बाहर रंग-रोगन कराने और सीसीटीवी स्थापित कराने का निर्देश दिया था। यह अबतक नहीं हो पाया है। भवन के रखरखाव की बात तो है ही, इसके साथ ही भवन बनने के बाद से लेकर अब तक कभी भी रंगाई-पुताई का काम नहीं हो पाया है। यहां तक की निजी सामुदायिक भवन में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य कर दिया गया है, वहीं सरकारी स्तर पर या जनप्रतिनिधियों के कोष से निर्मित सामुदायिक भवन में आज भी सीसीटीवी न के बराबर देखा जाता है।

जेपी का सत्ता परिवर्तन हुआ, मगर व्यवस्था नहीं : अवधेश सिन्हा

संपूर्ण क्रांति दिवस की 48 वीं वर्षगांठ पर हुआ आयोजन

पटना सिटी, प्रात : किरण संवाददाता

संपूर्ण क्रांति दिवस के 48वीं वर्षगांठ पर जगह-जगह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जेपी सेनानी संघर्ष समिति के चौकशिकारपुर स्थित कार्यालय में अवधेश कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में संपूर्ण क्रांति दिवस मनाई गई। इसमें वक्ताओं ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित किया। इसके बाद 1974 आंदोलन को महज सत्ता परिवर्तन का औजार करार देते हुए कहा कि संपूर्ण क्रांति की परिकल्पना जयप्रकाश जी का व्यवस्था परिवर्तन से था, जो अब तक नहीं हो सका। हालांकि केंद्र और प्रदेश की सरकारों का बागडोर जेपी के शिष्यों के हाथ में है। इस दौरान प्रदेश सरकार के जेपी सेनानी सम्मान पेंशन पर भेदभाव करने का आरोप लगाया गया। कहा गया कि इसका लाभ भी कुछ नामचीन हस्तियों तक सिमट कर रह गया है। सामान्य सेनानियों को इसका लाभ अब तक नहीं मिल पाया है। इस दौरान पथ निर्माण विभाग के द्वारा चयनित स्थल छटंकी पुल पर खाली पड़े भूखंड पर लोकनायक की मूर्ति लगाने का प्रस्ताव पारित किया गया, ताकि

आने वाली पीढ़ी उनको जान और समझ सके तथा 1974 आंदोलन के इतिहास को भी समझ सके। आयोजन में डॉ इकबाल अहमद, विजय कुमार सिंह, रघुनाथ प्रसाद, सुरेंद्र यादव, मो चांद, मिथिलेश कुमार सिंह और मेहर कुमार आजाद ने भी संबोधित किया। संचालन शंभू प्रसाद सिंह ने किया। वहीं पटना साहिब के कार्यकताओं की बैठट संपूर्ण क्रान्ति दिवस पर प्रयाग नगर नहर रोड मठ लक्षमणपुर में हुआ। इसमें लोकनायक जयप्रकाश नारायण के चित्र पर पुष्पांजलि कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। बैठक में सम्पूर्ण क्रान्ति दिवस पर चर्चा करते हुए कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि आज के ही दिन 1974 में लोकनायक जयप्रकाश जी ने महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अराजकता एवं नई शिक्षा नीति के विरुद्ध व्यवस्था और सत्ता परिवर्तन के लिए सम्पूर्ण क्रान्ति का उद्घोष पटना के गांधी मैदान से किए थे। आज देश में एक बार फिर महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। सांप्रदायिकता का जहर देश में फैलाया जा रहा है। नई शिक्षा नीति लाकर इतिहास को बदला जा रहा है और संधी इतिहास को बच्चों को पढाने के लिए विवश किया जा रहा है। संविधान को भी बदला जा रहा है। आज देश 1974 से भी खराब स्थिति में पहुंच गया है। अघोषित आपातकाल लागू है। कोई भी व्यक्ति या नेता केंद्र सरकार की गलत नीतियों का अगर विरोध करता है, तो उसे सरकार सीबीआई और ईडी द्वारा केस में फंसा कर जेल में बंद कर दिया जा रहा है। देश के पहलवान खिलाड़ी बेटियों के साथ जो हुआ है, उससे देश शर्मशार है। खिलाड़ी बेटियों का रक्षक ही भक्षक बन गया है। देश में एक बार फिर सम्पूर्ण क्रान्ति की जरूरत है। बैठक की अध्यक्षता राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव सह पूर्व वार्ड पार्षद प्रदीप मेहता ने और संचालन राजद के पूर्व प्रदेश महासचिव सलमान अख्तर ने किया। बैठक में राजद के पूर्व महासचिव डॉ एकबाल अहमद, शिल्प कला प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष उमेश पंडित, वसुउद्दीन अहमद,र त्न यादव, हिदायत अहमद, राजेश रजक, मुन्ना खान, अरुण स्वर्णकार, पंकज रजक, श्रवण मेहता, शकुंतला शप्रजापति, पंकज गुप्ता, छोटू राम, बिट्टू चौधरी, रिशु मेहता, रंजीत मेहता, अशोक पाल, देवव्रत पंडित, कुमार बल्लभ, संजय यादव, बबलू चंद्रवंशी आदि प्रमुख उपस्थित थे।

अग्रोहा धाम से कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी का जनआशीर्वाद रथ पहुंचा

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

अग्रोहा धाम से आद्य महालक्ष्मी का जन आशीर्वाद रथ पाटलिपुत्र की धरती पर सोमवार की सुबह पहुंचा। सनातन धर्म के उद्गम स्थल अग्र वंशों के कुल गौरवशाली वंशज महाराजा अग्रसेन जी की तपोस्थली अग्रोहा धाम से कुलदेवी आद्य महालक्ष्मी का जन आशीर्वाद रथ पाटलिपुत्र की पावन धरती पर श्री गुरु गोविंद सिंह पथ स्थित मारवाड़ी उच्च विद्यालय के परिसर में पहुंचा। यहां पहुंचने पर आशीर्वाद रथ का स्वागत स्थानीय अग्र वंशों ने सपरिवार आकर कुल देवी का दर्शन किया।

साथ ही महाआरती, चुनरी ओढ़ा कर महालक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त किया। अखिल भारतीय अग्रवाल युवा सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु झुनझुनवाला और प्रदेश प्रवक्ता संजीव देवड़ा ने बताया कि 18 रथ 18 स्थानों से निकली है। विश्व की पहली रथ यात्रा भारत के हर नगर गांव, कस्बा एवं शहर में जाकर

अग्रोहा के गौरवशाली इतिहास की जानकारी देंगे। वरिष्ठ समाजसेवी गिरधारी लाल सराफ ने बताया कि आद्य महालक्ष्मी अग्रवंशों की कुलदेवी है, जिनका भव्य मंदिर अग्रोहा में निमार्णाधीन है।

उन्होंने अग्रवंशों से मंदिर निर्माण के लिए एक ईट देने का आह्वान किया। इस अवसर पर आशीष जॉनी ग्रुप द्वारा भव्य आरती की प्रस्तुति की गई। महिलाएं राजस्थानी परिधानों में हाथों में आरती की थाल लिए और पुरुष ध्वज पताका लहराते हुए लक्ष्मी मैया की जयकार कर रहे थे। इस अवसर पर बिहार प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष अमर अग्रवाल, पुरुषोत्तम पोद्दार, ईश्वरलाल गोयनका, शिव प्रसाद मोदी, नारायण साह, प्रभात भरतिया, पप्पू मोदी, कार्यक्रम के संयोजक चंदन अग्रवाल, लूनकरण पटवारी, डॉ सुशील पोद्दार, दिलीप डिडवानिया, ललित अग्रवाल, विशाल सिंघानिया, भगवती मोदी, रथ के साथ बिहार में भ्रमण कर रहे घनश्याम अग्रवाल, मोहन सराफ, सुभाष चौधरी, रमा भरतिया, अशोक बूबना, सुनील बंका, राजेश देवड़ा, विशाल सिंघानिया, इंदू अग्रवाल, चेतना अग्रवाल, अर्चना देवड़ा, अनिता झुनझुनवाला सहित पटना सिटी की विभिन्न स्वयंसेवी संगठन बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन पटना सिटी शाखा, बिहार प्रदेश अग्रवाल युवा सम्मेलन, बिहार प्रदेश अग्रवाल सम्मेलन, मारवाड़ी सेवा समिति, मारवाड़ी महिला समिति, श्री राणी सती दादी जी न्यास ट्रस्ट के सदस्य सक्रिय थे।

गुरु हरगोबिंद साहिब के प्रकाश उत्सव पर गुरमत समागम

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। डेरा संत निश्चल सिंह जी शहीद बूंगा कुंदन मोहिनी यात्री निवास पटना साहिब में मीरी पीरी के मालिक श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश उत्सव पर गुरमत समागम कराया गया। इसमें संगत ने पहुंच कर गुरु दरबार की हाजरी भरते हुए शबद कीर्तन श्रवण किया। इस अवसर पर स्त्री सत्संग की महिलाओं ने संगत रूप में सुखमणी साहिब की वाणी का पाठ किया और गुरवाणी कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया।

पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर लिया जीवनरक्षा का संकल्प

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजकीय महिला महाविद्यालय, गुलजरबाग में प्राचार्य प्रोडॉ जयश्री की अध्यक्षता में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में कोकाकोला के सहयोग से औषधीय व फलों का पौधा लगाया गया। साथ ही कचरा प्रबंधन और वर्षा जल संग्रहण यंत्र लगाने का संकल्प लिया गया। आयोजन में देबोजीत शर्मा, अजय शर्मा, अभिमन्यु राउत, मो राशिद अख्तर के साथ प्रो प्रभा कुमारी, मंजू कुमारी और छात्राएं उपस्थित थीं। प्राचार्य ने बताया कि बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने ग्रीन ऑडिट करा पांच स्टार रेटिंग दी है। नवबिहार के निर्माण हेतु संकिल्पत अभियान लेट्स इंस्पायर, बिहार के पटना अध्यक्ष की ओर से गायघाट स्थित सीआरपीएफ कैंप में फलदार पौधा लगाया गया। आयोजन में बाबू भाई, सतीश गांधी, अभिनन्दन यादव, सोनू कुमार ठाकुर, प्रियव्रत सामंत, कृष्णा कुमार, पंकज कुमार, दीपक शर्मा, संजय कुमार सिंह, दिलीप कुमार गुप्ता, विश्वनाथ चौधरी, मो जावेद, सीआरपीएफ के जवान प्रभा शंकर पाठक, एस सुरेश कुमार, समीर कुमार सिंह, एसएस मंडल, सुभाष कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। गुरु गोविंद सिंह महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोडॉ कनक भूषण मिश्र की अध्यक्षता में पौधारोपण किया गया। सामाजिक संस्था हेल्पिंग हैंड्स (एक कदम मानवता की ओर) की ओर से मंगल तालाब परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। आयोजन में अध्यक्ष अश्विनी राज यादव, संरक्षक अजय यादव, प्रदीप यादव, प्रिन्शु राज, निहाल राज, भानू गोप, विक्की कुमार, विकास कुमार, राजू गुप्ता, प्रेम चौधरी, कुमार आनंद, विक्की यादव, प्रमोद, अनुराग, अनुज, गौरव पटेल मौजूद थे। गुरु गोविंद सिंह घाट पर गंगा सेवादल समन्वय समिति के सदस्यों के द्वारा गंगेश्वर महादेव हाता स्थित रमण वाटिका में औषधीय पौधा लगाया गया। समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ राजीव गंगौल के नेतृत्व में स्वास्थ्य के लिए उपयोगी वन औषधि वाटिका के नाम से जाना जा रहा है। वाटिका को रमन चमन बनाने के लिए रमण यादव, विवेक राज, विकास जायसवाल, अनिता देवी, पल्लवी कुमारी, अमरनाथ, श्रवण यादव, शिवनाथ मुखिया आदि सक्रिय हैं। भाजपा गायघाट मंडल के द्वारा गुलजारबाग मैदान परिसर में 11 पौधा लगाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष हरेन्द्रनाथ चंद्रवंशी एवं संयोजक महामंत्री पंकज कुमार रहे थे। इस अवसर पर लोगों ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने जीवन काल में कम से कम पांच पेड़ जरूर से लगाना चाहिए। पेड़ पर्यावरण के मित्र होते हैं। वह हमें ऑक्सीजन देने का काम करते हैं।

कार्यक्रम में संजय कुमार सिंह, अमित पांडेय, मृत्युंजय बलडीहार, सीताराम महतो, गुंजन कुमार, ज्योति गुप्ता, शम्भूनाथ शर्मा, राकेश पांडेय, आरती सिन्हा, कोमल कुमारी, दीपा कुमारी, सुनीता सिन्हा, यश कुमार कंठ, अशोक कुमार मेहता, अंजित शर्मा, शशि कुमार, ब्रह्मदेव शर्मा आदि मौजूद थे।

पर्यावरण दिवस पर पानी-बिजली बचाने को लेकर डॉ कृष्ण ने दिलाया संकल्प

पौध रोपन कर उसे बचाने का लिया प्रण

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सीसीआरएएस अधीनस्थ क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा अगमकुआं में पर्यावरण दिवस का आयोजन मिशन लाइफ पर्यावरण अभियान के तहत किया गया। इसमें संगोष्ठी का अयोजन किया गया, जिसका मुख्य विषय ऊर्जा की बचत, पानी की बचत, एक उपयोग प्लास्टिक को न कहें, टिकाऊ/सतत खाद्य प्रणालियों को अपनाना, ठोस अपशिष्ट को कम करना, ई-वेस्ट को कम करना, स्वस्थ जीवन शैली को अपनाना है। इसमें संस्थान के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों एवं संस्थान में आए मरीजों ने भाग लिया। इसमें उक्त सात विषयों के बारे मौखिक एवं पम्पलेट द्वारा जानकारी दी गयी तथा औषधीय पौधों का वितरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान प्रभारी डॉ कृष्ण कुमार सिंह की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर नोडल ऑफिसर डॉ बालाजी पोटभरे, डॉ विमल तिवारी, डॉ रितिका मिश्रा, डॉ कुमारी अर्चना ने

अपने विचार रखे तथा पौष्टिक पोषाहार एवं फलों का वितरण भी किया गया। इधर पर्यावरण संरक्षण के संदेशों की तख्तियां एवं पौधे लेकर त्रिमूर्ति चौक, मंगल तालाब से प्रभातफेरी निकाली गई। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव कुमार यादव के नेतृत्व में निकली प्रभातफेरी में शामिल लोगों के नारे थे वृक्ष है तो जीवन है, वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, वृक्ष लगेगा, ऑक्सीजन बढ़ेगा। प्रभातफेरी के बाद लोगों ने पौधा लगाने, वृक्ष बचाने एवं प्लास्टिक प्रयोग न करने का संकल्प लिया। संजीव यादव ने बताया कि ग्रामीणों- किसानों द्वारा लगाए गए पौधों को तीन वर्ष तक बचाने के लिए प्रति पौधा 65 रुपया, तालाब खुदवाने के लिए 75 प्रतिशत एवं सिंचाई पटवन, बोरिंग व स्प्रिंकल के लिए 75 प्रतिशत का अनुदान सरकार दे रही है। गांधी सरोवर परिसर में लोगों ने अपने माता-पिता, पूर्वजों पितृत्व देवता के नाम पर पीपल, बरगद, नीम एवं अशोक के दर्जनों पौधा लगाए। इस अवसर पर चौक मंडल अध्यक्ष नवल सिन्हा ने सभी को पौधा देकर स्वागत किया। इस अवसर पर योगाचार्य सत्येंद्र कुमार, प्रो विनय प्रसाद यादव, नैयर इकबाल, सरदार चरणी सिंह, विनोद कुमार, ओपी जायसवाल, देवेश नवाडिया, जवाहर प्रसाद, मुन्ना सिंह, राजेंद्र यादव, संगीता जयसवाल, नीतू अग्रवाल, संगीता कौर आदि ने पौधारोपण किया। पौधों से ही जीवन की सांसें हैं, फिर मानव क्यों नहीं चेत रहा, जबकि उसके दुष्परिणाम सभी झेल रहे हैं। 45 डिग्री तापमान, भूजल का निचले स्तर पर पहुंच जाना, क्या अपने सामने नौनिहालों को तड़प-तड़प मरने को देखने का इंतजार कर रहे हैं, तब नींद खुलेगी? समय रहते धरती को हरा-भरा रखने का संकल्प लीजिए। अपना और दुनिया का जीवन हरियालीमय बनाएं। ये बातें आज मानस पथ स्थित स्वरांजलि के खुले प्रांगण में पौध रोपण करते हुए संस्था के संयोजक अनिल रश्मि ने कही। आसपास के घरों में जाकर पर्यावरण को सुरक्षित रखने और पौध को लगाने का संकल्प दिलाया गया। पर्यावरणविद् नेक आलम ने कहा कि पेड़ पौधे हम सबों के लिए बागवान हैं, उन्हें आदर के साथ सम्मान देना चाहिए, बदले में हमें सतरंगी जिंदगी मिलेगी। इसमें मारवाड़ी उच्च विद्यालय के छात्रों ने सहयोग के साथ पौध लगाने और उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प लिया। औषधियों से भरे जीवन उपयोगी पीपल, तुलसी, एलोवेरा, नीम आदि के पौधे लगाए गए। मौके पर युवा प्रभारी नितिन कुमार वर्मा, विपिन मंडल, सुशीला कुमारी मौजूद थीं। कार्यक्रम संयोजक जितेंद्र कुमार पाल थे, जबकि धन्यवाद ज्ञापन देवमुनि साह ने किया।

अभिलाष साहु को झारखंड राज्य आवास बोर्ड का सदस्य मनोनित किए गए

प्रात :किरण संवाददाता

पटना । झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता तथा पिछड़ा वर्ग एवम वैश्य समाज के वरीय पदाधिकारी बीरेंद्र साहु ने बताया कि झारखंड सरकार के नगर विकास एव आवास विभाग ने अधिसूचना जारी कर अभिलाष साहु पिता बसंत प्रसाद अरगोड़ा रांची निवासी को झारखंड राज्य आवास बोर्ड का सदस्य मनोनित किया है । निश्चित रूप से सरकार द्वारा उनके मनोनयन से पूरे गठित बोर्ड के सम्मानित माननीय अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों के सहयोग से एक टिम भावना से लंबित पड़े अनेक मामलो पर बोर्ड बैठक में सरकारी दिशा निर्देश के अनुसार गति प्रदान कर त्वरित कार्रवाई के साथ

कार्य करेगी।संपर्क स्थापित करने पर अभिलाष साहु ' ने बताया कि प्रदेश नेतृत्व के सलाह पर सरकार द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है मैं आम जनता के प्रति समर्पित सकारात्मक सोच के साथ कार्य करूंगा। अभिलाष साहु के झारखंड राज्य आवास बोर्ड का सदस्य बनाने पर पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय है,झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश प्रसाद साहु प्रदेश महामंत्री उमेश साहु, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनिल साहु, प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु, वरीय कार्यसमीति सदस्य उदय साहु, मुकेश साहु, रमेश साहु, दिलिप नाथ साहु, अर्श साहु, कुणाल कुमार बंटी, दीपक प्रसाद, रमण साहु, मिथिलेश साहु, बिद्याधर साहु, सुभाष साहु, राधेश्याम साहु, मुकेश साहु निशु, कृष्णा मुरारी साहु, अजित साहु, राजन साहु, उपेन साहु , संजय भगत सुधीर साहु, राजेश साहु के अलावा पूरे प्रदेश संगठन के सदस्यो ने अभिलाष साहु जी को राज्य आवास बोर्ड का सदस्य बनाने पर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, के साथ पूरा कांग्रेस परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए झारखंड के माननीय लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के प्रति भी आभार प्रकट किया है।

रेल मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए : रवि यादव

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। राष्ट्रीय जनता दल के जिला महासचिव रवि यादव ने बताया कि ओडिशा ट्रेन हादसे को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को इस्तीफा देना चाहिए। ओडिशा के बालासोर में हुए भीषण ट्रेन हादसे को चार दिन बीत चुका है। क्या शीर्ष पदों पर बैठे लोगों की जवाबदेही मानवीय और नैतिक आधार पर तय नहीं होनी चाहिए ? विशेषज्ञों की चेतावनियों और सुझावों, संसदीय समिति, कैग की रिपोर्ट की अनदेखी के लिए कौन जिम्मेदार है? रेलवे में रिक्त पदों और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में धन की कमी के लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी? लाल बहादुर शास्त्री जी, नीतीश कुमार जी, माधव राव सिंधिया जी के नैतिक मार्ग पर चलते हुए क्या रेल मंत्री को इस्तीफा नहीं दे देना चाहिए? सरकार खानापूर्ति कर दुखद दुर्घटना को लीपा-पोती करने में लगी है। विदित हो कि ओडिशा के बालासोर में बहनागा बाजार रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार शाम कोरोमंडल एक्सप्रेस और एसएमवीपी-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 21 डिब्बे और एक मालगाड़ी के टकरा जाने और पटरी से उतरने से कम से कम 288 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1100 से अधिक घायल हो गए।

रोटरी पटना सिटी ने किया आभार कार्यक्रम, उपलब्धियां गिनाई

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी। रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी द्वारा आभार कार्यक्रम का आयोजन चौक स्थित कचौड़ी गली में रोटेरियन शशिशेखर रस्तोगी एवं रीता रस्तोगी के आवास पर हुआ। क्लब के अध्यक्ष अमित आनंद एवं सचिव रविशंकर प्रीत ने सभी सदस्यों को धन्यवाद सह आभार व्यक्त किया। इस सत्र में रोटरी पटना सिटी ने 50 से अधिक की संख्या में यहां के गण्यमान्य व्यक्तियों को क्लब की सदस्यता दिलवाई। कार्यक्रम में राजेश बल्लभ, अनंत अरोड़ा, अश्वनी राज, गिरजा शंकर, डॉ शाह अद्वैत कृष्ण, महेंद्र पाल सिंह ढिल्लन, डॉ आरपी सिंह, डॉ बृजमोहन प्रसाद, रतन श्रीवास्तव, विष्णु झुनझुनावाला, अमित सिंह, संतोष कुमार, प्रशांत श्रीवास्तव, गोविंद कनोडिया, सविता प्रीत, रव्यांशु प्रीत, प्रांशु गुप्ता, हिमांशु राज आदि सदस्यों की उपस्थिति रही। मुख्य अतिथि पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र के विधायक नंदकिशोर यादव थे। कार्यक्रम प्रीतिभोज के साथ संपन्न हुआ।

महिला अधिकार कन्वेंशन की सफलता के लिए ऐपवा की बैठक

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। ऐपवा की राज्य सचिव अनिता सिन्हा की अध्यक्षता में महिला अधिकार कन्वेंशन झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की शहादत दिवस की सफलता एवं भव्यता के लिए महत्वपूर्ण बैठक माले कार्यालय में हुआ। इसका संचालन ऐपवा सिटी सचिव राखी मेहता ने किया। इसमें 18 जून को होने वाले महिला अधिकार कन्वेंशन की सफलता के लिए महिलाओं व छात्राओं की भागीदारी के लिए व्यापक गोलबंदी की जाएगी। दिल्ली में होने वाली ऐपवा की राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता के लिए विस्तार से चर्चा हुई एवं सदस्यता भर्ती अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक समाप्ति के बाद गुरु गोविंद सिंह पथ से महिला कुश्ती खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न के दोषी भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पास्को एक्ट के तहत गिरफ्तारी के लिए मार्च निकाल कर भगत सिंह चौक पहुंचा। यहां खिलाड़ियों के पक्ष में तथा बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी व सासंदी खत्म करने के लिए सभा की गई। कार्यक्रम में अनिता सिन्हा, राखी मेहता, रुबी खातून, निर्मला, बिंदा देवी, मंजू देवी, सविता देवी, सीमा खातून, रजिया खातून, मालो देवी, गुड़िया देवी, किरण देवी, रीता देवी, मीना देवी, बेबी देवी आदि शामिल हुई।

भाकपा का भाजपा के खिलाफ जनजागरण अभियान

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। शहीद भगत सिंह चौक से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की राष्ट्रीय परिषद के आह्वान पर पटना साहिब में भाजपा हटाओ देश व संविधान बचाओ जनजागरण अभियान सोमवार को चलाया गया। चौक स्थित भगत सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण के साथ शुरू हुआ जनजागरण अभियान में उदयन राय, गुलाम सरवर आजाद, शिक्षक नेता डॉ भोला पासवान और पटना साहिब प्रभारी देव रतन प्रसाद ने वर्तमान समय में मो

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने सम्पूर्ण क्रांति दिवस के अवसर पर जेपी को किया नमन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

आज सम्पूर्ण क्रान्ति दिवस के अवसर पर गांधी मैदान के दक्षिण-पश्चिम छोर पर स्थित गोलम्बर में स्थापित महान क्रान्तिकारी, स्वतंत्रता सेनानी एवं सम्पूर्ण क्रांति के महानायक लोकनायक स्व जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा स्थल पर राजकीय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लोकनायक स्व जयप्रकाश नारायण की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत-शत नमन किया तथा उनके बताये आदर्शों को याद किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह, परिवहन मंत्री शीला कुमारी, उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ, सूचना प्रावैधिकी मंत्री इसराईल मंसूरी, विधान पार्षद कुमुद वर्मा, पूर्व मंत्री श्याम रजक, पूर्व मंत्री विक्रम कुंवर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, जेपी सेनानीगण सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकताओं, ने लोकनायक स्व जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धाजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने वहां उपस्थित जेपी सेनानियों से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम पूछा।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने आवास में किया पौधारोपण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को 1 अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास परिसर में आम के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अतिरिक्त परामर्शी मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चैधरी, मुख्यमंत्री के विषेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

आपदाओं से बचाव के बारे में जागरूकता फैलाने की जरूरत : श्रवण

● ग्रामीण विकास मंत्री ने राज्यस्तरीय मास्टर्स ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया उद्घाटन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि जैसे-जैसे तकनीक का विकास हो रहा है लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है वैसे-वैसे आपदा के संभावनाओं में भी वृद्धि होती दिख रही है। ऐसी स्थिति में हमारा कर्तव्य बनता है कि जो भी आपदाएं हमारे समक्ष उपस्थित होती है उनके बारे में पूर्व से ही पूरी जानकारी रखें तथा उससे बचने के उपाय को सिखें ताकि आपदा जोखिम को कम किया जा सके । मानव जीवन के समक्ष बाढ़, भूकम्प, सुखाड़, शीतलहर, चक्रवाती तूफान, लू, बज्रपात, आलोवृष्टि, अतिवृष्टि इत्यादि कई प्रकार की प्राकृतिक आपदाएं आती रहती है । मंत्री ने सोमवार को जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधकों के आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सहयोग से राज्यस्तरीय मास्टर्स ट्रेनर्स के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन के दौरान उक्त बातें कही। कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से इस विषम परिस्थिति में धैर्य रखने, अफवाह न फैलाने, दूसरों की मदद करने, बिना समय बिताये सुरक्षित स्थान पर पहुँचने इत्यादि के बारे में लोग जिला से लेकर ग्राम स्तर तक जान सकेगें । राज्य में होने वाली कई प्रकार की मानव जनित एवं प्राकृतिक आपदाओं के बारे में जानकारी देने तथा उससे बचने के उपायों से ग्रामीण स्तर तक जीविका दीदियों के माध्यम से लोगों को अवगत कराने के उद्देश्यक से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है । बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा राज्य के सभी जिलों में क्षेत्रीय समन्वयक एवं सामुदायिक समन्वयक को आपदा के संबंध में प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षण किया गया है । इसके बाद ये मास्टर्स ट्रेनर जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधक एवं प्रबंधक सामाजिक विकास को इस संबंध में प्रशिक्षण देगें । इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रखंड परियोजना प्रबंधक एवं प्रबंधक सामाजिक विकास आपदा जोखिम के न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण प्राप्त करेगें जो जीविका दीदियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें जागरूक करेगें । इसका मूल उद्देश्य आपदा प्रबंधन को समाहित करना तथा जीविका दीदियों को आपदाओं से बचाव पर प्रशिक्षण दिया जाना है । कार्यक्रम में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ उदय कांत, सदस्य मनीष कुमार वर्मा, सचिव मीनेन्द्र कुमार, जीविका के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी राहुल कुमार के अतिरिक्त प्रषिक्षण प्राप्त किये विभिन्न जिलों के क्षेत्रीय समन्वयक, सामुदायिक समन्वयक तथा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रखंड परियोजना प्रबंधकगण एवं प्रबंधकगण सामाजिक विकास उपस्थित थे ।

महंगाई और बेरोजगारी पर क्यों नहीं बोल रही भाजपा : राजीव

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

भाजपा को निशाने पर लेते हुए जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि 9 वर्षों का जश्न मन रहे भाजपाई हर जगह घूम घूम कर सरकार के कामों का ढिंढोरा पीट रहे हैं, लेकिन इन वर्षों में देशभर में बढ़ी मंहगाई, लोगों की घटी कमाई व बढ़ी बेरोजगारी पर इनके मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा है। उन्होंने कहा कि वास्तव में मोदी सरकार में मंहगाई और उनके पूंजीपति मित्रों को छोड़कर किसी और का विकास नहीं हुआ है। आज मंहगाई गरीबों पर कहर बन कर टूट रही है, गरीब मंहगाई से तिल-तिल कर मर रहे हैं, लेकिन मोदी सरकार कान में तेल डाल कर बेसुध पड़ी हुई है। इनके रवैए से ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने गरीबों को भगवान पर छोड़ दिया है। आंकड़े देते हुए उन्होंने कहा कि 2013 से 2023 तक के इनके 10 वर्षों का आकलन करें तो इन्होने आटा, तेल, दूध, घी आदि सभी रोजमर्रा की चीजों के दामों में बेतहाशा वृद्धि की है। 66 रु लिटर बिकने वाला पेट्रोल आज 100 के पार जा चुका है और तकरीबन 400 रु बिकने वाला गैस सिलिंडर आज 1200 रु तक पहुंच चुका है, इससे गरीबों ने तो रसोई गैस लेना तक बंद कर दिया है। इसके कारण इनकी बहुप्रचारित उज्ज्वला योजना तक फेल हो चुकी है, लेकिन केंद्र सरकार की कुंभकर्णी नींद टूटने का नाम ही नहीं ले रही है। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि हालिया आये पीडब्ल्यूसी ग्लोबल कंज्यूमर इनसाइट्स पल्स सर्वे के मुताबिक आज तकरीबन 74 प्रतिशत भारतीय अपनी व्यक्तिगत आर्थिक स्थिति को लेकर चिंतित हैं। इनमें से 63ः प्रतिशत लोगों ने तो गैर-जरूरी खर्च में कटौती करना भी प्रांरभ कर दिया है। वहीं 50प्रतिशत भारतीय ग्राहकों का कहना है कि दुकान में खरीदारी करते समय उन्हें बढ़ती कीमतों का अनुभव होता है। यह आंकड़े देश की भयावह तस्वीर पेश करते हैं। यह दिखाता है कि शहरों से लेकर गांवों तक लोग मंहगाई से किस प्रकार त्रस्त हैं।

बालासोर हादसे में पीएम को लेनी चाहिए नैतिक जिम्मेदारी : राठौड़

पटना। बालासोर रेल हादसे पर मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति दुःख व्यक्त करते हुए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा कि इस हादसे के बाद न केवल रेलमंत्री को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आगे बढ़कर इस हादसे की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। श्री राठौड़ ने कहा कि रेल बजट को आम बजट के साथ जोड़ना रेलवे के साथ सबसे भद्दा मजाक था और इस नीति को लाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह सोचना चाहिए कि आम जनता की सवारी रेलवे खुद के कायाकल्प पर अब कितना खुलकर कार्य कर पाती होगी। उन्होंने प्रधानमंत्री पर चुटकी लेते हुए कहा कि ये देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जिनके शासन में एक राज्य की ट्रेन दूसरे राज्य में पहुंच जाती है। रेलवे में आम लोगों के दर्द की पहचान इस सरकार में नहीं रह गयी है क्योंकि उसे खुलकर प्रधानमंत्री काम भी नहीं करने दे रहे हैं और यह सब रेलवे को निजी पूंजीपतियों के हाथों में सौंपने के उनके नीतियों के कारण हो रहा है। सुरक्षा मानकों और रेल बजट में कटौती से रेलवे को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अमीरों के लिए बुलेट ट्रेन का सपना दिखाकर आम लोगों की दैनिक ट्रेन को हादसे के ट्रैक पर छोड़ यह सरकार गाल बजाने का काम कर रही है। इस रेल हादसे में मुआवजे की राशि घोषित कर देने से सरकार खुद को पाक साफ नहीं साबित कर सकती बल्कि जितने दोषी कर्मचारी हैं उनके साथ रेलमंत्री और प्रधानमंत्री की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। राठौड़ ने कहा कि आज पुनः उड़ीसा में मालगाड़ी पटरी से उतर जा रही है तो तमिलनाडु में रेल हादसा होते होते रह गया, पिछले 4 साल में 1200 छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं रेलवे में हुई ऐसे में देश की आम जनता की सवारी में सुरक्षा मानकों से खिलवाड़ करने वाली इस सरकार की कुम्भकर्णी निद्रा कब खुलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मृतकों के परिवारजनों के प्रति सहानुभूति रखती है लेकिन इस हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का पुरजोर खिलाफत करती है।

राजद कार्यालय में सम्पूर्ण क्रांति दिवस पर जे पी को किया गया याद

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में सम्पूर्ण क्रांति दिवस पर सोमवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह की अध्यक्षता में जे पी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर उनके द्वारा किये गये कार्यों और संघर्ष को याद किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा एवं भ्रष्टाचार से संघर्ष एवं आन्दोलन के माध्यम से देश की राजनीति को एक नई दिशा दी। वे भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और संघर्षशील राजनेता थे। वे युवाओं के प्रेरणा-श्रोत रहे। उनके नेतृत्व में 1974 में छात्र आन्दोलन हुआ। उन्होनें आज ही के दिन 05 जून को सम्पूर्ण क्रांति के नारा के साथ सत्ता परिवर्तन कराया। इनके द्वारा युवाओं और आम जनों को जनता के सवालों पर जुड़कर संघर्ष और आन्दोलन की जो सीख दी गई है, उसे आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, क्योंकि आज केन्द्र सरकार की जो जनविरोधी नीतियां हैं कहीं न कहीं उससे देश के अन्दर अमाजनों को परेशान किये हुए है और युवाओं को नफरत की राजनीति के सहारे रोजगार और मुद्दों से भटकाव की दिशा में ले जाने का लगातार केन्द्र सरकार के स्तर से प्रयास चल रहा है। इसके खिलाफ हमसभी को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। इस अवसर पर माल्यार्पण करने वालों में राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुलबारी सिद्दिकी, राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, वृषिण पटेल, सुरेश पासवान, विनोद कुमार यादवेन्दु, जावेद इकबाल अंसारी, कोषाध्यक्ष सह विधायक मो कामरान, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रो सुबोध कुमार मेहता, प्रदेश मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, डॉ उर्मिला ठाकुर, मृत्युंजय तिवारी, पूर्व विधान पार्षद आजाद गांधी, प्रदेश महासचिव मदन शर्मा, प्रमोद कुमार राम, बल्ली यादव, फैयाज आलम कमाल, निर्भय कुमार अम्बेदकर, चन्देश्वर प्रसाद सिंह सहित कई गणमान्य नेतागण ने मालयार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पुणेश्वर मंडल का निधन राजद परिवार के लिए अपूरणीय क्षति : लालू

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव, राज्यसभा सांसद डॉ मीसा भारती ने पूर्व विधान पार्षद पुणेश्वर मंडल के असामयिक निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि इनके निधन से राष्ट्रीय जनता दल परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है। ये हमेशा शोषितों, वंचितों तथा समाज के अन्तिम व्यक्ति को हक और अधिकार दिलाने के प्रति संघर्ष और आन्दोलन किये। इनके योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। इनके निधन पर राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चैधरी, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुलबारी सिद्दिकी, राष्ट्रीय महासचिव श्याम रजक, जयप्रकाश नारायण यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह, वृषिण पटेल, डॉ विनोद कुमार यादवेन्दु, प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू, पूर्व मंत्री विजय प्रकाश, प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव, प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद, डॉ उर्मिला ठाकुर, पूर्व विधान पार्षद आजाद गांधी, प्रदेश महासचिव मदन शर्मा, बल्ली यादव, संजय यादव, फैयाज आलम कमाल, निराला यादव, खुर्शीद आलम सिद्दिकी, प्रमोद कुमार राम, निर्भय अम्बेदकर, देवकिशुन ठाकुर, महेन्द्र प्रसाद विद्यार्थी, विजय कुमार यादव, मो खालिद, अभिषेक सिंह, चन्देश्वर प्रसाद सिंह सहित अन्य नेताओं ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि इनके निधन से समाजवादी आन्दोलन को काफी धक्का पहुंचा है। इनके जैसे सोच वाले नेता विरले हीं होते हैं। प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि इनके निधन का सामचार सुनकर इनके सम्मान में पार्टी का झंडा आधा झुका दिया गया।

विप सभापति ने जताया शोक

पटना। बिहार विधान परिषद के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर ने बिहार विधान परिषद् के पूर्व सदस्य पुनेश्वर मंडल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। सभापति ने अपने शोक संदेश में दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

वृक्षारोपण एवं साइकिल चलाने की आदतें अपनाएं तभी बचेगा पर्यावरण : तेज प्रताप

विश्व पर्यावरण दिवस पर यूनिसेफ एवं नेहरु युवा केंद्र संगठन द्वारा एक दिवसीय सेमिनार सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नेहरु युवा केंद्र संगठन एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को जलवायु परिवर्तन विषय पर एक दिवसीय सेमिनार सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में 38 जिलों से आए लगभग 500 युवाओं ने भाग लिया। बतौर मुख्य अतिथि बिहार के वन एवं पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर मंत्री तेज प्रताप यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिसपर हम सबको मिलकर काम करने की आवश्यकता है। पर्यावरण दिवस जैसे खास मौकों के अलावा हमें अन्य अवसरों पर भी अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रमों में अतिथियों को फूल-माला की बजाए उपहार स्वरूप पौधे देने पर जोर दिया। राज्य भर से आए युवा प्रतिभागियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के गंभीर खतरों से निपटने हेतु सभी जरूरी स्वस्थ आदतों को अपनाना चाहिए। मसलन साइकिल चालन को अपना कर न सिर्फ युवाओं का स्वास्थ्य होगा बल्कि वे पर्यावरण के संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हैं। इसे बढ़ावा देने के लिए उन्होंने सरकार की तरफ से अधिक से अधिक साइकिल ट्रैक के निर्माण करवाने हेतु अपील करने का आश्वासन दिया। यूनिसेफ बिहार की राज्य प्रमुख नफीसा बिन्ते शफीक ने कहा कि वैसे तो जलवायु परिवर्तन से हम सभी प्रभावित होते हैं लेकिन बच्चों एवं किशोर-किशोरियों पर इसका सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बिहार में प्रतिवर्ष बाढ़, सुखाड़ और लू जैसी गंभीर समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनसे निबटने के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाया जा रहा जल जीवन हरियाली मिशन एक महत्वपूर्ण कदम है। मिशन लाइफ (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) के जरिए भी सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित कर जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं नेहरु युवा केंद्र संगठन के साथ मिलकर बिहार में जल जीवन हरियाली मिशन और मिशन लाइफ को और अधिक बढ़ावा देने और सशक्त बनाने हेतु यूनिसेफ प्रतिबद्ध है।

प्रधान सचिव अरविंद चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट द्वारा इस बार विश्व पर्यावरण दिवस के लिए प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति थीम घोषित किया गया है जो कि प्लास्टिक कचरे के सुरक्षित निपटारे के समाधान खोजने पर जोर देता है। उन्होंने जल जीवन हरियाली मिशन की चर्चा करते हुए कहा कि जल और हरियाली के बीच ही जीवन संभव है। उन्होंने आगे कहा कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के साथ राज्य सरकार द्वारा एक करार किया गया है जिसके तहत नेट जीरो कार्बन एमिशन एक्शन प्लान तैयार किया जा रहा है ताकि हमारे उर्जा संयंत्रों से कार्बन का उत्सर्जन खत्म किया जा सके। नेहरु युवा केंद्र संगठन के राज्य निदेशक अंशुमन प्रसाद दास ने कहा कि नाटक, नृत्य, संगीत इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हम राज्य भर में युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूक कर रहे है। पटना विश्वविद्यालय के भूगर्भ शास्त्र विभाग के प्रोफेसर अतुल आदित्य पांडेय ने ह्यजलवायु परिवर्तन जनित चुनौतियाँ एवं युवाओं की भूमिकाह्न पर एक सारगर्भित प्रस्तुति दी। उन्होंने कहा कि सही मायनों में पर्यावरण संरक्षण हेतु हमें अपनी जीवनशैली में आवश्यक बदलाव करने होंगे। विशेष कर युवाओं को इस दिशा में खुद भी जागरूक होना होगा एवं समाज को भी जागरूक करना होगा। तकनीकी सत्र के तहत जलवायु परिवर्तन जनित चुनौतियाँ एवं युवाओं की सहभागिता विषय पर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से चर्चा की गई। चन्द्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राणा सिंह, यूनिसेफ बिहार के बाल सुरक्षा विशेषज्ञ बंकु बिहारी सरकार, गाँव कनेक्शन की एमडी निधि जामवाल तथा आगा खान ग्राम समर्थन कार्यक्रम के क्षेत्रीय निदेशक जय प्रकाश सिंह ने परिचर्चा में हिस्सा लिया.

पुल का गिरना भ्रष्टाचार का ताजा उदाहरण : चिराग

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने सुल्तानगंज में गंगा पर बन रहे निमाणार्धीन पुल के गिरने की घटना पर सरकार को घेरा है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का कहना है कि एक साल में दो-दो बार अरबों की लागत से बन रहे पुल का गिरना भ्रष्टाचार का ताजा उदाहरण है।

श्री चिराग ने इस घटना को लेकर सरकार से पूछा है कि भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं तो बताइए यह घटना भ्रष्टाचार नहीं है तो क्या है ?कभी शिलान्यास से पहले पुल गिर जाता है तो कभी चूहे बांध कुतर देते हैं। उक्त आशय की जानकारी लोजपा (रा) के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दी।

उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान में 6 दिवसीय समर-कैम्प की हुई शुरूआत

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान में 6 दिनों के समर-कैम्प की शुरूआत सोमवार से हो गई है। संस्थान के परिसर में आयोजित समर-कैम्प के पहले दिन बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विभिन्न कलाओं को जाना। समर-कैम्प की शुरूआत में बच्चों को हस्तशिल्प के बारे में बताया गया। इसके बाद बच्चों को सभी कला में कलाकृतियों को बनाने के लिए सिखाना शुरू किया गया। पहले दिन विभिन्न कलाओं में 436 बच्चे उपस्थित हुए। समर-कैम्प में बच्चों को हस्तशिल्प के 7 विधा में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इनमें पेपरमैशी, मंजूषा पेंटिंग, टेराकोटा, टिकुली कला, मधुबनी पेंटिंग, सिक्की कला, जूट-ज्वेलरी शामिल हैं। इनके अलावा बच्चों को ललित कला का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बच्चों को हस्तशिल्प तथा समकालीन कला में प्रशिक्षण के साथ नए डिजाइनों की जानकारी भी दी जा रही है। समर-कैम्प में पंद्रह प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों को प्रशिक्षण दिया रहा है। इस कैम्प में कक्षा 3 से 12 तक के बच्चे भाग ले रहे हैं। यह समर-कैम्प पूरी तरह निःशुल्क है और बच्चों को कला सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। समर कैम्प के अंत में प्रत्येक शिल्प में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर चयनित छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा।

इस्तीफा देकर पेश करें नैतिकता की मिसाल : जदयू

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

जदयू प्रदेश मुख्यालय में पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और विधानपार्षद नीरज कुमार और प्रदेश प्रवक्ता व पूर्व विधायक राहुल शर्मा की तरफ से आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में दोनों प्रवक्ताओं ने ओडिशा के बालासोर रेल हादसे को लेकर बीजेपी से गंभीर सवाल पूछे। दोनों प्रवक्ताओं ने केंद्र की मोदी से सवाल पूछते हुए कहा कि आज देश में ट्रेनों की तादाद बढ़ रही है, पटरियों की लंबाई बढ़ रही है लेकिन रेल कर्मियों की तादाद कम हो रही है। उन्होंने कहा कि बालासोर में हुई घटना रेल हादसा नहीं है बल्कि ये हत्या है और ये काम केंद्र सरकार रेलवे में कर्मियों की भर्तियों को नहीं कर करवा रही है। पार्टी के दोनों प्रवक्ताओं ने कहा कि साल 1999 में असम के गैसल रेल दुर्घटना के बाद हमारे मुख्यमंत्री और उस समय के तत्कालीन रेल मंत्री नीतीश कुमार ने सार्वजनिक जीवन के उच्च मानदंडों का पालन करते हुए इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि देश में लाल बहादुर शास्त्री के बाद वो देश के दूसरे रेल मंत्री थे जिन्होंने रेल दुर्घटना के बाद इस्तीफा दिया था और उस समय हमारे मुख्यमंत्री ने उस दुर्घटना को क्रिमिनल नेगलिजेंस करार दिया था। इस दौरान नीतीश कुमार ने दो बड़ी ही गंभीर बातें रेलवे को लेकर कही थी। दोनों प्रवक्ताओं ने कहा कि वो बातें आज सही साबित हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि मामले की जांच सीबीआई को सौंपकर मामले की लीपापोती की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिसे तकनीकी चीजों के बारे में कोई जानकारी नहीं है उसे जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार और प्रदेश प्रवक्ता राहुल शर्मा ने कहा कि दुर्घटना मामले की जांच रेलवे बोर्ड से होना चाहिए ना कि सीबीआई से। पार्टी के दोनों प्रवक्ताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार नेहरू जी के चलाए जन शताब्दी ट्रेन के अस्तित्व को खत्म करना चाहती है और उसकी जगह बेहद खचीर्ले वंदे भारत ट्रेन के परिचालन को महत्व दे रही है। उन्होंने कहा कि खचीर्ला होने के चलते वंदे भारत का टिकट काफी महंगा है और इसका भार आम लोगों पर पड़ रहा है।

आकाउंट से 80 हजार रुपए उड़ा लिए गए, मामला दर्ज के बावजूद नहीं हो रही कारवाई

जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में फरियादी की शिकायत, सीएम ने शीघ्र कार्रवाई का दिए निर्देश

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 4, देशरत्न मार्ग स्थित मुख्यमंत्री सचिवालय परिसर में आयोजित जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे 73 लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में पश्चिम चंपारण जिले से ही आए एक अन्य फरियादी ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि साइबर क्राइम के तहत उसके सेंट्रल बैंक आकाउंट से 80 हजार रुपए उड़ा लिए गए हैं। मामला दर्ज कराए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। पश्चिम चंपारण जिले से आए एक फरियादी ने गुहार लगाते हुए मुख्यमंत्री से कहा कि मेरे परिवार के एक आदमी की साजिश के तहत हत्या कर दी गई है। केस दर्ज है उसके बाद भी किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। वहीं, लखीसराय जिले से आए एक फरियादी ने गुहार लगाते हुए कहा कि थाना में अपने मामले को लेकर जा रहे हैं लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रहा है। इससे मुख्यमंत्री ने पुलिस महानिदेशक को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। नवादा जिले से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरे पिता जी गृह रक्षा वाहिनी में कार्यरत थे और उनका देहांत हो गया है उसके बाद परिवार को जो सुविधाएं उपलब्ध करायी जानी चाहिए वो अब तक नहीं उपलब्ध करायी गई है। अनुकंपा पर नौकरी भी नहीं मिली है, जिससे पूरा परिवार आर्थिक तंगी का दंश झेल रहा है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग से जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। औरंगाबाद से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि वर्ष 2014 में मेरी शादी हुई थी। उसके बाद दहेज के रुप में स्कॉर्पियो की मांग की जा रही है, नहीं देने की वजह से मुझे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को जांचकर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

इन विभागों संबंधित समस्याओं पर हुई सुनवाई : आज जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम में सामान्य प्रषासन विभाग, गृह विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, निगरानी विभाग, खान एवं भू-तत्व विभाग, शिक्षा विभाग, निर्वाचन विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, संसदीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, वित्त विभाग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, सूचना प्रावैधिकी विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, श्रम संसाधन विभाग तथा आपदा प्रबंधन विभाग से संबंधित मामलों पर सुनवाई हुयी।

पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण का संकल्प

पटना। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर पटना में मिशन लाइफ के तहत संस्थान के निदेशक डॉ. अनुप दास की अगुवाई में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. दास ने संस्थान मुख्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरा विश्व 50वां पर्यावरण दिवस मना रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण की सुरक्षा के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाना और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाना है। उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के साथ-साथ युवाओं और बच्चों जो हमारे देश की भावी पीढ़ी हैं उनको भी वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. अमिताभ डे, डॉ. कमल शर्मा, डॉ. मोनोब्रुल्लाह, डॉ. बिकाश सरकार, डॉ. पी. सी. चंद्रन, डॉ. अभिषेक कुमार के साथ-साथ संस्थान के अन्य कर्मचारियों और बच्चों ने भी भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

नेपाल के 275 जरूरतमंद परिवारों के बीच भारत सरकार द्वारा दिया गया गैस चूल्हा एवं सिलेंडर

रक्सौल। नेपाल में भारतीय महावाणिज्यदूत नितेश कुमार एवं नेपाल-भारत महिला मैत्री समाज की अध्यक्षा सह प्रतिनिधि सभा सदस्या चंदा चौधरी द्वारा सप्तरी जिला के तिरहुत गांवपलिका में जरूरतमंद परिवारों को 275 पीस एलपीजी गैस चूल्हा, सिलेंडर एवं अन्य सामान को संयुक्त रूप से दिया गया। जानकारी के मुताबिक सलार्ही, रौतहट एवं सप्तरी जिला के जरूरतमंद परिवारों को भारत सरकार द्वारा कुल 3 हजार सेट गैस चूल्हा, सिलेंडर एवं पाईप आदि दिया है। इसमें जिला प्रशासन द्वारा सामाजिक-आर्थिक गणना कर परिवार की पहचान करने के बाद उक्त सामग्री दी गई। इसके लिए भारत सरकार ने दो करोड़ चार लाख निन्यानवे हजार रुपए स्वीकृत किया है। वितरण के बाद महावाणिज्यदूत नितेश कुमार ने सभी लाभार्थियों को बधाई दिया। वहीं चंदा चौधरी ने भारत सरकार को धन्यवाद दी। बता दें कि आजादी के अमृत महोत्सव के एक भाग के रूप में नेपाल में इस वर्ष उद्घाटन किए हुए 75 योजनाओं में से एक उक्त सामग्री है।

जमीनी विवाद में हुई मारपीट, फर्द बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के बोरिया निवासी अजय महतो के पुत्र नीतीश कुमार जमीनी विवाद में हुई मारपीट की घटना को लेकर पुलिस के समक्ष फर्द बयान देकर प्राथमिकी दर्ज करवाई है। जिसमे भोला महतो, राम सकील महतो, अरूण कुमार, मंजय लाल कुमार, गणेश कुमार को नामजद एवं 5 अज्ञात को आरोपित किया है। पीड़ित ने बताया की 05 अप्रैल की संध्या उपर्युक्त नामित एवं अज्ञात लाठी डंडे, लोहे के रॉड से लैस होकर आया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर घायल कर दिया। इलाज के दौरान पीड़ित पिता-पुत्र ने पुलिस के समक्ष फर्द बयान देकर प्राथमिकी दर्ज करवाई है।

मुखिया संघ के अध्यक्ष बने रंजीत कुमार तो उपाध्यक्ष दिलीप कुमार

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत पंचायत सरकार भवन विभूतिपुर उत्तर के प्रांगण में मुखिया संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गत बैठक की संपुष्टि करते हुए मुखिया संघ के अध्यक्ष चंद्रमणि प्रसाद सिंह एवं उपाध्यक्ष अपने पद से इस्तीफा दिया। वहीं अध्यक्ष पद पर चंद्रमणि प्रसाद सिंह के इस्तीफा देने के बाद सर्वसम्मति से रंजीत कुमार महतो को मुखिया संघ का अध्यक्ष बनाया गया वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से दिलीप कुमार का चयन किया गया। मौके पर मुखिया राजकुमार, चंद्रमणि प्रसाद, भोला शंकर दास, मनोज यादव, अनीता देवी, दिलीप कुमार, दिगंबर चौधरी, संजय कुमार निराला, अनिल कुमार, राजकुमार शर्मा, अशोक कुमार, महेंद्र महतो, सुशील कुमार चौधरी, रंजीत कुमार महतो, गुंजन कुमार, विभा कुमारी, वैजयंती माला देवी, रामप्रवेश राय, वंदना देवी, रामसेवक, शिवानी सिन्हा, ललिता देवी आदि उपस्थित थे।

पर्यावरण सचेतकों के साइकिल चालक दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

मधुबनी विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए हुए पर्यावरण सचेतकों के साइकिल चालक दल को नगर भवन मधुबनी से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। बताते चलें कि बाबूबरही खजौली जयनगर कलुआही एवं राजनगर प्रखंडों से बड़ी संख्या में साइकिल चालक यूनियन के सदस्यों द्वारा जन जागरूकता हेतु साइकिल मार्च निकाला गया।मौके पर अपने उदगार व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि इतनी भीषण गर्मी में पर्यावरण संरक्षण के विचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साइकिल मार्च निकालने का प्रयास प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि तमाम व्यस्तताओं के बीच लोग पर्यावरण संरक्षण के महत्व को भूलते जा रहे हैं। जबकि यह मामला हम सभी के जीवन से जुड़ा हुआ है। ऐसे में लोगों को उनके कर्त्तव्यों की याद दिलाने के लिए जागरूकता अभियान की अत्यंत आवश्यकता है। आज जरूरत है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए लोग अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाएं और सभी प्रकार के प्रदूषण जिसमें वायु, जल, मृदा और ध्वनि प्रदूषण शामिल हैं की रोकथाम के प्रति जागरूक बनें।उन्होंने चालक दल के सभी सदस्यों की हौसला अफजाई की और साइकिल को प्रदूषण की रोकथाम के साथ साथ फिटनेस के लिए भी कारगर बताया। उन्होंनेआगे भी इस प्रकार के आयोजनों की जरूरत पर बल दिया।

पुलिस ने किया सीएसपी संचालक हत्याकांड का खुलासा, तीन अपराधी दो पिस्टल के साथ गिरफ्तार

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के चकमेहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते 29 मई की शाम सीएसपी संचालक से लूटपाट और गोली मारकर हत्या मामले का पुलिस ने सोमवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से घटना में प्रयुक्त पिस्टल समेत दो पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, दो किलो गांजा, दो मोटरसाइकिल और दो मोबाइल बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान मुजफ्फरपुर जिला अंतर्गत पियर थाना क्षेत्र निवासी मुकेश ठाकुर और पांडव पासवान एवं चकमेहसी थाना क्षेत्र निवासी गणेश कुमार के रूप में बतायी गई है। सोमवार को एसपी कार्यालय में मामले का खुलासा करते हुए एसपी विनय तिवारी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी गांजा की तस्करी किया करते थे। रुपयों की कमी के बाद वे लोग लूटपाट की घटना को अंजाम देते थे। उन्होंने कहा कि पुलिस के द्वारा की गई विस्तृत पूछताछ में गिरफ्तार अपराधियों ने कई कांडों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि कांड के सफल उद्भेदन को लेकर सदर डीएसपी के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया था। जिसमें नगर थानाध्यक्ष विक्रम आचार्य, मुफ्फसिल थानाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार सिंह, पूसा थानाध्यक्ष चंद्रकांत गौरी, चकमेहसी थानाध्यक्ष चंद्र किशोर टूडू, कल्याणपुर थानाध्यक्ष गौतम कुमार, डीआईयू शाखा से अनिल कुमार, राजन कुमार, राहुल कुमार एवं मुकेश कुमार शामिल थे। कांड के अनुसंधान में तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने वाले मिथिलेश कुमार एवं अखिलेश कुमार को उनके बेहतर कार्य को लेकर पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं, उन्होंने बताया कि फरार चल रहे एक अन्य अपराधी को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा

प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण सह उपादन वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड परिसर स्थित पंचायत समिति भवन के प्रांगण में खरीफ महा अभियान के तहत प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण सह उपादन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख रूपांजलि कुमारी एवं संचालन किसान सलाहकार प्रेमचंद्र सिंह कर रहे थे। मुख्य अतिथि के रूप में जिप सदस्य रीना राय एवं विशिष्ट अतिथि उपप्रमुख सुजीत कुमार चौधरी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। वहीं कार्यक्रम के माध्यम से प्रखंड कृषि पदाधिकारी हिमांशु कुमार प्रखंड में खरीफ योजना एवं लक्ष्य के बारे में विस्तार से बताया। वहीं प्रखंड उद्यान पदाधिकारी सत्येंद्र प्रसाद सिंह, वहीं भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी सतीश कुमार, प्रगतिशील कृषक जैविक समूह के अध्यक्ष जितेंद्र प्रसाद, कृषि अभियंत्रण अभिषेक कुमार, जिला प्रशिक्षक मुकेश कुमार देव, पूर्व जिला पार्षद कृष्ण प्रसाद सिंह भी संबोधित किया। मौके पर कृषि समन्वयक अभिजीत, मुरारी प्रसाद सिंह, राजीव रंजन, रविकांत किसान सलाहकार मानसिंह मधुकर, मनोज, रंजीत राजीव तकनीकी सहायक प्रबंधक सत्य प्रकाश सिंह, विकास, रूमी हबीबा सहित प्रखंड के पंचायत स्तरीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन तकनीकी प्रबंधक शशि रंजन के द्वारा किया गया।

भारत विकास परिषद ने पर्यावरण दिवस पर किया चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण विषय विभिन्न विधालयों एवं कोचिंग क्लासेज के छात्र-छात्राओं के बीच चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई !कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा, परिषद के वरिष्ठ संरक्षक भरत प्रसाद गुप्त, महेश अग्रवाल, अध्यक्ष डॉ.राजेन्द्र प्रसाद सिंह, सचिव उमेश सिकारिया, डॉ. एस. के.सिंह, उपसभापति प्रतिनिधि राकेश कुशवाहा, कन्हैया सर्राफ, कार्यक्रम संयोजक प्रशांत कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन से हुआ। तत्पश्चात वन्दे मातरम्-गायन तथा भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी। इस मौके पर विधायक प्रमोद कुमार सिन्हा को पुष्पमाला, दोशाला ओढ़ाकर व मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। इस दौरान विधायक श्री सिन्हा ने भारत विकास परिषद द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर देश के भविष्य बच्चों के बीच पर्यावरण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित कर उनके बीच पर्यावरण के संरक्षण व संवर्धन के लिए जागरूकता पैदा करने के प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि पेड़ पौधे हमारे जीवन का आधार हैं, इसके लिए हम सबों को अधिक से अधिक पौधरोपण कर उसके संरक्षण व संवर्धन कर संकल्पबद्ध होना चाहिए। वरिष्ठ समाजसेवी भरत प्रसाद ने कहा कि पर्यावरण बचाने की जिम्मेदारी वर्तमान पीढ़ी की है। महेश अग्रवाल ने कहा कि पेड़ -पौधों की अंधाधुंध कटाई से धरती के तापमान में भारी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। भू जलस्तर काफी नीचे चला गया है। फलस्वरूप पानी की किल्लत बहुत ज्यादा हो गयी है। अभी हम सभी के चेतने की बारी है। अगर हम समय रहते नहीं चेते तो भावी पीढ़ी हमें कभी माफ नहीं करेगी। डॉ. एस.के. सिंह ने पर्यावरण बचाने तथा स्वच्छता अपनाने पर जोर दिया। चित्रकला प्रतियोगिता में ने 75 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें को अच्छी थीम एवं चित्रकारी के लिए शांतिनिकेतन आदर्श विधालय की अंशिका कुमारी को प्रथम, चंद्रशील स्कूल की अंकिता कुमारी को द्वितीय, चंद्रशील स्कूल की रौनक परवीन तृतीय एवं कैम्ब्रिज पब्लिक स्कूल की अवनी गुप्ता को चतुर्थ पुरस्कार प्रदान किया। सभी प्रतिभागियों को परिषद की ओर से सहभागिता प्रमाणपत्र एवं मेडल भी प्रदान किया गया। साथ ही इस मौके पर उपस्थित सभी विधालय एवं कोचिंग सेंटरों के ड्रॉइंग टीचरों एवं उनके प्रतिनिधियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया गया। कार्यक्रम का समापन अध्यक्ष डॉ.राजेन्द्र प्रसाद सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। इस मौके पर शारदा कला केन्द्र की संचालिका शिखा रंजन, कैम्ब्रिज पब्लिक स्कूल, शांतिनिकेतन आदर्श विद्यालय, दीपा केमिस्ट्री क्लासेज की संचालिका दीपा कुमारी सर्राफ एल, तक्षशिला कोचिंग के चैतन्य कुमार, जयंत एकेडमी के हेमंत शर्मा के साथ अन्य शिक्षण संस्थानों को भी मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी, वित्त सचिव सीताराम गोयल, नीतेश सिंह, प्रशांत कुमार, विजय कुमार साह, गोपाल सर्राफ, सुभाष अग्रवाल, हरीश खत्री, दिनेश प्रसाद, अवधेश सिंह, सुरेश धनोठिया, शिव कुमार केशान, पूर्व पार्षद सुरेश कुमार समेत नगर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसकी जानकारी परिषद के मीडिया प्रभारी रजनीश प्रियदर्शी ने दी है।

बालू माफियाओं ने पुलिस मुखबिरी के शक पर जदयू नेता पर किया जानलेवा हमला

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

समस्तीपुर जिले के मोहनपुर ओपी क्षेत्र अंतर्गत डुमरी गांव में रविवार की रात बालू माफियाओं ने पुलिस की मुखबिरी के शक पर जदयू नेता मनोज सिंह पर जानलेवा हमला किया। रॉड से मारकर उनके दोनों पैर को तोड़ डाला गया। हल्ला होने पर जुटे ग्रामीणों के सहयोग से उन्हें मोहिउद्दीननगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज आईसीयू में चल रहा है। घटना के संबंध में बताया गया है कि जदूय नेता रात गांव में डाक बाबू के यहां आयोजित सत्यनारायण भगवान के पूजा का प्रसाद खाने के बाद देर रात करीब 11 बजे बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान प्राइमरी स्कूल के पास पूर्व से घात लगाए बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और रॉड से हमला कर दिया। आरोप लगाया कि तुम पुलिस के लिए काम करते हो, जिससे कामकाज प्रभावित हो रहा है। हाल के दिनों में पुलिस ने इलाके में छापेमारी भी की। मारपीट के दौरान जदयू नेता के चीखने चिल्लाने पर आसपास के लोगों की भीड़ जुटी, जिसके बाद बदमाश वहां से फरार हो गए। बाद में लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को देते हुए जदयू नेता को एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया। घटना को लेकर गांव में तनाव का वातावरण कायम है।

कबीर धारा संसार में सबकी मांगे खैर, ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर : आचार्य महंथ अवध बिहारी दास

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत केराई शाहपुर में सदगुरु कबीर साहेब सत्संग का आयोजन किया गया। जिसके आचार्य गद्दी कबीर आश्रम लदौरा कल्याणपुर के महंथ अवध बिहारी दास थे। उन्होंने सत्संग विचार मंच के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि कबीर धारा संसार में सबकी मांगे खैर, ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर। एक दिन ऐसा आएगा कोई काहू को नाहीं, घर की नारी कौन कहे तन की नारी जाए। वहीं आचार्य महंथ के द्वारा कबीर की साखी से संत समाज को संबोधित किया गया। वहीं मधुबनी के गायक राधा दासीन, सीतारामदास सभा द्वारा संत समाज कबीर की साक्षी से संबोधित किया। वहीं प्रमोद कुमार अगुवा का वचन महंथ अवध बिहारी दास ने दिया। वहीं संत समाज ने आचार्यवाद दिया। देश की जनसंख्या में कबीर पंथ की जनसंख्या 30 करोड़ है। 30 करोड़ जनता को सरकार द्वारा राहत नहीं दिया जा रहा है। वोट देकर दिल्ली, पटना, जिला, प्रखंड, पंचायत की सरकार में भागीदारी निभाते हैं। वहीं पर वचन में महनैया शाखा के द्वारा सहयोग किया गया। मौके पर दर्जनों संत के अलावे सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किया गया वृक्षारोपण

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत डीबीकेएन कॉलेज नरहन एनएसएस इकाई के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के पावन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० अरविंद कुमार झा के कुशल दिशानिर्देश में प्रभारी प्रधानाचार्य सह एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो० शशि शेखर द्विवेदी के नेतृत्व में महाविद्यालय प्रांगण में फूलदार तथा छायादार पौधों का रोपण किया गया। डॉ० विनय कुमार रमन तथा डॉक्टर यशरंजन की देखरेख में संपन्न इस कार्यक्रम में प्रो० सुशील कुमार सिंह, डॉ० विनय कुमार सिंह, डॉ० विजेंद्र कुमार, प्रो० विक्की कुमार, प्रो० त्रिभुवन यादव एवं कुमारी मोनिका शामिल थे। प्रो० द्विवेदी ने मौके पर वृक्षारोपण के महत्व को जीवन से जोड़कर इसे बड़ा आयाम देने की अपील की तो डॉ० झा ने कार्यक्रम में शामिल सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दी तथा वृक्षारोपण को जल जीवन हरियाली से जोड़ते हुए इसे वैश्विक रूप देने का संदेश दिया। मौके पर छात्र-छात्राओं में उत्कर्षिनी, शारदा, मनीष, पूजा, अखिलेश, रवि, गौरव, संजीत, दिव्य प्रकाश, राजू, शिवानी, चांदनी, रूपेश, सुकेश, श्याम, कुलदीप, सोनम आदि उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हसनपुर चीनी मिल प्रांगण में किया गया पौधारोपण

हसनपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर हसनपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर पौधारोपण किया गया। इसको लेकर चीनी मिल प्रांगण में फलदार, इमली, पीपल आदि के पौधे मिल के पदाधिकारियों ने कर्मियों के साथ मिल जगह-जगह पौधे लगाए। पौधारोपण के बाद चीनी मिल के कार्यपालक अध्यक्ष आरके तिवारी ने कर्मियों को अपने आस-पड़ोस के लोगों को जागरूक करते हुए पौधारोपण करवाने की अपील की। चीनी मिल के सहायक महाप्रबंधक गन्ना सुग्रीव पाठक ने बताया कि वर्तमान समय में पौधारोपण करने से उनका भविष्य सुनहला हो जाएगा। इसके प्रति थोड़ी सी शिथिलता बरतने पर भविष्य काफी कष्टमय हो जाएगा, इसलिए पौधारोपण करने की जिम्मेवारी प्रत्येक व्यक्ति की है। उन्होंने बताया कि पौधारोपण के साथ उनके देखरेख के प्रति भी सजग होना होगा। इधर प्राथमिक कन्या विद्यालय मालदह के शिक्षक वैद्यनाथ रजक ने बताया की निकट समय में मानव समुदाय को यदि सुरक्षित रहना है तो, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता दिखानी होगी। अगर हम पेड़ पौधों की रक्षा व पर्याप्त संख्या में पेड़ नहीं लगाएंगे तो वह दिन दूर नहीं होगा हमारा जन जीवन संकट में पड़ जाएगा। उन्होंने बताया कि पौधे लगा देने भर से काम नहीं चलेगा, पौधा जब तक वृक्ष नहीं बने तब तक उसका देखरेख करना होगा। इसके लिए समाज के प्रत्येक उम्र के लोगों को पौधारोपण के प्रति जागरूक करते हुए बताया कि भविष्य को आनन्दमयी बनाने के लिए पौधारोपण करना जरूरी है। मौके पर जीएम आरके तिवारी, गन्ना उपाध्यक्ष डॉ रामवीर सिंह, सहायक महाप्रबंधक गन्ना सुग्रीव पाठक, शिवराम, उदय राज सिंह, नबाब सिंह, अभयनाथ मिश्रा, डॉ एमके अमन, पुनीत चौहान, संदीप पाटिल, सुधीर कुमार आदि मौजूद थे।

वरूणा पुल के निकट सड़क किनारे पलटा ट्रक, बाल-बाल बचे चालक व खलासी

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन थाना क्षेत्र के वरूणा चौक के निकट एनएच 322 के किनारे रविवार की देर रात ट्रक चालक नियंत्रण अनियंत्रित हो गया। जिससे ट्रक सड़क किनारे गड्ढे में पलट गयी। हालांकि ट्रक पलटने से किसी की हताहत होने की सूचना नहीं है। लोगों ने बताया कि रात में ट्रक पलटी थी। सुबह में देखा गया तो इसपर कोई चालक या खलासी नहीं था। ट्रक के पलटने के बाद चालक खलासी निकलकर फरार हो गये थे। पुलिस ने पलटे ट्रक को जब्त कर ली है।

अभियंत्रण महाविद्यालय में लगाए गए 500 पौधे

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखण्ड के नरघोघी स्थित राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय, समस्तीपुर में सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण की गई। इस मौके पर कॉलेज परिसर में कुल 500 पेड़ लगाए गए। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ० राजकिशोर तुगनायत ने सर्वप्रथम नीम का पेड़ लगाकर वृक्षारोपण का शुभारंभ किया। साथ ही छात्रों को भी वृक्षारोपण करने के लिए मोटिवेट किया। उन्होंने बताया कि वृक्षारोपण का अर्थ है वृक्षों को लगाना, वातावरण को नया जीवन देना है, पेड़ पौधे हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक होते हैं। लेकिन आधुनिक समय में जैसे-जैसे आबादी बढ़ती जा रही है, पेड़ों की लगातार कटाई होती जा रही है। तरक्की के नाम पर हम जिस तरह से पर्यावरण को हानि पहुंचा रहे हैं, उसे जरा भी नजर अंदाज नहीं किया जा सकता। हमें अपने जीवन और वातावरण को बचाए रखने के लिए पेड़ पौधे लगाने होंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना होगा। वृक्षारोपण करने से हमारा वातावरण शुद्ध होता है। जिससे हमें शुद्ध प्राणवायु मिलेगी। सभी पौधे वन विभाग के एसआई कृष्णा कुमारी के सौजन्य से प्राप्त हुआ। मौके पर संस्थान के शिक्षक प्रो० अर्पिता, डॉ० वैशाली, प्रो० विनीत रंजन और प्रो० आशीष कुमार ने भी वृक्षारोपण किया। वहीं छात्र भी प्रेरित होकर कुल 500 पेड़ अपने संस्थान के परिसर में लगा डालें। इस मौके पर संस्थान के उड़ान आर्ट्स एंड कल्चर क्लब के सोशल अवेयरनेस सोसायटी के स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर व फाइनल ईयर के छात्र राहुल कुमार ने बताया कि हम सभी छात्रों का एक मात्र लक्ष्य अपने संस्थान के परिसर को ग्रीन कैंपस में बदलना है, और पर्यावरण को शुद्ध रखना है। जिससे हमलोग का वातावरण शुद्ध होगा और हमे शुद्ध वायु मिलेग। जिससे हमलोग स्वस्थ रहेंगे। मौके पर मौजूद छात्रों में अमन, सोनू, सचिन, सौरभ, किसन, अशीष, राजीव, राहुल, अंजली, अंजनी, नाजुक, आर्या, जूही, आकृति, सोनाली, रिचा, सलोनी, अभिषेक, रवि, शुभम, राजेश ने वृक्षारोपण में अहम भूमिका निभाया।

दस लीटर महुआ विदेशी शराब के साथ तीन नशेड़ी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

हथौड़ी पुलिस ने शराब सर्च अभियान के दौरान अलग-अलग जगह से तीन नशेड़ी को गिरफ्तार किया है। हथौड़ी थाना अध्यक्ष मनू राय ने बताया कि स्वर्गीय केश्वर चौधरी के पुत्र अशोक कुमार चौधरी एवं स्वर्गीय पवन दास के पुत्र सोनू कुमार दोनों रहटौली निवासी को पुनमा धर्मपुर बांध के समीप से नशे की हालत में गिरफ्तार किया गया है। वहीं परशुराम गांव से शराब सेवन करने के आरोप में नाबालिक शीतल दास के पुत्र राम पुकार कुमार को गिरफ्तार किया गया है। साथ हीं उनका स्वास्थ्य जांच करते हुए सभी नशेड़ी को पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय भेज दिया गया। साथ हीं शराब सर्च अभियान के दौरान रंजीत कुमार दास के पत्नी हिना देवी के घर से दस लीटर देसी महुआ शराब बरामद किया है। वहीं पुलिस के आने की भनक लगते ही कारोबारी फरार हो गया। देसी महुआ शराब बरामद मामले में हथौड़ी थाना में कांड संख्या 90/23 दर्ज करते हुए अग्रेतर करवाई की जा रही है। मौके पर अपर थानाध्यक्ष रमेश कुमार, एसआई कुंदन कुमार, राजेंद्र सिंह, प्रशिक्षु एसआई राहुल कुमार, मुंशी ओमप्रकाश सिंह, चौकीदार मिथिलेश पासवान, अमृतम प्रसाद तुलसी, सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस चिकित्सा पदाधिकारी ने लगाया वृक्ष

शिवाजीनगर, प्रात : किरण संवाददाता

खानपुर प्रखंड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ केंद्र परिसर में आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बारह से अधिक प्रजाति के पेड़ पौधे लगाए गए। वृक्षारोपण चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर राना नितेश कुमार सिंह, डॉ गिरेंद्र मोहन झा, एएनएम नीलम कुमारी, विभा कुमारी शान्ती कुमारी एवं अन्य सभी चिकित्सा कर्मियों ने किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए चिकत्सा पदाधिकारी राणा नितेश कुमार ने कहा कि प्रतिवर्ष हमलोग पर्यावरण दिवस पर पौधा लगाते हैं लेकिन उसके बाद हम ये भूल जाते हैं कि हमें उस पौधे का संरक्षण भी करना है। हम दस पेड़ लगाते हैं तो बदले में कल कारखाना, मकान व सड़क बनाने के नाम पर हजारों पेड़ की कटाई कर ली जाती है। जिसका दुष्यपरिणाम आज हम सबों के सामने हैं उन्होंने कहा कि आज जल स्तर काफी नीचे चला गया है, चापाकल सूखने लगी है। वर्षा के समय में भीषण गर्मी पर रही है। नदी का अस्तित्व समाप्त हो रहा है। उन्होंने लोगों से निवेदन करते हुए कहा कि हमलोग पर्यावरण दिवस को सच्चे मन से तभी मना पाएंगे जब हजारों की संख्या में धरातल पर वृक्ष लगाकर उसका संरक्षण करेंगे। वहीं पर्यावरण के लिए खतरा बन गए प्लास्टिक का उपयोग कम से कम करने का संकल्प लिया। एएनएम नीलम कुमारी, विभा कुमारी, शांति कुमारी एवं अन्य चिकित्सा कर्मी उपस्थित रहे हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर राजनगर परिसर में एसएसबी ने वृक्षारोपण का किया कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिले के भारत-नेपाल के सीमा पर तैनात 18 वीं बटालियन मुख्यालय राजनगर स्थित ऐतिहासिक राज परिसर में एस एस बी के अधिकारियों एवं जवानों ने आज के दिन वृक्षारोपण किया। एस एस बी के अधिकारियों ने अपने बटालियन के साथ-साथ आस-पास सरकारी गैर सरकारी जगहों पर वृक्ष लगाकर मनुष अधिकार को पुरा किया । वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए 18 वीं बटालियन मुख्यालय राजनगर के कार्यवाक कमांडेन्ट जीत सिंह ने कहा कि 05 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर गत वर्ष के भांति इस वर्ष भी एस एस बी ने वृक्ष लगाने का कार्य किया जगह जगह पर पेड़ पौधा लगाकर पृथ्वी को बचाने के लिए तमाम कर्मचारियों ने आज वृक्ष लगाकर पुण्य सौभाग्य का काम किया है।क्योकि वृक्ष जीवन प्रदान करने वाली ऑक्सीजन प्रदान करते हैं जिसके बिना मानव जाति का अस्तित्व असंभव है जितने हरे भरे पेड़ होगे उतना अधिक ऑक्सीजन का उत्पादन होगा वही मौके पर मौजूद उप कमांडेन्ट अमित कुमार कुशवाहा ने बताया कि पेड़ है प्रकृति की शान वृक्षारोपण हेतु लगाओ पेड़ों की रक्षा होगी तभी हमारे जीवन की रक्षा होगी पेड़ो के बिना हो जाएगा जीवन अपूर्ण वृक्षारोपण करके करो प्रकृति को हरी भरी पूर्ण पेड़ है प्रकृति के मान सम्मान उन्हें काटकर ना करो बर्बाद। इस मौके पर कार्यवाक कमांडेन्ट जीत सिंह, उप कमांडेन्ट अमित कुमार कुशवाहा, सहायक कमांडेन्ट कुलदीप सिंह, सहायक कमांडेन्ट दयाल जी, निरीक्षक प्रशासन राजपाल,निरीक्षक बलजीत सिंह, समेत सैकड़ों 18 वीं वाहिनी एस एस बी के पदाधिकारियों,अधिकारियों एवं जवानों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

गलत नियत से 17 वर्षीय नाबालिग लड़की का अपहरण

उचकागांव। थाना क्षेत्र के वृंदावन हाजी टोला गांव से कुछ लोगों ने गलत नियत से एक 17 वर्षीय नाबालिक लड़की का अपहरण कर लिया। घटना दो जून के दिन की बताई जा रही है। जब नाबालिक लड़की के माता पिता इलाज कराने के लिए गोपालगंज वही गांव के लोग नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद में गए हुए थे। इसी दौरान आरोपितों ने नाबालिक लड़की के घर में घुसकर छोटे बच्चों को एक कमरे में बंद करने के बाद नाबालिक लड़की का मुंह दबाकर अपहरण कर लिया। बताया जा रहा है कि उसी कमरे में अपहृत लड़की की दादी नमाज पढ़ रही थी। घर पहुंचने पर स्वजनों ने जब आरोपितों के घर पर जाकर पूछताछ की तो आरोपितों के घर वालों ने पहले गाली गलौज किया और दबाव पड़ने पर बाद में एक-दो माह में लड़की को वापस करने की बात करने लगे। जिसके बाद मामले में अपहृत लड़की के मां के आवेदन पर गांव के अफसर अली, उसके साथी बेलाल अली, मां असगरी खातून, बहन तमन्ना खातून, तराना खातून और चाची रजिया खातून के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

गोबर फेंकने का विरोध करने पर तीन को पीटा

उचकागांव। थाना क्षेत्र के ब्रह्माईन गांव में नाद में गोबर फेंकने का विरोध करने पर कुछ लोगों ने एक महिला सहित परिवार के तीन लोगों को लाठी डंडे और लोहे के रोड से से पीट कर जख्मी कर दिया। मामले में घायल महिला फुल कुमारी देवी, उसके बेटे शशिकांत कुमार और बेटी पुष्पा कुमारी का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उचकागांव में कराया गया। जहां महिला फुल कुमारी देवी के चिंताजनक हालात को देखते हुए डॉक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां से डॉक्टरों ने फिर उसे गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घटना एक मई के सुबह की बताई जा रही है। मामले में घायल महिला फुल कुमारी देवी के आवेदन पर गांव के श्रीकिसुन भगत, उनकी पत्नी मुन्नी देवी, बेटी गीता कुमारी और रीता कुमारी के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी कराई गई है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

जिला स्तरीय अनुकंपा समिति की बैठक संपन्न

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में सोमवार को स्थापना शाखा से संबंधित मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति हेतु जिलास्तरीय अनुकम्पा समिति की बैठक आयोजित की गई तथा कुल 06 प्रस्तावित मामलों में 02 मामलों को स्वीकृत किया गया तथा शेष 04 मामलों में आवेदक से अनियोजन प्रमाण पत्र प्राप्त कर अगली बैठक में रखने का निदेश दिया गया। साथ ही सामान्य शाखा से संबंधित मृत चौकीदारों-दफादारों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति हेतु जिलास्तरीय अनुकम्पा समिति की बैठक आयोजित की गई।

चाची का दवा कराने जा रहे युवक से मारपीट कर रुपए छीना

गोपालगंज। जिले के विजयीपुर थाने के सुदामाचक गांव में अपने चाची का इलाज कराने जा रहे एक युवक को मारपीट कर घायल कर दिया गया और जेब में रखा तीस हजार रूपया छीन लिया गया। आसपास के लोगो की मदद से घायल राजकुमार राम को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले को लेकर पीडित के बयान पर गांव के ही सोनू शेख, मोनू शेख और आतिब शेख के विरुद्ध मारपीट, चोरी तथा हरिजन उत्पीड़न की प्राथमिकी कराई गयी है। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन करने में जुट गयी है।

शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो गिरफ्तार

गोपालगंज। जिले के भोरे थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के मलचैर गांव से शराब के नशे में हंगामा कर रहे दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि होने पर उसे कोर्ट में पेश किया गया। पकड़े गये युवक की पहचान थाना क्षेत्र के लामीचैर मौजे गांव के रफीक अंसारी एव गरुड़हा के बलिंद्र चैहान के रूप में की गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बैठक सम्पन्न

छपरा। जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में सोमवार को जिला आपूर्ति शाखा से संबंधित मृत जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नई अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु जिला स्तरीय अनुकम्पा समिति की बैठक आयोजित की गई तथा उम्र का सत्यापन प्रतिवेदन नहीं रहने तथा पारिवारिक सदस्यता में पुत्रवधू का नाम अंकित नहीं रहने के कारण जिला आपूर्ति पदाधिकारी को पुनः संशोधन करते हुए उक्त सभी प्रतिवेदनों के साथ अगली बैठक में उपस्थापित करने का निदेश दिया गया।

पर्यावरण दिवस पर लगाए गए पौधे, रख-रखाव का लिए संकल्प

पदाधिकारियों ने कहा- कोरोना काल ने ऑक्सीजन के महत्व को नजदीक से समझने का दिया मौका

फुलवरिया प्रात : किरण संवाददाता

फुलवरिया प्रखंड मुख्यालय परिसर में शनिवार को पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीडीओ अजीत कुमार रौशन मनरेगा पीओ अमरेंद्र प्रताप सिंह व प्रखंड कोऑर्डिनेटर वाल्मीकि गुप्ता ने संयुक्त रुप से दर्जनों पौधों को लगाएं। इसके पश्चात पदाधिकारियों ने पौधों की रखरखाव का संकल्प लिया। इस दौरान बीडीओ श्री रोशन ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर प्रखंड प्रशासन काफी गंभीर है। कोरोना काल ने हम सबको ऑक्सीजन के महत्व को नजदीक से समझने का मौका दिया है। ऑक्सीजन के महत्व को लेकर जागरूकता हम सबकी अब पहली कड़ी होगी इसके लिए प्रशासन सजग है। उन्होंने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के दिन बरगद व पीपल के पौधे प्रखंड मुख्यालय एवं मनरेगा के परिसर में लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण दिवस साल में एक बार आता है सबका दायित्व है कि इस दिन को कैसे बेहतर बनाया जाए। लोगों को चाहिए कि अपने जन्मदिन एवं सालगिरह के दिन कम से कम एक बरगद एवं पीपल के पौधे को लगाएं। प्रखंड कोऑर्डिनेटर वाल्मीकि गुप्ता ने पेड़ व पौधों के संबंध के बारे में बताते हुए कहा कि पेड़ पौधे हमारे जीवन में प्रकृति का दिया हुआ वरदान है। इनके बगैर हमारे जीवन का अस्तित्व संभव नहीं है। इसलिए हम सभी का दायित्व है पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण करें। पेड़ पौधों की सुरक्षा भी करें। साथ ही कोऑर्डिनेटर श्री गुप्ता ने बताया कि पेड़ पौधे निस्वार्थ भाव से हमें शुद्ध वातावरण प्रदान करते हैं। उनकी रक्षा उतनी ही जरूरी है जितना हम अपने परिवार अपने बाल बच्चों को करते हैं। हरे पेड़ पौधों को काटना महापाप है। मौके पर प्रमुख मुन्नी खातून, प्रमुख प्रतिनिधि मोहम्मद सरफराज, मुखिया अल्ताफ हुसैन, फिरोज आलम के अलावे अधिकारी कर्मी व अन्य मौजूद रहे।

मीरगंज में मुस्लिम वेलफेयर कमेटी ने लगाए 151 पौधे

प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मीरगंज शहर के दक्षिण मोहल्ला स्थित कब्रिस्तान में मुस्लिम वेलफेयर कमेटी मीरगंज के द्वारा पौधरोपण किया गया। कमेटी के विभिन्न पदाधिकारियों व सदस्यों ने 151 पौधे लगाए। इस दौरान सभी ने मीरगंज शहर को ग्रीन सीटी बनाने का संकल्प भी लिया। पौधरोपण कार्यक्रम मीरगंज शहर के पूर्व समाजसेवियो काशीनाथ गुप्ता, डॉ मोहम्मद राजा, अख्तर हुसैन, मोहम्मद नूर आलम, साहेब हुसैन, बादल मियां, तारा हुसैन, मुन्ना खान, कन्हैया प्रसाद आदि को समर्पित था। पौधरोपण के बाद उड़ीसा के बलासोर रेल हादसे में हताहत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर हथुआ एसडीओ राकेश कुमार ने पौधरोपण कर लोगों को पौधे लगाने के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि पेड़ -पौधों से ही पर्यावरण सुरक्षित है। पर्यावरण को शुद्ध रखना व पेड़-पौधों का संरक्षक करना हमारा कर्तव्य बनता है। प्रो अली इमाम कहा कि सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए ताकि हमारा पर्यावरण साफ व स्वच्छ रह सके। हमारे लिए पेड़-पौधे बड़े ही अनमोल है जो हमारे लिए शुद्ध हवा देते हैं। लोग पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और पेड़ों को बचाने के लिए अपनी-अपनी भूमिका निभाएं। समाजसेवी जयप्रकाश नारायण ने कहा पर्यावरण दिवस का मतलब पौधरोपण करना नहीं बल्कि हमें पर्यावरण की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। इस कार्य में समाज का हर वर्ग अपनी भूमिका निभाएं। इस दौरान संस्थान के सभी सदस्यों ने संकल्प लिया कि वह आने वाले समय में अपने घरों के आसपास ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाकर पर्यावरण को हरा-भरा बनाएंगे। मुस्लिम वेलफेयर कमेंटी के अध्यक्ष डॉ इकबाल ने कहा इंसान के जीने के लिए जिस हवा, पानी, खाद्य की जरूरत होती है, वह पर्यावरण की ही देन है, इसके बिना धरती पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। इसलिए पर्यावरण की रक्षा करना जरूरी है। इसके के लिए पेड़ -पौधे लगाने और इसे संरक्षण देना अति आवश्यक हैं। इसके लिए मुस्लिम वेलफेयर कमिटी मीरगंज संकल्पित हैं। मौके पर पर्यावरण प्रेमी डॉ सत्यप्रकाश, डॉ चंद्रिका साह, डॉ असलम, डॉ इमरान, डॉ ए अहमद, अधिवक्ता नर्वदेश्वर मिश्रा, बीएन राय, अफताब आलम, मेहबूब आलम, शहीद अली, वैश्य समाज संस्था के अध्यक्ष हर्षवर्धन प्रसाद आदि थे।

प्रभारी डीएम ने जनता दरबार लगा सुनी आम लोगों की समस्या

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

कलेक्ट्रेट में प्रभारी डीएम ने सोमवार को आम लोगों की समस्याओं को सुना। तमाम लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद प्रभारी डीएम अभिषेक रंजन ने अधिकांश समस्याओं का आन-द-स्पाट निपटारे का आदेश दिया। जनता दरबार में डीएम ने भूमि विवाद, अतिक्रमण हटाने, जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, वास के लिए भूमि उपलब्ध कराने आदि से संबंधित आवेदनों पर सुनवाई की। इस बीच प्रभारी डीएम ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन देने वालों की समस्याओं की पूरी जवाबदेही के साथ सुनवाई करने का निर्देश दिया। इस बीच प्रभारी डीएम ने दर्जनों लोगों की समस्याओं को सुना। जनता दरबार में शशिंकात सिंह, इंदु देवी, हरनरायण सिंह, हरेश चैधरी, अनिल चैधरी, मनोज प्रसाद, सत्येन्द्र बैठा आदि ने प्रभारी डीएम से मिलकर अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया। प्रभारी डीएम ने तमाम लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुनकर उनका अविलंब निष्पादन करने का आदेश दिया। प्रभारी डीएम के द्वारा जनता दरबार के माध्यम से आम लोगो की समस्याओं का निष्पादन का प्रयास किया जाता रहा है। इस पहल से आम लोगो में न्याय की काफी उम्मीद जग गयी है।

गोपालगंज में कार व स्कॉर्पियों से 1000 लीटर विदेशी शराब जप्त

गोपालगंज। एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर विशंभरपुर व मीरगंज थाने की पुलिस ने वाहन जांच के दौरान करीब 1000 लीटर विदेशी शराब बरामद कर लिया। बरामद शराब की किमत लाखों रूपयों बतायी जा रही है। पुलिस दोनो वाहनों को जप्त कर मामले की जांच पडताल करने में जुट गयी है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि विशंभरपुर थानाध्यक्ष अमरेन्द्र कुमार साह को गुप्त सूचना मिली थी की एक कार से विदेशी शराब की खेप लायी जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने सिसवा के समीप वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान एक कार से करीब 300 लीटर विदेशी शराब को बरामद कर लिया। इस दौरान तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। वही मीरगंज थाने की पुलिस ने सिंगहा के समीप वाहन जांच के दौरान एक स्कॉर्पियों से 707 लीटर विदेशी शराब बरामद की गयी। इस दौरान कार मे सवार तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। पुलिस फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। उन्होने बताया कि किसी भी हाल में जिले में शराब की तस्करी नही होने दी जाएगी।

72 घंटे के अंदर बारिश कराने का दावा करते हुए आसन पर बैठे बाबा

उचकागांव प्रात : किरण संवाददाता

उचकागांव प्रखंड के दहीभाता गांव में पहुंचे एक बाबा 72 घंटे के अंदर अपने अध्यात्म ज्ञान से बारिश कराने का दावा करते हुए गांव के पंचायत सरकार भवन के बगल में सोमवार की रात्रि नौ बजे से आसन पर बैठ गए है। यह स्थिति तब है जब सूर्य की तपिश से लोग बेहाल चल रहे हैं और मौसम विभाग अगले एक सप्ताह के अंदर बारिश की कोई भी संभावना से इंकार कर रही है।

बाबा ने अपना परिचय परमात्मा ईश्वर ललन भगवान के रूप में दिया है। बाबा का दावा है कि इसके पूर्व में भी वे अपने शक्ति से कई बार बारिश करवा कर किसानों को राहत दे चुके हैं। जबकि अपनी शक्ति के माध्यम से कोरोना महामारी को खत्म करवाने के बाद देश में लगे लॉकडाउन को समाप्त करवा चुके हैं। बाबा के प्रखंड क्षेत्र के दहीभाता गांव में पहुंचने के बाद किए गए दावा व आसन पर बैठने के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस दौरान स्थानीय लोग बिना किसी संभावना के बावजूद मंगलवार के दिन आसमान में छाए बादल को बाबा का आशीर्वाद मान रहे हैं और 72 घंटे के अंदर बारिश होने का इंतजार कर रहे हैं।

विभिन्न मांगों को ले चौकीदार दफादार इकाई ने दिया धरना

इकाई के पदाधिकारियों ने चौकीदार दफादार के साथ भेदभाव करने का सरकार पर लगाया आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। बिहार राज्य दफादार चौकीदार पंचायत इकाई सारण के तत्वधान में स्थानीय नगरपालिका चौक पर शुक्रवार को विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। धरना को संबोधित करते हुए इकाई के राष्ट्रीय महासचिव डॉ संत सिंह ने बिहार सरकार पर चौकीदार के साथ भेद-भाव बरतने का आरोप लगाया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी वकील द्वारा सरकार का पक्ष सही ढंग से नहीं रखे जाने के कारण बिहार चौकीदार को नियमावली 2014 का उच्च न्यायालय द्वारा समाप्त कर दिया गया है।

उन्होंने यह भी कहा कि बिहार सरकार इसके लिए अध्यादेश लाए, ताकि अवकाश प्राप्त दफादार चौकीदारों के आश्रितों का बहाली का बहाली का मार्ग प्रशस्त हो सके। धरना को संबोधित करते हुए कार्यकारी अध्यक्ष जीतू सिंह ने कहा कि 25 फरवरी 2023 के पूर्व चयनित स्वैच्छिक सेवानिवृत्त के उम्मीदवारों की नियुक्ति पत्र निर्गत करने की मांग किया। जबकि बिहार राज्य चौकीदार पंचायत इकाई के प्रमंडलीय अध्यक्ष दीनानाथ माझी ने दफादार चौकीदार को एसीपी/ एमएससीपी का लाभ देने की मांग करते हुए कहा कि छपरा जिला में लगभग 11 सो दफादार चौकीदार में से एक भी दफादार चौकीदार को इसका लाभ नहीं मिला है। इसके अलावा सिवान में 943 तथा गोपालगंज में दफादार चौकीदार की संख्या लगभग 721है, इन्हे भी इसका का लाभ नहीं मिल है। उन्होंने कहा कि दफादार व वरीय दफादार का रिक्त पदों को चौकीदारों को प्रोन्नति देकर भरने की मांग किया । एक दिवसीय धरना में जिला अध्यक्ष रजनीकांत मांझी, विकास कुमार, रामइकबाल राय, राम राज कुमार, रामनाथ मांझी, दीपक कुमार, श्र ह्रदया राय,राजू मांझी सहित तीनों जिला के अध्यक्ष आदि ने संबोधित किया ।

महागठबंधन दलों के जिला अध्यक्षों की सयुक्त बैठक हूई

छपरा। सर्किट हॉउस छपरा में महागठबंधन के सभी जिला अध्यक्षों एवम सचिव की सयुक्त बैठक जदयू जिला अध्यक्ष अल्ताफ आलम राजू के अध्यक्षता में आहूत की गई 15 जून को होने वाले महागठबंधन के द्वारा जिला के सभी प्रखण्ड मुख्याल पर होने वाला धरना को सफल बनाने के लिए तैयारी बैठक में मुख्य रूप से निर्णय लिया गया की सदर अनुमंडल में 8 जून को 9 जून को सोनपुर अनुमंडल 10 जून को मरहौरा अनुमंडल में प्रखण्ड कॉडिंशन कमेटी की बैठक किया जाएगा राजद जिला अध्यक्ष सुनील राय, सीपीआई एम के जिला सचिव साभा राय, सीपीआई के जिला सचिव राबाबू सिंह, सी पी एम के अहमद अली हम सेकुलर के युवा जिला अध्यक्ष उज्वल कुमार राजद जिला प्रवक्ता हरेलाल यादव, राजद जिला महासचिव सागर नौशेरवान,जदयू जिला प्रवक्ता मोहम्मद फिरोज, जिला जदयू महासचिव ई0 प्रभास शंकर राजद नेता उपेन्दर राय मुख्य रूप से सम्मलित हुए।

सोनपुर अनुमंडल अस्पताल में एमएमडीपी क्लिनिक का उद्घाटन, मरीजों के बीच किट वितरित

हाथीपांव के ग्रेड तीन से ऊपर के मरीजों को दी गई एमएमडीपी किट के इस्तेमाल की जानकारी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी जिसे हाथी पांव के नाम से भी जाना जाता है। यह क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होता है। इस बीमारी से संक्रमित होने के बाद लोगों में कई वर्ष के बाद यह हाथीपांव, बढ़े हुए हाइड्रोसील, महिलाओं के स्तनों में सूजन इत्यादि के रूप में लक्षण दिखाई देता है। जो कालांतर में मरीज को दिव्यांगता की ओर ले जाता है। जिसे लोगों को बचाने और फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर सरकार और विभाग पूरी तरह से तत्पर है। जिसको लेकर सारण जिले के सभी प्रखंडों में मोरबिडिटी मैनेजमेंट एंड डिसेबिलिटी प्रिवेंशन (एमएमडीपी) क्लिनिक का उद्घाटन किया जा रहा है। साथ ही, फाइलेरिया के हाथीपांव मरीजों के बीच एमएमडीपी किट का वितरण किया जा रहा है। ताकि, किट का इस्तेमाल कर फाइलेरिया मरीज अपनी बीमारी की रोकथाम कर सकें। इस क्रम में सोमवार को जिले के सोनपुर अनुमंडल अस्पताल में एमएमडीपी क्लिनिक का शुभारंभ सह किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मच्छरों के काटने से फैलता है फाइलेरिया का संक्रमण : कार्यक्रम के दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ. हरिशंकर चौधरी ने मरीजों को संबोधित करते हुए बताया कि फाइलेरिया मरीजों की देखभाल को स्वास्थ्य विभाग एमएमडीपी किट मुफ्त में उपलब्ध कराएगा। साथ ही, एमएमडीपी क्लिनिक पर चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा समय समय किट के उपयोग के तौर तरीके भी सिखाए जाएंगे। किट के प्रयोग से फाइलेरिया मरीजों को काफी राहत मिलती है। उन्होंने बताया कि फाइलेरिया का संक्रमण मच्छरों के काटने से फैलता है। सामान्यतः यह संक्रमण शुरूआती बचपन में ही हो जरूरी नहीं, यह बीमारी कई वर्षों बाद प्रकट होती है। इस प्रकार, सामान्य एवं स्वस्थ्य दिखनेवाले व्यक्ति को कुछ सालों बाद पैरों , हाथों एवं शरीर के अन्य भाग में अत्यधिक सूजन उत्पन्न होने लगती है।

फाइलेरिया का शरीर पर प्रभाव एवं लक्षण : जिला वेक्टर जनित सलाहकार सुधीर कुमार ने बताया कि इसका प्रभाव अस्वस्थ्य त्वचा पर होता है। इसके कारण प्रभावित अंगों में दर्द, लालपन एवं रोगी को बुखार हो जाता है। हाथ-पैर, अंडकोष व शरीर के अन्य अंगों में सूजन के लक्षण होते हैं। प्रारंभ में या सूजन अस्थायी हो सकता किन्तु बाद में स्थायी और लाइलाज हो जाता है। वहीं गंभीर रूप से पीड़ित फाइलेरिया मरीजों को एमएमडीपी किट निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती है। वहीं, केयर इंडिया के डीपीओ आदित्य कुमार सिंह ने फाइलेरिया मरीजों को एमएमडीपी किट के इस्तेमाल की जानकारी दी।

साथ ही, उन्हें फाइलेरिया के प्रभावित अंगों जैसे हाथों और पैरों की साफ सफाई के साथ उन्हें व्यायाम की भी जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के दौरान 35 मरीजों के बीच किट का वितरण हुआ। जिसमें एक छोटा टब, मग, साबुन, एंटी सैप्टिक क्रीम, सूती तौलिया इत्यादि सामान शामिल हैं। मौके पर अस्पताल प्रबंधक मृत्युंजय पांडेय, बीसीएम पूनम भारती, वीबीडीएस पंकज कुमार पूर्वे, केयर बीसी विनय कुमार सिंह, समेत पेशेंट सपोर्ट ग्रुप के सदस्य भी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महिलाओं ने किया वृक्षारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महिला प्रकोष्ट की जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता कुमारी गुड्डी जयसवाल के नेतृत्व में अलग-अलग जगहों पर वृक्षा रोपण कार्यक्रम का किया गया। जिसमें जिला स्कूल छपरा, राजेंद्र स्टेडियम एवं हनुमान मंदिर में वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम में जदयू की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिसमें प्रदेश सचिव शकीला बानो, महिला प्रकोष्ठ,मीनू कुमारी, जिला महासचिव रिंकी देवी, महासचिव मीनू उपाध्याय,गीता देवी तथा सीता कुमारी महिला जदयू सारणआदि ने भाग लिया।

गोपालगंज में अपराध की योजना बनाते चार अपराधी गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

जिले के थावे थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पिठौरी अब्दुल बाबा पुल के पास अपराध की योजना बना रहे चार अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए अपराधियों के पास से तीन देशी कट्टा, दो खाली खोखा एवं चार मोबाइल बरामद किया है। पकड़े गए अपराधियों से पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। इसकी जानकारी देते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि थावे थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि पिठौरी अब्दुल बाबा पुल के पास कुछ अपराधी बैठकर अपराध की योजना बना रहे है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कारवाई करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान थावे थाने के पिठौरी गांव के राधेश्याम यादव, अंकित मांझी, दिपक प्रसाद और रामचन्द्रपुर गांव के अभिषेक कुमार के रूप में की गई है। इनके पास से तीन देशी कट्टा, दो खाली खोखा व चार मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ करने में जुटी हुयी है। उन्होने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को कई अहम जानकारी मिली है। जिसके आधार पर पुलिस आगे की कारवाई करने में जुट गयी है।

संगठन की मजबूती व कार्यकर्ताओं में ऊर्जा प्रदान करना पहली प्राथमिकता: जिला अध्यक्ष

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। नवनियुक्त कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अजय सिंह के सम्मान में सोमवार को सारण जिला कांग्रेस कार्यालय, में अभिनंदन समारोह का आयोजन किय गया। अयोजित स्वागत समारोह में नवनियुक्त ज़िला अध्यक्ष अजय सिंह ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आहूत कार्यकर्ता बैठक में ज़िला कांग्रेस कमिटी के साथी बड़ी संख्या में शरीक हुए। अजय सिंह ने अपने संबोधन में आगामी लोक सभा चुनावों के मद्देनजर संगठन के बूथ स्तर तक दोबारा विस्तार की रणनीति पर अग्रसर होने का संकल्प लिया। उन्होंने नई पीढ़ी के बीच कांग्रेस की रीति और नीति को ले जाने के प्रयासों पर बल देते हुए कहा की ना केवल वरीय कांग्रेस बल्कि जिले में कांग्रेस के सभी मोर्चा संगठनों को उनका पूर्ण समर्थन और प्रोत्साहन मिलेगा, ताकि युवा एवं महिलाएं आने वाले समय में फिर से पार्टी से जुड़े। सारण जिले में महागठबंधन में कांग्रेस की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा की लोकसभा चुनावों में ज़िला ईकाई एक महत्वपूर्ण धुरी बनकर उभरेगी और जिले की दोनों लोकसभा सीटों पर महागठबंधन का विजय उनका प्रमुख लक्ष्य होगा। इस दिशा में जल्द कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविरों एवं युवा संवाद कार्यक्रमों की शुरआत करने की योजना है। जिला अध्यक्ष के अभिनंदन समारोह में

सारण जिला कांग्रेस कमेटी के पुर्व अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह भारद्वाज, पु .जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह,पुर्व उपाध्यक्ष महेश्वर दूबे, सुबोध जायसवाल, डॉ शंकर चौधरी, मिथलेश शर्मा मधुकर,परशुराम त्रिपाठी, केदारनाथ सिंह,शिवपुजन राय,, रमेश यादव, विलायत हुसैन,राम बिनोद सिंह,दया नन्द सिंह, परीक्षण शर्मा, परमेश्वर शर्मा, प्रमोद शंकर सिंह,राम स्वरूप राय, रामा कान्त सिंह जितेन्द्र कुमार सिंह,झरिमन राय,मीना सिंह, यासीन आजाद, शैलेश कुमार सिंह,बृजानन्द पाठक, मो फिरोज इकबाल, तरुण तिवारी,विमल तिवारी, मनोज तिवारी, तारकेश्वर राम, डॉ ब्रिजेन्द्र सि,कादिर खां, अरुण दुबे, मालिक यादव, सुनिता मिश्रा, किशुन सिंह, सतेन्द्र सिंह, शंभुनाथ दुबे, कमलेश सिंह सहित संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केन्द्र की जनविरोधी नीतियों के कारण कराह रही है देश की जनता: दिलीप

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

देश मे बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, जातीय जनगणना के खिलाफ साजिशें तथा नई शिक्षा नीति के खिलाफ युवा राजद ने आज अम्बेडकर चैक पर एक दिवसीय धरना दिया तथा अपना विरोध जताया। युवा राजद के जिलाध्यक्ष संतोष यादव के नेतृत्व में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए राजद के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह ने नई शिक्षा नीति के खिलाफ केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति शिक्षा में निजीकरण, केंद्रीकरण और भगवाकरण को बढ़ावा देती है। केंद्र की नई शिक्षा नीति से शिक्षा का बाजारीकरण होगा। उन्होंने कहाकि इसके तहत स्कूल-कॉलेज अपनी फीस निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र होंगे और मनमाने ढंग से फीस बढ़ाएंगे। इससे अधिकांश छात्र-छात्राएं शिक्षा से वंचित हो जाएंगे और कर्ज पर पढ़ाई करने को मजबूर हो जाएंगे।

धरना को संबोधित करते हुए राजद के प्रदेश महासचिव रेयाजुल हक राजू ने देश मे बढ़ रही महंगाई और बेरोजगारी के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि सरकार की जनविरोधी नीति तथा युवाओं के प्रति उदासीनता के कारण आज देश का हर तबका परेशान और बदहाल है। राजद नेता मोहन प्रसाद गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार के इशारे पर बिहार में हो रहे जातीय जनगणना के खिलाफ तरह तरह की साजिशें कर इसे रोकने का प्रयास किया जा रहा है जिसे बिहार की जनता बर्दाश्त नही करेगी। राजद नेता सुरेंद्र राम ने केंद्र सरकार को दलित विरोधी बताते हुए कहा कि आज देश मे आरक्षण को समाप्त करने की कोशिशें हो रही हैं जिसे राजद किसी भी हालत में सफल नही होने देगा। इस अवसर पर राजद उपाध्यक्ष सुनील कुमार बारी, सुरेश चैधरी, दिवाकर यादव, बिट्टू चैरसिया, हरेन्द्र कुशवाहा, रेयाज अहमद, राजा नोनिया, सुरेश यादव, रबीन्द्र राम, संतोष बैठा, सुमन यादव, प्रदीप चैहान आदि उपस्थित थे।

संभावित बाढ़/सुखाड़ की पूर्व तैयारी हेतु समीक्षात्मक बैठक में जिलाधिकारी ने दिये कई आवश्यक निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में सोमवार को सारण समाहरणालय सभागार में संभावित बाढ़/सुखाड़ के पूर्व आवश्यक तैयारी से संबंधित बैठक आहूत की गई। संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ से पूर्व संपूर्ण तैयारी करने का निदेश संबंधित पदाधिकारी को दिया गया। बैठक में उपस्थित उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता एवं अन्य जिलास्तरीय पदाधिकारियों, तकनीकी पदाधिकारियों, सभी अंचलाधिकारियों सहित जिला परिषद अध्यक्ष तथा सभी प्रखंडों के प्रमुखगण के साथ सभागार में संभावित बाढ़ / सुखाड़ के संबंध में चर्चा की गई तथा सभी जनप्रतिनिधियों को बाढ़ के समय चलाए जानेवाले राहत कार्यों एवं अनुदान राशि की जानकारी देते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को बाढ़ / सुखाड़ के पूर्व ससमय सभी आवश्यक कार्य निष्पादित करने हेतु महत्वपूर्ण निदेश दिए गए। जिलाधिकारी के द्वारा बाढ़ की पूर्व तैयारी में संस्थागत संरचनाओं में एन. डी. आर. एफ/ एस. डी. आर एफ की टीम की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करना, बाढ़ राहत अनुश्रवण सह निगरानी समिति का गठन करने का निदेश दिया गया। नागरिक सुरक्षा संगठन की चर्चा करते हुए उन्होने कहा कि यह बाढ़ के लिए बहुत की आवश्यक संगठन है। इसका गठन अवश्य ही किया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत, प्रखंड एवं जिलस्तर पर नागरिक सुरक्षा संगठन का गठन किया जाए। वर्षा मापक यंत्र की मरम्मति, वषार्पात आंकड़ों का प्रेषण ससमय करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के द्वारा बाढ़ से प्रभावित होने वाले संभावित क्षेत्रों एवं संकटग्रस्त व्यक्ति समूहों की पहचान एवं नजरी नक्शा की तैयारी पूर्व में ही सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया। उपलब्ध संसाधनों का मानचित्र तैयार करने का निदेश दिया गया। जिलें मे उपलब्ध निजी नावों, पुरानी सरकारी नावों की मरम्मति आवश्यकतानुसार करने के साथ-साथ सरकारी नावों का निर

सम्पादकीय

सियासत के स्मार्ट मुर्दे

सिटी स्मार्ट हो रही थी, लोग उससे भी ज्यादा यह सोच-सोच कर स्मार्ट होने लगे थे कि वे भारत की तस्वीर बदल देंगे, समाज-संस्कृति बदल देंगे और जहां तक नजर जाती है, विकास का अर्थ बदल देंगे। देश में इतना विकास संभव भी है कि हम थोड़ा-बहुत अतिक्रमण करके सरकारी सडक के ठीक छोर पर ऊंची से ऊंची इमारत खड़ी कर दें। आजादी के बाद इस शहर ने जबसे अपने विकास को स्मार्ट कहना शुरू किया है, इसकी आंखों में सबसे पुराना श्मशानघाट अटक गया है। यह पुराना, लेकिन सबसे प्रमुख श्मशानघाट था, इसलिए सोचा गया कि क्यों न इसे भी स्मार्ट बनाया जाए।

वैसे इसी श्मशानघाट की मरम्मत और सौंदर्यीकरण के नाम पर कई छोटे ठेकेदार पहले से ही बड़े बन गए थे, फिर भी अब इसे बड़े वाला स्मार्ट बनाना था ताकि पूरे राज्य को पता चल जाए कि विधायक ने अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए क्या कुछ नहीं किया है। प्रशासन हमेशा से मतदाताओं की मांग और आपूर्ति का हिसाब लगा कर ही काम करता आया था, इसलिए गौर करने लगा कि हर दिन कितने मुर्दों के हिसाब से ऐसा डिजाइन बनाए जो दूर से ही स्मार्ट लगे। कम से कम विधायक को तो श्मशानघाट बनाकर संतुष्टि मिले। श्मशानघाट की योजना का जिक्र हुआ, तो स्मार्ट सिटी परियोजना ने इसके लिए दिल खोल कर पैसा दिया। आखिर श्मशानघाट बनते-बनते इतना बड़ा बन गया कि भविष्य में कहीं मुर्दों की कमी न हो जाए, यह चिंता भी होने लगी।

वहां बाकायदा कोशिश की गई कि एक कोना वीआईपी बनाकर आरक्षित रखा जाए, ताकि जो लोग वीआईपी बनकर जीते रहे, उनकी वापसी उसी तरह करवा दी जाए। लोगबाग दूर से देखकर तसल्ली कर लेते कि उनका शहर कितना विकास कर रहा है, जहां मुर्दा बनकर भी जलने को स्मार्ट श्मशानघाट मिलेगा। खैर सब कुछ सही हो गया और ठेकेदार को बढ़ी हुई पेमेंट भी मिल गई, लेकिन अब इसके उद्घाटन का इंतजार था, सो सत्ता पक्ष चाहता था कि प्रदेश के मुख्यमंत्री ही इसका उद्घाटन करें। विपक्ष इसके लिए राजी नहीं था, क्योंकि उसी की पिछली सरकार में इसकी योजना बनी और बजट से डिजाइन तक उसे याद दिला रहा था कि कहीं तो काम हुआ है। जनता चाहती थी कि किसी मुर्दे से ही श्मशानघाट का उद्घाटन करवा दिया जाए ताकि शव दहन हो सके। वैसे भी लोगों के मरने की न तो कमी थी और न ही मरने की वजह कम थी। आखिर मामला प्रोटोकाल तक पहुंच गया।

सत्ता के हिसाब से श्मशानघाट के उद्घाटन का हक उसे मिल जाता है, क्योंकि सारी संस्थाएं व लोकतंत्र का हिसाब किताब उसी के अधिकार क्षेत्र में आता है। विपक्ष की नाराजगी डिजाइन में किए गए बदलाव पर भी थी, लेकिन सत्ता पक्ष विश्वस्त था कि अगर वह जीने वालों को अपने डिजाइन पर नचा सकता है, तो मरने वालों को तो कहीं भी ले जा सकता है। सत्ता के पक्ष में मीडिया भी उतर आया। मीडिया लोगों को समझा रहा था कि विपक्ष की वजह से उन्हें स्मार्ट श्मशानघाट नहीं मिल रहा था, बल्कि अब सरकार की वजह से मरने वाले का मान बढ़ेगा। यह सरकार अगर घाटे के बस रूट चलाकर सवारियां बढ़ा सकती है, तो कल इसी श्मशानघाट के लिए मुर्दे भी बढ़ा देगी। मीडिया को आशा थी कि बस पास की तरह श्मशान पास भी मौजूदा सरकार पत्रकारों को जरूर देगी ताकि कल कोई यह न कहे कि मीडिया वाला बिना मान्यता के ही मर गया। इधर श्मशानघाट का उद्घाटन नहीं हो रहा था और उधर मुर्दों को भी भटकना पड़ रहा था। आखिर फैसला हुआ कि छह महीने श्मशानघाट पर विपक्ष की तख्ती लगेगी और छह महीने सत्ता पक्ष की, लेकिन इससे अब आम जनता के मुर्दे यहां नहीं आ रहे। यह श्मशानघाट अब राजनीतिक मुर्दे ही जला रहा है। जब सत्ता की तख्ती लगती है, उसी से संबद्ध पार्टी के मुर्दे आते हैं और छह महीने की बारी में विपक्ष के ही मुर्दे जलते हैं। स्मार्ट सिटी में इस तरह राजनीति ने मुर्दे भी स्मार्ट कर दिए, लेकिन स्मार्ट श्मशानघाट में जल वही रहे जो पार्टियों के समर्थक हैं।

विकास की भेंट चढ़ रही हैं नदियां

निमिषा सिंह

21वीं सदी संकट की शताब्दी है। दुनिया में लगातार बढ़ रहे जल संकट से निश्चित तौर पर मानवता खतरे में है। भारत जहां जल में जगदीश मानने की परंपरा है आज उसी देश में जल स्त्रोत सबसे ज्यादा प्रदूषित है। आने वाले समय में सभी के लिए जल की निर्बाध उपलब्धता निश्चित तौर पर एक बड़ी चुनौती है। विनाशकारी विकास,कॉर्पोरेट लूट और दमन के खिलाफ, नदियों जल स्त्रोतों प्राकृतिक संसाधनों और अपने अधिकारों के संघर्षरत समुदायों को मिलकर एक साथ आवाज उठाना समय की मांग बन चुकी है।

एक तरफ तो विकास के नाम पर हम नदी का सारा पानी निकालते रहे। जमीन की कीमत के नाम पर तालाब मिटाते रहे। शहरों एवं खेतों की गंदगी, कल कारखानों से निकलते जहर को नदी में मिलाते रहे। प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुन दोहन करते रहे और फिर हम सोचे कि कोई नई योजना बनाकर नदी को साफ कर लेंगे तो ऐसा कतई संभव नहीं क्योंकि नदियों को हम तभी साफ कर पाएंगे जब नदियां बचेगी। ज्यादतार नदियां तो अब गंदे नाले के रूप में परिवर्तित हो रही है। इसका उदाहरण है नर्मदा। भरूच में जाकर देखिए रसायन उद्योग विकास के नाम पर नर्मदा को किस तरह बर्बाद किया जा रहा है।

हम मनुष्यों ने दूसरों की जमीनों पर कब्जा करने का हुनर सीख लिया है। अब हमारी नजर नदियों के डूब क्षेत्र पर है। नदियों का आंगन यानी डूब क्षेत्र पर सरकारी,गैर सरकारी, धार्मिक या सार्वजनिक अतिक्रमण यदि जारी रहा तो स्वाभाविक है छोटी सहायक नदियों का दम घुटेगा और गंगा और यमुना जैसी बड़ी नदियों का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। इस बात को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि बरसात में जब नदियां डूब क्षेत्र में अपना फैलाव हासिल करती है तो वह भूजल को भी रिचार्ज करती है।

बढ़ती आबादी और विकास के दबाव के कारण हमारी बारहमासी नदियां मौसमी बन रही है। कई छोटी नदियां तो पहले ही गायब हो चुकी है। गंगा की बात करें तो गंगा दुनिया की उन पांच नदियों में से है जिसका अस्तित्व खतरे में है। गोदावरी पिछले साल कई जगहों पर सूख गई थी। कावेरी अपना 40 फीसदी जल प्रवाह खो चुकी है. कृष्णा और नर्मदा में पानी लगभग 60 फीसदी कम हो चुका है। केरल में भरत सूजा, कर्नाटक में कामिनी, तमिलनाडु में पलार और बैगाई, उड़ीसा में मूसल, मध्यप्रदेश में क्षिप्रा जैसी छोटी नदिया तो गायब ही हो गई है।

1 -2 अप्रैल 2023 को बांद्राभान नर्मदा पुरम में नदी घाटी मंच और जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि 1 से 7 जून 2023 तक नदी बचाओ पर्यावरण बचाओ संघर्ष सप्ताह का आयोजन देश भर में किया जाएगा। इसी क्रम में बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े राजकुमार सिन्हा ने अपने विचार हमारे समक्ष रखे। राजकुमार सिन्हा जी का मानना है कि नदियों का प्रशासकीय प्रबंधन की जगह पर्यावरणीय प्रबंधन की दृष्टि से निगरानी तंत्र विकसित करना चाहिए। नदी किनारे के गांव में जैविक खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। नदी को प्रदूषित करने वाले कल कारखाना हॉस्पिटल,गैराज आदि पर टैक्स लगाया जाए और उस टैक्स राशि को नदी में मिलने वाली प्रदूषित पानी के ट्रीटमेंट प्लांट में खर्च किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 1985 में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय बनने के 37 वर्षों बाद भी नदियों पर अनुसंधान के लिए एक संस्थान तक तैयार नहीं किया गया है इसलिए नदियों पर अनुसंधान के लिए एक संस्थान बनाया जाए साथ ही नदी के संरक्षण के लिए कानून बनाया जाना चाहिए जिसमें नदी जंगल और जमीन को एक साथ रखकर विचार किया जाना चाहिए। अवैध रेत खनन भी अब एक गंभीर निश्चित तौर पर समस्या बन चुका है। अवैध रेत खनन जल चक्र तोड़कर नदी के जल प्रवाह में बड़ी गिरावट लाता है। चूंकि पिछले कुछ सालों से रेत की मांग और खपत में काफी बढ़त देखी गई है। आवश्यकता है कि रेत को भी प्रमुख खनिज में शामिल कर सख्त पर्यावरणीय अनुमति का प्रावधान किया जाए। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि सौंदर्यीकरण के नाम पर नदियों, जलस्त्रोतों का प्राकृतिक स्वरूप बदला जा रहा है। उन्हें और अधिक बंधन में किया जा रहा है। कंक्रीट से बांधा जाता है जिससे नदियों के निर्मलता, पवित्रता, शुद्धिकरण की प्रक्रिया प्रभावित होती है। प्राकृतिक सौंदर्य नष्ट करने पर बनावटी सजावटी सामान से धंधा, व्यापार, ठेकेदारी को बल मिलता है। जहां जहां ऐसे प्रयोग किए गए है, उनसे सबक नहीं सीखा जा रहा है। जलस्त्रोतों की आवश्यकता, जरुरत को ध्यान में नहीं रखा जा रहा है। पेड़ काटकर झाड़ियों का साम्राज्य बनाया जा रहा है। नदिया थमार्मीटर की तरह काम करती हैं जो पृथ्वी की सतह की स्थिति से अवगत कराती हैं। हम जो भी गतिविधियां करते हैं उसका संवेदनशील सूचक है।

जन-जन के हैं योगी आदित्यनाथ

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जो कहा, वो करके दिखाया। मुख्यमंत्री योगी ने दूसरे कार्यकाल से पहले लोक कल्याण संकल्प पत्र में जो संकल्प लिए थे, एक साल के भीतर उन्हें एक-एक कर पूर्ण कर दिखाया। प्रदेश में युवाओं को रोजगार की बात हो, प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को निवेश के लायक बनाने की चुनौती हो, एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हो या फिर माफिया-अपराधियों पर नकेल कसने का संकल्प हो, हर मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ ने जनता के प्रति समर्पण के भाव से प्रभावशाली काम किया है। इन 6 माह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न सिर्फ योजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण किया, बल्कि समय-समय पर योजनाओं के विकास की समीक्षा भी की, जिससे कोई योजना सरकारी फाइलों में दब नहीं सकी और पूरी पारदर्शिता के साथ लोगों को उनका लाभ मिल सका। योगी आदित्यनाथ पांच अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों वाले यूपी में सभी मंडलों को एयर कनेक्ट करने की महात्वाकांक्षी परियोजना पर मिशन मोड में काम कर रहे हैं। यूपी में 1,225 किलोमीटर तक फैले एक्सप्रेस-वे के जाल ने ना सिर्फ यात्राओं को सुगम और तेज बनाया है, बल्कि इनके दोनों ओर डेवलप किये जा रहे औद्योगिक क्षेत्र प्रदेश के विकास को भी गति दे रहे हैं।

डॉ. चंद्रमोहन

लेखक प्रदेश मंत्री भाजपा उत्तर प्रदेश हैं

आज उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री, जन जन के नेता, गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन है। ये अवसर इसलिए खास है, क्योंकि देश और दुनिया में आज जिस उत्तर प्रदेश के विकास की चर्चा हो रही है, उसका श्रेय योगी आदित्यनाथ को जाता है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने जो कहा, वो करके दिखाया। मुख्यमंत्री योगी ने दूसरे कार्यकाल से पहले लोक कल्याण संकल्प पत्र में जो संकल्प लिए थे, एक साल के भीतर उन्हें एक-एक कर पूर्ण कर दिखाया। प्रदेश में युवाओं को रोजगार की बात हो, प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को निवेश के लायक बनाने की चुनौती हो, एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हो या फिर माफिया-अपराधियों पर नकेल कसने का संकल्प हो, हर मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ ने जनता के प्रति समर्पण के भाव से प्रभावशाली काम किया है। इन 6 माह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने न सिर्फ योजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण किया, बल्कि समय-समय पर योजनाओं के विकास की समीक्षा भी की, जिससे कोई योजना सरकारी फाइलों में दब नहीं सकी और पूरी पारदर्शिता के साथ लोगों को उनका लाभ मिल सका।

योगी आदित्यनाथ पांच अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों वाले यूपी में सभी मंडलों को एयर कनेक्ट करने की महात्वाकांक्षी परियोजना पर मिशन मोड में काम कर रहे हैं। यूपी में 1,225 किलोमीटर तक फैले एक्सप्रेस-वे के जाल ने ना सिर्फ यात्राओं को सुगम और तेज बनाया है, बल्कि इनके दोनों ओर डेवलप किये जा रहे औद्योगिक क्षेत्र प्रदेश के विकास को भी गति दे रहे हैं। आने वाले समय में यूपी में 6 नये एक्सप्रेस वे का जाल बिछाया जाना है। एक्सप्रेस-वे की रफ्तार के साथ ही प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी का जाल बिछाने का कार्य भी तेज गति से चल रहा है। हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करें तो प्रदेश के सभी 4600 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में हेल्थ एटीएम लगाये जा रहे हैं, 65 जिलों में मेडिकल कॉलेज के अलावा गोरखपुर-रायबरेली में एम्स का संचालन किया जा रहा है। 6.51 करोड़ प्रदेशवासियों को आयुष्मान कार्ड के जरिए 5 लाख रुपये तक के बीमा से कवर किया जा चुका है। मेट्रो को अब गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी, झांसी, बरेली और मेरठ में भी चलाने की योजना बनाई जा रही है। आगरा में जल्द मेट्रो की सवारी शुरू होने वाली है। मुख्तार अंसारी सहित 36 माफिया और उनके शागिर्दों को आजीवन कारावास और दो को फांसी की सजा हुई है। साथ ही पिछले छह माह में प्रदेश स्तर पर चिन्हित 62 माफिया की अवैध रूप से कमाई गई 22 सौ करोड़ से अधिक की संपत्ति को जब्त और ध्वस्त किया गया है। सबसे कम समय में सजा दिलाने में भी उत्तर प्रदेश, देश में पहले स्थान पर है। यूपी पुलिस ने माफिया के गैंग के 860 सहयोगियों के खिलाफ 396 मुकदमे दर्ज कर चार सौ से अधिक को आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 174 पर गुंडा एक्ट, गैंगेस्टर में 355 और 13 आरोपियों के खिलाफ रासुका के तहत कार्रवाई की है और 310 शस्त्र लाइसेंस भी निरस्त किए हैं। ड्रग माफिया के खिलाफ 24 अगस्त से आठ सितंबर तक चले अभियान में पुलिस ने 2833 संदिग्ध आरोपियों को चिह्नित कर 2479 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की और 2277 मुकदमे दर्ज किए। वहीं कभी निवेश की राह देखने वाला उत्तर प्रदेश अब इन्वेस्टमेंट के लिए पसंदीदा राज्य बन गया है। ग्लोबल इंवेस्टर समिट-23 में यूपी की योगी आदत्यिनाथ सरकार ने अबतक करीब 33.50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त कए हैं। यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आए प्रस्तावों से गुजरात सहित दूसरे प्रदेश के समिट में आए निवेश प्रस्तावों का रिकॉर्ड टूटा। योगी सरकार के पहले कार्यकाल में सबसे ज्यादा निवेश आईटी और इलेक्ट्रानिक्स सेक्टर में 94,632 करोड़ रुपए का हुआ है। योगी सरकार में पिछले साढ़े पांच साल में चार लाख 68 हजार करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं, जिसमें तीन लाख 82 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं।

योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल में ही सेवायोजन के तहत रोजगार मेला के जरिए 93 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिला, जबकि करियर काउंसिलिंग के तहत 1.42 लाख से अधिक को मार्गदर्शन मिला। प्रदेश में 119 राजकीय महाविद्यालयों में ई-लर्निंग पार्क विकसित किए गए हैं। 87 राजकीय महाविद्यालयों में स्मार्ट क्लासेज की व्यवस्था हो चुकी है तो प्रदेश के 27 विश्वविद्यालयों द्वारा राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ 111 अनुबंध किए गए हैं। 26 नवीन राजकीय पॉलीटेक्निक स्वीकृत किए जा चुके हैं तो 24 निमार्णाधीन हैं। खेलों में भी युवाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को राजपत्रित अधिकारी बनाने का निर्णय लिया गया, जिसके तहत विभिन्न विभागों में 24 पद चिन्हित किए गए। एक जिला, एक खेल योजना के तहत प्रत्येक जनपद में खेलो इंडिया सेंटर की स्थापना की जा रही है। कन्या सुमंगला के तहत राज्य में अब तक 13.67 लाख से अधिक बालिकाएं लाभान्वित हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सरकार ने उत्तर प्रदेश में अब तक आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की 1,91,686 बेटियों के हाथ पीले किए हैं। 58,000 ग्राम पंचायतों में बैंकिंग सखी की तैनाती का मकसद बेटियों और महिलाओं को मजबूत बनाना है। बिजली सखियों के रूप में डब्ल्यूएसएचजी के सदस्यों ने अब तक 173.5 करोड़ रुपये से अधिक के बिजली बिलों का संग्रह पूरा किया है। प्रदेश के सभी 1584 थानों (जीआरपी समेत) में महिला हेल्प डेस्क स्थापित की गई। सभी 1535 पुलिस थानों में 10,417 महिला थाने का गठन किया गया है।

योगी सरकार ने अब तक के कार्यकाल में गन्ने का रिकार्ड भुगतान कर न केवल गन्ना किसानों के लिए गन्ने की मिठास बढ़ा दी बल्कि भुगतान के मुद्दे पर विपक्ष की बोलती बंद कर दी। साल 2012-2017 के दौरान गन्ना किसानों को सिर्फ 95 लाख करोड़ रुपये का भुगतान हुआ। जबकि योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद 2017-2022 के दौरान 1.51 लाख करोड़ रुपये का भुगतान हो चुका है। अब तक के आंकड़ों को जोड़ लें तो यह भुगतान करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये के करीब है। आजादी के बाद से अब तक का रिकॉर्ड है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज यूपी चहुंमुखी विकास की गाथा लिख रहा है। स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर हो रहा है। टूटी फूटी सड़कें एक्सप्रेस का रूप ले रही हैं, गरीबों के खाते में सीधे सहायता राशि पहुंच रही है। आज योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यूपी में रामराज्य की कल्पना साकार हो रही है। मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार, गुंडाराज, घोटाला, अपराध, जंगलराज, धांधली, तुष्टीकरण, कोरोना, जबरन धर्मांतरण जैसे राक्षसों पर जबरदस्त प्रहार हो रहे हैं। गुंडे-माफियाओं पर शिकंजा कसता जा रहा है। बदमाश गले में तख्ती डालकर थाने में स्वयं सरेंडर करने आ रहे हैं। मुख्तार जैसे बाहुबली माफिया योगी राज में आने से थर- थर कांप रहा है।

सपा-बसपा की सरकार में बिना रिश्वत कोई काम नहीं होता था, लेकिन प्रभु राम के अनन्य भक्त और उनका अनुसरण करने वाले योगी आदित्यनाथ जब मुख्यमंत्री बने तो बिना रिश्वत लोगों के काम होने लगे। एक समय प्रभु राम की नगरी अयोध्या में जैसा शासन रहा हो, उसी राम राज्य को स्थापित करने की कल्पना साकार होती दिख रही है।भगवान राम का विचार था कि प्रजा का एक भी व्यक्ति अगर चैन से नहीं हो पा रहा है तो राजा को भी नींद लेने का कोई हक नहीं। जब देश और दुनिया कोरोना से जूझ रहे थे, प्रदेश भी कोरोना की चपेट में था, तब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पिता का निधन हो गया था। आप सबने देखा कि अपने पिता के अंतिम दर्शन करने की बजाय, उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने की बजाय उन्होंने प्रदेश की जनता की सेवा को प्राथमिकता दी। भगवान राम अपना सुख, चैन त्यागकर, मानव कल्याण के लिए, राक्षसों का सर्वनाश करने निकल पड़े थे। 14 बरस भोग की हर वस्तु का त्यागकर प्रभु राम जमीन पर सोए और नंगे पैर कांटों भरे रास्ते पर चले। आज हमारे प्रदेश के मुखिया, आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी उन्हीं के पदचिन्हों पर चल रहे हैं और उनके बताए मार्ग पर चलकर दिन रात प्रदेश के जनता की सेवा कर रहे हैं।

लॉजिस्टिक लागत घटने का सुकूनदेह परिदृश्य

भारत में लॉजिस्टिक लागत में कमी करके उत्पादकता और निर्यात तेजी से बढ़ाए जा सकते हैं। इसके साथ-साथ यातायात प्रबंधन में सुधार करके जहां लॉजिस्टिक लागत को और कम किया जा सकता है, वहीं समय व ऊर्जा की बचत करते हुए दुर्घटनाओं में भी कमी लाई जा सकती है। ऐसे में आम आदमी से लेकर संपूर्ण अर्थव्यवस्था को लाभान्वित किया जा सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले एक-दो वर्षों में लॉजिस्टिक लागत में कुछ कमी दिखाई देने लगी है। हाल ही में प्रकाशित विश्व बैंक के लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक 2023 में भारत 6 पायदान की छलांग के साथ 139 देशों की सूची में 38वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत 2018 में इस सूचकांक में 44वें तथा 2014 में 54वें स्थान पर था। इस रिपोर्ट में कहा गया है

डा. जयंतीलाल भंडारी

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

इस समय लॉजिस्टिक लागत से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह कहा जा रहा है कि भारत में लॉजिस्टिक लागत में कमी करके उत्पादकता और निर्यात तेजी से बढ़ाए जा सकते हैं। इसके साथ-साथ यातायात प्रबंधन में सुधार करके जहां लॉजिस्टिक लागत को और कम किया जा सकता है, वहीं समय व ऊर्जा की बचत करते हुए दुर्घटनाओं में भी कमी लाई जा सकती है। ऐसे में आम आदमी से लेकर संपूर्ण अर्थव्यवस्था को लाभान्वित किया जा सकता है। गौरतलब है कि देश में पिछले एक-दो वर्षों में लॉजिस्टिक लागत में कुछ कमी दिखाई देने लगी है। हाल ही में प्रकाशित विश्व बैंक के लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक 2023 में भारत 6 पायदान की छलांग के साथ 139 देशों की सूची में 38वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत 2018 में इस सूचकांक में 44वें तथा 2014 में 54वें स्थान पर था। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में अक्टूबर 2021 में घोषित पीएम गति शक्ति योजना और सितंबर 2022 में घोषित राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) के कार्यान्वयन और वर्ष 2020 से लागू उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) के प्रारंभिक अपेक्षित परिणामों से लॉजिस्टिक लागत में कमी आने का परिदृश्य निर्मित होने लगा है। ज्ञातव्य है कि विश्व बैंक के ताजा लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक के तहत कुछ महत्वपूर्ण मापदंडों, बुनियादी ढांचे, अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट और लॉजिस्टिक क्षमता संबंधी भारत की बढ़त दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। आधुनिकीकरण व डिजिटलीकरण से भी भारत का लॉजिस्टिक प्रदर्शन बेहतर हुआ है। सामान्यतया वस्तु के उत्पादन में कच्चे माल की लागत पहले क्रम पर और मजदूरी की लागत दूसरे क्रम पर होती है। फिर लॉजिस्टिक लागत का क्रम आता है। लॉजिस्टिक लागत का मतलब है उत्पादों एवं वस्तुओं को उत्पादित स्थान से गंतव्य स्थान तक पहुंचाने तक लगने वाले परिवहन, भंडारण व अन्य खर्च। लॉजिस्टिक लागत कम या अधिक होने में बुनियादी ढांचे की अहम भूमिका होती है। यदि सडकें बेहतर और अन्य बुनियादी ढांचे की सुविधाएं उपयुक्त हों तो तेजी से सामान पहुंचने, परिवहन संबंधी चुनौतियां और ईंधन की लागत कम होने से भी लॉजिस्टिक लागत कम हो जाती है। यदि निर्धारित समय में बुनियादी ढांचे संबंधी परियोजनाएं पूरी हो जाती हैं तो भी लॉजिस्टिक लागत में कमी आती है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार की गति शक्ति योजना करीब 100 लाख करोड़ रुपये की महत्त्वाकांक्षी परियोजना है जिसका लक्ष्य देश में एकीकृत रूप से बुनियादी ढांचे का विकास करना है। वस्तुतः देश में सडक, रेल, जलमार्ग आदि का जो इंफ्रास्ट्रक्चर है, वह अलग-अलग 16 मंत्रालयों और विभागों के अधीन है, उनके बीच में सहकार व समन्वय बढ़ाना गति शक्ति योजना का मुख्य फोकस है। वस्तुतः नई लॉजिस्टिक पॉलिसी गतिशक्ति योजना की अनुपूरक है। इसका प्रमुख लक्ष्य माल परिवहन की लागत घटाकर सभी प्रकार के उद्योग-कारोबार को बढ़ावा देना और वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना भी है। देश में नई लॉजिस्टिक नीति के जरिए अगले 10 सालों में लॉजिस्टिक्स सेक्टर की लागत को 10 प्रतिशत तक लाया जाएगा। चूंकि वर्तमान में लॉजिस्टिक्स का ज्यादातर काम सडकों के जरिए होता है, अतएव अब नई नीति के तहत रेल ट्रांसपोर्ट के साथ-साथ शिपिंग और एयर ट्रांसपोर्ट पर जोर दिया जा रहा है। लगभग 50 प्रतिशत कार्गो को रेलवे के जरिए भेजे जाने का लक्ष्य आगे बढ़ाया जा रहा है और सडकों पर ट्रैफिक को कम किया जा रहा है। देश में बुनियादी ढांचे का तेजी से निर्माण होने लगा है। ऐसे में इंजीनियरिंग, डिजिटलीकरण और बहु-साधन परिवहन जैसे क्षेत्रों पर जोर देकर माल ढुलाई क्षमता में सुधार की ओर कदम बढ़ा दिए गए हैं। इस समय केंद्र सरकार सडक और रेल मार्ग, दोनों में सुधार पर ध्यान दे रही है। देश के प्रमुख शहरों और औद्योगिक एवं कारोबारी केंद्रों के बीच की दूरी कम करने के लिए एक तरफ डेडिकेटेड फ्रेट कोरिडोर के जरिए रेल मार्ग से माल ढुलाई को तेज करने की कवायद कर रही है, दूसरी तरफ देश के लगभग हर हिस्से में ग्रीनफील्ड हाईवे प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इसके साथ ही राजमार्गों पर आधारित इंडस्ट्रियल कोरिडोर भी बनाए जा रहे हैं। यह बात भी उभरकर दिखाई दे रही है कि देश में बुनियादी ढांचे के तहत सडकों, रेलवे, बिजली और हवाई अड्डों के अलावा बंदरगाह से संबंधित सडक और रेल कनेक्टिविटी में भी निजी निवेश का प्रवाह अहम भूमिका निभा रहा है। यात्रा के आधार पर भारत का लगभग 95 फीसदी विदेश व्यापार समुद्री मार्ग से होता है। देश में नवीनतम बंदरगाह नीति के तहत बंदरगाह लैंडलॉर्ड मॉडल की शुरूआत के साथ सरकार के स्वामित्व वाले प्रमुख बंदरगाह की परिचालन जिम्मेदारियां निजी क्षेत्र को सौंपने की रणनीति के कारण बंदरगाह विकास और संचालन में घरेलू और विदेशी निजी क्षेत्र की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि देश के कोने-कोने के शहरी भागों में सडकों पर वाहनों की भरमार और इससे यातायात में होने वाली असुविधाओं से जहां समय और ऊर्जा की हानि होती है, वहीं इसका उत्पादकता एवं सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर प्रभाव पड़ता है। सामान्यतया विश्व स्तरीय सडकों के मापदंडों पर सडक निर्माण पर काफी धनराशि खर्च की जाती है, मगर यातायात सुगम बनाने के परिप्रेक्ष्य में उपयुक्त पार्किंग पर पर्याप्त खर्च पर ध्यान नहीं दिया जाता है। ऐसे में वाहन चालक सडकों के किसी भी हिस्से पर वाहन खड़ा करना शुरू कर देते हैं।

तकनीक के ढ़िंढ़ोरे बीच भीषण रेल हादसे कब तक?

ऋतुपर्ण दवे

बेशक बालासोर रेल दुर्घटना देश क्या दुनिया के भीषणतम हादसों में एक है। इतना ही नहींऔर याद भी नहीं कि देश में कभी एक साथ तीन रेलें इस तरहटकराई हों जिसमें दो सवारी गाड़ी हों? दुर्घटना से जो एक सच सामने आया है वो बेहद दुखद और चौंकाने वाला है। रिजर्व बोगियों के अलावाबहुत सी मौतें जनरल बोगियोंमें सवारों की भी हुईं जिनकी पहचान कैसे हो पाएगी? उससे भी बड़ी सच्चाई ये कि देश की अब तक सबसे ज्यादा रेल दुर्घटनाएं स्टेशनों पर पहुंचने से थोड़ा पहले ही हुईं जिसका मतलब जब अप और डाउन दोनों ट्रैक किसी स्टेशन पर पहुंचने से पहले यात्री सुविधाओं की दृष्टि से कई लूप ट्रैक में विभाजित हो यात्रियों खातिर प्लेटफॉर्म पर गाड़ियों को पहुंचाते हैं। यहां आगे जा रही या पीछे से आ रही ट्रेनों की स्थिति और निगरानी की जरा सी चूकहादसों में बदल जाती है। यकीनन ट्रेनों के परिचालन के लिए नित नई उन्नत और नवीनतम तकनीक विकसित होती जा रही है। बावजूद इसके हादसे उतने ही गहरे जख्म भी छोड़ जाते हैं।

दरअसल ये हादसा बहानागा रेलवे स्टेशन के पास शालीमार-चेन्नै कोरोमंडल एक्सप्रेस (12841), और सर एम.विश्वेश्वरैया टर्मिनल-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12864) तथा मालगाड़ी एक-दूसरे से टकराने से हुआ। कोरोमंडल एक्सप्रेस डिरेल होकर खड़ी मालगाड़ी से टकराई,डिब्बे गिरे और लोग निकल जान बचाने इधर-उधर भगाने लगे। ठीक उसी समय दूसरे ट्रैक पर यशवंतपुर हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12864)आ गई और पहले से गिरी ट्रेनों से टकरा गई। इसके चलते हादसे का रूप भयंकर वीभत्स और दिल दहला देने वाला हो गया। जान बचाकर भागते कई लोग भी शिकार हो गए। सुबह जब ड्रोन से तस्वीरें मिलने शुरू हुईं तो रोंगटे खड़े कर देने वाले दर्दनाक मंजरों ने और डरा दिया। जबकि बोगियों के अन्दर की तस्वीरें बेहद दर्दनाक थीं। किसी का सर धड़ से अलग था किसी के हाथ-पैर और क्षत-विक्षत शरीर। मालगाड़ी के डिब्बे के ऊपर सवारी गाड़ियों के डिब्बे जिग-जैग पोजीशन में एक-दूसरे के ऊपर 50-55 फीट तक जा चढ़े। कई डिब्बे सैकड़ों मीटर दूर तक जा फिकाए। दोनों ही ट्रेन अपनी पूरी क्षमता से भरी थीं यानी 1750 यात्रियों को लेकर कुल 3500 यात्रियों की क्षमता के साथ अलग-अलग लेकिन पूरी रफ्तार से दौड़ रहीं थीं। एक की रफ्तार 120 किमी तो दूसरी की 125 किमी। इतनी रफ्तार में टकराने से क्या हुआ और होता है, सामने दिख रहा है। पिछले 20 वर्षों में यह सबसे बड़ा हादसा है। बीते बरस की ही बात है, जीरो रेल एक्सीडेण्ड मिशन में ऑटो ब्रेक सिस्टम पर तेजी से काम की खूब बातें हुईं। ट्रेन प्रोटेक्शन एण्ड वार्निंग यानी टीपीडब्ल्यूएस तकनीक का ढिंढ़ोर

संक्षिप्त खबरें

रिश्ता हुआ शर्मसार

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना क्षेत्र के एक गांव में चाचा भतीजी का रिश्ता कलंकित कर दिया गया। एक कलयुगी चाचा नाबालिक भतीजी को लेकर चार दिनों तक गायब रहा। इस मामले में नाबालिक के पिता ने थाने में आवेदन देकर अपने मुंहबोले भाई के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। नाबालिक के पिता ने बताया कि उनकी पुत्री बीते 27 मई को हर दिन की तरह बोचहां थाना क्षेत्र के शर्फुद्दीनपुर सिलाई कढ़ाई सीखने गई थी। जहां से वह अचानक गायब हो गई। इसके बाद अपने स्तर से कई जगहों पर खोजबीन किया गया लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चल सका। फिर 31 मई को पता चला की उनकी पुत्री को पड़ोस के एक भाई लेकर भाग गया है। इसके बाद थाने में शिकायत दर्ज.कराई गई। इसके बाद पुलिस के सहयोग से दोनों को मुजफ्फरपुर शहर से बरामद कर लिया गया। नाबालिक पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसे शर्फुद्दीनपुर से घर छोड़ने के बहाने मुंहबोले चाचा राजीव कुमार ने कार में बिठा लिया। और कोल्डड्रिंक्स में नशीला दवा पिलाकर बेहोश कर दिया। जब होश आया तो वह मुजफ्फरपुर शहर के अंजान जगह पर एक घर थी। उसे एहसास हुआ कि उसके साथ बेहोशी की हालत में दुष्कर्म किया गया है। थाना अध्यक्ष मोनू कुमार ने बताया कि पुलिस अपहृता के साथ आरोपी चाचा को भी पकड़ लिया गया है। इसके साथ ही अब आगे की कार्रवाई किया जा रहा है।

राज्य से बाहर श्रमिकों की दुर्घटना होने पर सरकार द्वारा मिलती है अनुदान

मोतिहारी। श्रम अधीक्षक, पूर्वी चंपारण, मोतिहारी द्वारा बताया गया कि बिहार राज्य से बाहर अगर किसी भी श्रमिक दुर्घटना होती है तो बिहार सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना- बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना-2008 के अंतर्गत श्रमिक की दुर्घटना मृत्यु उपरांत 1,00,000/- उनके निकटतम आश्रित को, दुर्घटना उपरांत पूर्ण स्थाई अपंगता की स्थिति में 75,000/- एवं दुर्घटना उपरांत आंशिक अपंगता की स्थिति में 37,000/- उक्त श्रमिक को दी जाती है। इस योजना को दिनांक-22.06.2021 से योजना के लाभ प्राप्त किए जाने हेतु लाभुक द्वारा संबंधित प्रखंड के आरटीपीएस केंद्रों के माध्यम से तथा ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त करने हेतु अनुरोध किया जा चुका है। उसके संबंध में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को जिलाधिकारी महोदय के माध्यम से सूचित करने हेतु अपर मुख्य सचिव, बिहार द्वारा निर्देशित भी किया गया है! बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना-2008 के अंतर्गत आवेदन करने हेतु निम्नलिखित दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। जिसमें मृतक का आधार कार्ड या पहचान पत्र, प्राथमिकी की प्रति, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, आश्रित का आधार कार्ड या पहचान पत्र, आश्रित का बैंक पासबुक की प्रति, निवास प्रमाण-पत्र, आश्रित प्रमाण पत्र एवं मुखिया द्वारा निर्गत कार्य की प्रकृति प्रमाण-पत्र की मृतक मृत्यु के पूर्व क्या कार्य करते थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया पौधारोपण

रक्सौल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रकृति के हमारे जीवन में महत्व को बताते हुए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, उप शाखा सुख शांति भवन, वार्ड नं -22, नागा रोड रक्सौल के प्रांगण में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय संचालिका ज्ञानू बहन के द्वारा किया गया। जिसमे जन-जन को संदेश देते हुए ज्ञानू दीदी ने पर्यावरण के संरक्षण के महत्व को समझाया और कहा कि हमारी धरती 5 महाभूतो से बनी है, जिसमे हवा श्वास देता है, आकाश उड़ान देता है, जल प्राण देता है, भूमि अन्न से पालन करती है, अतः वायु, जल, भूमि, अग्नि, आकाश ना हो तो जीवन नहीं चल सकता, लेकिन आज मानव अपने सुविधा के लिए प्रकृति जो हमारी मां है, उसका हनन कर रहा है, जिससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। जो प्रकृति हमारी इतनी सेवा करती है तो उसके संरक्षण का दायित्व भी हम सब का है, ताकि हमारा आज और आने वाला भविष्य सुखद, सरल हो और सभी के लिए ये पर्यावरण सुखदाई, आनंदमई हो जाए। इसी शुभ संकल्प के साथ कार्यक्रम में साइमन सर, छोटेलाल भाई, शिवकुमार भाई, ममता अग्रवाल, पुष्पा अग्रवाल, इंदु बहन, पूजा बहन और अन्य सभी ने पौधारोपण कार्यक्रम बड़े ही उमंग उत्साह से किया और कहा कि हर एक व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए और उसका संरक्षण करना चाहिए।

मोबाइल छिनतई के आरोपी को भीड़ ने की पिटाई, एक की मौत दूसरा गंभीर

प्रात : किरण संवाददाता

बोचहा। थाना क्षेत्र में इन दिनों झपट्टामार गिरोह के सदस्य काफी सक्रिय है। झपट्टामार गिरोह के सक्रिय सदस्यों के द्वारा सड़क पर चल रहे लोगों के मोबाइल सहित स्वणार्भूषण और रुपये-पैसे छिनने की घटना के बीच सोमवार कि सुबह करीब 8:30 बजे ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर एनएच 57 भूसाहीं चौक के समीप टेंपो सवार महिला का मोबाइल व पर्स झपटने के दौरान दोनों वाहन का संतुलन बिगड़ने से हाईवे किनारे गड्ढे में पलट गया। इस हादसे में टेंपो सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, वही बाइक सवार भी जख्मी हो गया, टेंपो पलटने की आवाज सुनकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। बाइक छोर भाग रहे दो भाइयों को वहां जमा भीड़ ने धर दबोचा और जमकर पिटाई की, उसके बाद इलाज के लिए प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान बड़े भाई की मौत हो गई, छोटे भाई की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है।, मृतक के परिजनों ने डाक्टर पर शव नहीं दिए जाने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया और हाईवे को जाम कर दिया।, परिजन का कहना है कि मृतक रास्ते में ही दम तोड़ दिया था, फिर भी हैस्पिटल में भर्ती करके 53000 हजार रूपए का बिल बना दिया।, पैसे नहीं दिए जाने पर शव दे ने से इंकार कर दिया।, परिजनों का आक्रोश देख सभी डॉक्टर हॉस्पिटल छोड़कर फरार हो गए, इस दौरान हॉस्पिटल में भर्ती अन्य मरीज काफी डरे हुए थे। मौके पर पहुंची अहियापुर थाने की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर हॉस्पिटल में भर्ती अन्य मरीज को अपने साथ ले गई,। घायलों के परिजन अकबर अली ने बताया कि मुजफ्फरपुर से थ्री व्हीलर ले कर दरभंगा जिला के जाले गांव जा रहे थे तभी रास्ते में बाइक सवार दो युवक ने टेंपो में बैठी इशरत परवीन व रानी खातून का मोबाइल एवं पर्स झपट लिया। इस छीना झपटी में वाहन का संतुलन बिगड़ गया और हाईवे किनारे गड्ढे में पलट गया। इस हादसे में शुकराना खातून, इशरत परवीन, रानी खातून, एवं दिलबर खान गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसे ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। भीड़ के हत्थे चढ़े आरोपी की पहचान अहियापुर थाना क्षेत्र के बथना गांव के अमन कुमार व रजनीश कुमार के रूप में हुई है, जहां इलाज के दौरान रजनीश कुमार की मौत हो गई, थाना अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने बताया कि ऑटो में सवार महिला के साथ लुटेरा गिरोह के द्वारा छिंतई का प्रयास किया गया। इस दौरान दोनों वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ गया। टेंपो व बाइक पलटने से टेंपो सवार चार लोग घायल हो गए। जिसे ग्रामीणों की मदद से इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

सीएचसी कार्यालय में दिव्यांग शिविर कैम्प को लेकर हुआ बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी सीएचसी खजौली के कार्यालय में जिला दिव्यांग शिविर कैम्प को लेकर सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. जोतीन्द्र नारायण के नेतृत्व में डॉक्टर एव कर्मी के साथ बैठक का आयोजन किया गया.इस बैठक के दौरान सीएचसी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. जोतीन्द्र नारायण ने कहा कि सीएचसी परिसर में एक जुलाई एव 3 जुलाई 023 को जिला मेडिकल चिकित्सको द्वारा दिन के 11 से 4 वजे संध्याकाल तक दिव्यांग शिविर का आयोजन किया जाएगा. उन्होंने कहा कि जिला दिव्यांग शिविर कैम्प सफल संचालन को लेकर सभी डॉक्टर एव कर्मी स समय उपस्थित होने की बात बताया गया. उन्होंने कहा कि सीएचसी के पोषक क्षेत्र के सभी पंचायत से 5 से 18 वर्ष के दिव्यांग बच्चों की दिव्यांग बच्चा का जांच शिविर सह प्रमाणीकरण किया जाएगा.उन्होंने कहा कि दिव्यांग शिविर में लाभार्थी के द्वारा दिव्यांग आवेदन फार्म जो ग्राम पंचायत के मुखिया एव सरपंच के द्वारा आवेदन की सत्यापित की गयी जिसके साथ आधार कार्ड की छायाप्रति लाना अनिवार्य है. उन्होंने कहा कि जिला दिव्यांग शिविर कैम्प में डॉक्टर एव कर्मी के अलाबे शिक्षा विभाग,समाज कल्याण विभाग,ग्रामीण विकास विभाग के पदाधिकारी एव कर्मी उपस्थित रहेंगे. उन्होंने कहा कि इस जिला दिव्यांग शिविर कैम्प का सफल संचालन को लेकर प्रखंड़ क्षेत्र के सभी पंचायत के मुखिया उप मुखिया सरपंच पंचायत समिति सदस्यगण वार्ड सदस्य से अपील कि है की अपने स्तर से प्रचार प्रसार कर ज्यादा से ज्यादा दिव्यांग बच्चों को कैम्प शिविर में लाने का आवाहन किया है. उन्होंने कहा कि दिव्यांग जिला शिविर कैम्प में एक भी दिव्यांग बच्चों दिव्यांग प्रमाण पत्र से बंचित नही हो .इस बैठक के मौके पर सीएचसी प्रभारी डा. जोतीन्द्र नारायण डा. शाहिद एकवाल डा. जितेंद्र कुमार नोडल कर्मी अरविंद कुमार मिश्रा मौजूद थे।

ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद ,चालक और खलासी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गायघाट थाना क्षेत्र के मैठी टॉल प्लाजा के समीप एक लाईन होटल पर खड़ी ट्रक से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद किया गया। इसके साथ ही मौके से ट्रक चालक व उप चालक को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किया गया विदेशी शराब पंजाब का बना हुआ है। थाना अध्यक्ष मोनू कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर टॉल प्लाजा के समीप एक लाईन होटल पर छापेमारी की गई। जहां एक ट्रक पर लोड विदेशी शराब की 893 कार्टून बरामद किया गया है। शराब की पेटियां के ऊपर करीब 75 प्लास्टिक के बोरे में भरे खाली पानी की बोतल से छुपा कर रखा गया था। गिरफ़्तार हुए ट्रक चालक व उप चालक गुजरात के बिक्के जिला के छाती थाना क्षेत्र का निवासी अनिफ रजा व गुलजार शाह बताया गया है। दोनो को शराब की खेप पहुंचाने के एवज में चालीस चालीस हजार रूपए मिले थे। ट्रक चालक ने बताया की उसे हरियाणा के करनाल से ट्रक मैठी टॉल प्लाजा तक पहुंचा देने के लिए कहा गया था। ट्रक में दो दो जीपीएस लगा था। थाना अध्यक्ष ने बताया की गिरफ्तार हुए चालक व उप चालक से पूछताछ किया जा रहा है।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड एवं प्रयत्न द्वारा स्मार्ट क्लास की स्थापना

प्रात : किरण संवाददाता

हाजीपुर। भगवानपुर प्रखंड के असोई उत्क्रमित मध्य विद्यालय में एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड एवं स्वयं सेवी संगठन प्रयत्न के सहयोग से स्थापित स्मार्ट क्लास का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक सूर्योदय प्रकाश ने किया। स्थानीय मुखिया यदुनन्दन राम ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह सौभाग्य की बात है की हमारे क्षेत्र के विद्यालय में यह व्यवस्था हुई है। हम संस्था के लोगों को धन्यवाद देते हैं। उद्घाटनकर्ता विधायक लालगंज, संजय कुमार सिंह एवं पूर्व विधायक ,कल्याणपुर सचिंद्र प्रसाद के द्वारा विद्यालय परिवार को स्मार्ट टीवी की चाबी समर्पित किया गया। उक्त अवसर पर संस्था के संस्थापक प्रभात कुमार ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए संगठन के कार्यक्रम से अवगत कराया। स्थानीय सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता देवांशु किशोर ने अपने वक्तव्य में कहा कि सौभाग्य की बात है कि हमारे गांव के विद्यालय में स्मार्ट क्लास का उपकरण लगा है इससे हमारे गांव के छात्र छात्राओं को लाभ मिलेगा। उद्घाटन भाषण में संजय कुमार सिंह ने कहा कि इस महती उपलब्धि हेतु प्रयत्न संगठन साधुवाद का पात्र है। उन्होंने कहा कि इस स्मार्ट क्लास से छात्र छात्राओं को काफी लाभ मिलेगा। इसके उपयोग से ग्रामीण स्कूली बच्चों को तकनीक के साथ पढ़ाई में रुचि उत्पन्न होगी। सचिंद्र प्रसाद, पूर्व विधायक कल्याणपुर ने कहा कि आज स्मार्ट का जमाना है। चाहे स्मार्टफोन हो या स्मार्ट टीभी हो अब हमें इस सब उपक्रम के माध्यम से किसी भी विषय को समझने ,देखने एवं सीखने में सहूलियत होगी। इस कार्यक्रम से समाज के हर तबके के लोगो को लाभ प्राप्त होगा। धन्यवाद ज्ञापन राजेश कुमार ने किया। उक्त अवसर पर प्रतीश किशोर, प्रयत्न के कार्यक्रम अधिकारी अमित चौधरी, विकास कुमार ,मुन्ना राम, कमल कमल गुप्ता, विपिन कुमार मांझी,अमरनाथ ठाकुर, शंभू कुमार, सुरेश साहनी, डॉ0 वकील कुमार सिंह, लालदेव साहनी, कुंदन कुमार, रंजीत कुमार शर्मा, चंदन चौधरी, दयानंद साहनी, संतोष कुमार, विक्रम कुमार, जगनू कुमार, दिनेश सिंह, प्रमोद सिंह, पिंटू कुमार, अजीत कुमार, राकेश साहनी, नरेश साहनी, कुमारी वंदना, आकृति लिच्छवी, विजेता कुमारी की भूमिका सराहनीय रही।: उल्लेखनीय है कि एलआइसी हाउसिंग लिमिटेड एवं सामाजिक संस्था प्रयत्न के सहयोग से राज्य के भागलपुर ,समस्तीपुर , मुजफ्फरपुर ,दरभंगा और वैशाली जिले के 150 सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास की स्थापना की गई है।

छात्रा के हत्यारों की गिरफ्तारी के लिए निकाला कैंडिल मार्च

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जन अधिकार पार्टी लोकतांत्रिक द्वारा जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश के नेतृत्व में ब्रह्मपुरा निवासी छात्रा सलोनी कुमारी की अपराधियों ने निर्मम हत्या कर लाश पोखर में फेक दिया था।रविवार की शाम उसके आत्मा की शांति एवं हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मृत छात्रा के घर से घटना स्थल तक शांति कैंडल मार्च निकाल कर दो मिनट का मौन धारण किया गया। वेद प्रकाश ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं लगातार घटित हो रहा है।इंसान भेड़ बकरी की तरह मारे जा रहे हैं इस प्रकार की घटनाएं जन अधिकार पार्टी लोकतांत्रिक मुजफ्फरपुर बर्दास्त नही करेगी हम थानाध्यक्ष से बात किए तो उन्होंने चार दिनों में नतीजा देने की बात कही है परिजन थानाध्यक्ष के कारवाई से संतुष्ट हैं साथ ही उनका कहना है की संतोष रजक नामक दरोगा के अनैतिक कार्यों की वजह से विधि व्यवस्था प्रभावित हुई और उन्होंने परिजनों से साथ दुर्व्यवहार भी किया ऐसे पुलिसकर्मी पर कठोर कारवाई सुनिश्चित करें साथ में न्याय सुनिश्चित होने तक आंदोलन होता रहेगा। इस कैंडल मार्च में सवर्ण प्रकोष्ठ अध्यक्ष राकेश कुमार,महासचिव रानू शंकर,रजनीश शाही,नगर अध्यक्ष प्रभात रंजन,आशा देवी,सत्यनारायण यादव, पंकज कुमार आर्यन,सुभाष कुमार,अरुण सिंह समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता गण शामिल होकर आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना किया एवम न्याय की आवाज को बुलंद किया।

खरीफ महाअभियान प्रशिक्षण सह उपादान वितरण कार्यक्रम आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर अनुमण्डल मुख्यालय स्थित ई किसान भवन में सभा कक्ष में सोमवार को कृषि प्रोधोगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा कृषि विभाग के तत्वावधान खरीफ महाअभियान प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण सह उपादान वितरण दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सह जागरूकता उपादान कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ आमना वसी, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी दीपक कुमार,प्रखंड कृषि पदाधिकारी मनोज कुमार मिश्रा, कृषि विज्ञान केंद्र चान पूरा के वरीय वैज्ञानिक मंगला नंद झा, प्रखण्ड तकनीकी प्रबंधक शिव कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। किसान गोष्ठि जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वैज्ञानिक मंगला झा समेत अन्य कृषि पदाधिकारियों ने किसानों को प्रशिक्षण के माध्यम से धान की उन्नत उपज खेती समेत अन्य बेहतर कृषि पद्धति की विस्तृत जानकारी दी। किसानों के हित में सरकार के द्वारा चलाये जा रहे किसान लाभकारी योजनाओं ई के वाई सी कराने, पीएम किसान निधि योजना को ससमय कराने समेत अन्य कृषि सम्बंधित जानकारीया दी गई। ई के वाई सी कराने पीएम किसान निधि योजना के लाभ लेने की जानकारी दी गई जिससे किसान लाभों से वंचित न रहें। अभियान के तहत फसलवार अनुशंसित सिंचाई पद्धति के तहत फसल लगाने उसके उत्पादन पर प्रशिक्षण दिया गया। जलवायु अनूकुल कृषि कार्यक्रम के तहत किसानों के पास सिमित जमीन एवं प्राकृतिक संसाधनों तथा उनकी बढ़ती जरूरतों एवं खर्चों के कारण नई कृषि प्रणाली की आवश्यकता है। सीमित संसाधनों के उपयोग से अधिकाधिक लाभ दे सकें। जलवायु परिवर्तन भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था के सबसे अधिक संवेदनशील पहलुओं में से एक है। कृषि उत्पादन प्रणाली बाढ़ और सूखे जैसी विषम परिस्थितियों से ग्रस्त हैं। कार्यक्रम में जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम की समयरेखा, योजना के मुख्य उद्देश्य, जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के प्रमुख कार्यकलाप एवं उपयुक्त फसल प्रणाली के तहत खेती करने के तरीके को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। जल जीवन हरियाली अपनाने किसानों को जागरूक उन्नत खेती के गुड़ अपनाने लाभकारी योजनाओं के लाभ लेने को जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। मौके पर कृषि समन्वयक अनंत कुमार मिश्रा, बीटीएम शिव कुमार, एटीएम अविनाश कुमार, एसी आनंद कुमार मिश्रा, रंजीत कुमार रंजन, मनोज सिंह, बीएचओ श्री नारायण महतो, किसान सलाहकार संतोष कुमार, ललित झा, मो. अजहर, संतोष कुमार, हरे राम, रामवृक्ष एवं कमलेश कुमार समेत कई किसान सलाहकार और किसान शिविर में उपस्थित थे।प्रशिक्षण के पश्चात उपादान वितरण मंगलवार को किया जाना बताया गया।

युवा राष्ट्रीय जनता दल मधुबनी के द्वारा संपूर्ण क्रांति दिवस पर एक दिवसीय महाधरना प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी सरकार के नई शिक्षा नीति बढ़ती मंहगाई के विरोध में एवं जातीय जनगणना की मांग को लेकर युवा राष्ट्रीय जनता दल के द्वारा जिला मुख्यालय पर धरना दिया गया युवा जिला अध्यक्ष इंद्रभूषण यादव के अध्यक्षता एवं उमेश राम के संचालन में सभा का आयोजन किया गया जिसे संबोधित करते हुए पूर्व विधायक रामकुमार यादव ने कहा कीसंविधान के निमार्ताओं ने एक आधुनिक भारत की कल्पना की थी पर यह तभी सम्भव है जब हजारों वर्षों से चले आ रहे जातिवादी भेदभाव को खत्म किया जाए सूचना क्रांति के युग में जनसंख्या का डॉक्यूमेंटेशन और कैटेगराईजेशनन अत्यंत जरूरी है तभी आधुनिक समाज को तीव्र गति से विकसित किया जा सकता है। जैसा कि हमें मालूम है कि जाति एक महत्वपूर्ण कारक है जो मनुष्य को सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक स्तर पर पहचान देता है। इसी कारणवश जातिगत आँकड़े को पब्लिक नहीं किया जा रहा है ताकि सामंतवादी वर्चस्व बना रहे।पिछले नब्बे वर्षों से जाति जनगणना नहीं की गई है। युवा राजद के राष्ट्रीय सचिव संतोष यादव ने कहा की जिस नीति और नीयत से केंद्र सरकार काम कर रही है उससे यह कहा जा सकता है कि जनता को छलावा दे रही हैं।सरकार में आने के बाद नरेंद्र मोदी ने लगातार विकास की प्रक्रिया को गति देने के लिए अनेक स्ट्रक्चरल और मॉनेटरी रिफार्म किये ताकि संरचनात्मक सुधार किया जा सके ताकि पढ़ाई,दवाई, कमाई और सिंचाई के क्षेत्र में चौमुखी विकास हो।पर पिछले नौ सालों में सरकार ने जो संरचनात्मक सुधार किया है उससे लगभग सभी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। चाहे वह नोटबन्दी हो, कृषि योजना हो, नियंत्रण मुक्त ईंधन की कीमत हो या फिर आवश्यक वस्तु अधिनियम। इन सुधारों से लगभग सभी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं जिसका खामियाजा जनता भुगत रही है और कमरतोड़ महंगाई से जनता त्राहिमाम है। युवा जिला अध्यक्ष इंद्रभूषण यादव ने कहा की नई शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र में कायाकल्प करने की सरकार की योजना है ताकि भारत एक आत्मनिर्भर देश बन सके और आर्थिक शक्ति के रूप में अपनी पहचान बना सके। यह सम्भव तभी है जब नई शिक्षा नीति संवैधानिक मूल्यों के साथ-साथ गुणात्मक शिक्षा का प्रजातंत्रिकरण करे। पर ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य अपने दायित्वों से पीछे हट रहा है। पिछले 34 सालों के बाद आई नई शिक्षा नीति अपने लक्ष्यों को प्राप्त तभी कर सकती है जब सामाजिक,आर्थिक और डिजिटल डिवाइड की खाई को पाटा जाए। पर नई शिक्षा नीति में ग्रेडेड ऑटोनोमी, ऐसा दिखता नहीं है क्योंकि ऑटोनोमस कॉलेज और बोर्ड ऑफ गवर्नर्स को बड़े सुधार के रूप में लाया गया है जो एक भयावह स्थिति उतपन्न कर सकती है ऐसा इसलिए क्योंकि शिक्षा संस्थाओं को वित्त पोषण संस्था से लोन लेने की बात कही गई है। जब कॉलेज और विश्वविद्यालय लोन लेंगे तो चुकाएंगे कैसे या तो छात्रों की फीस में बेतहाशा वृद्धि होगी या फिर वे नॉन परफोर्मिंग एसेट एनपीए की तरह बिक जाएंगे। इन परिस्थितियों में कोई भी समझ सकता है कि गरीब बच्चे और भी हाशिये पर चले जायेंगे।राजद जिला अध्यक्ष वीर बहादुर राय ने कहा की जाति जनगणना को बिहार विधानसभा ने पारित किया है बिहार सरकार ने यह भी कहा कि यदि केंद्र सरकार जाति जनगणना नहीं कराती है तो उस परिस्थिति में बिहार सरकार अपने पैसे से जाति जनगणना कराएगी। आज की परिस्थिति यह है किकेंद्र सरकार ने पार्लियामेंट को बताया है कि वह जाति जनगणना नही कराएग वहीं नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की सरकार ने जाती आधारित गणना करवा रहे हैं तो कुछ लोग न्यायालय में चले गए है।पूर्व विधायक रामशीष यादव ने कहा की जब हम कृषि क्षेत्र औद्योगिक क्षेत्र और सेवा क्षेत्र को देखते हैं तो पाते हैं।

खाद व्यवसायिक व वाइक चोर आरोपित को न्यायायिक हिरासत में भेजा

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के खजौली विशेष समकालीन अभियान के तहत बीती रात थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान के नेतृत्व में छापामारी अभियान चलाकर वाइक चोरी के नामदर्ज फरार अभियुक्त राम कुमार यादव उर्फ राम यादव एव चंद्रडीह गांव निवासी खाद व्यवसायिक मो. आजाद को गिरप्तार को गिरप्तार कर सोमवार को न्यायायिक हिरासत में भेज दिया गया. थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान ने बताया कि नाम दर्ज अभियुक्त मो.आजाद बिना अनुज्ञप्ति के खाद की कालाबाजारी कर रहे थे।

जिसकी जांच में प्रखंड़ कृषि पदाधिकारी एव कृषि समन्वयक विधा सागर सिंह द्वारा जांच कर खाद को जप्त कर खजौली थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया गया।

खाद व्यवसायिक पुलिस के नजर से फरार चल रहा था जो बीती रात खाद व्यवसायिक मो.आजाद को दबोच लिया गया.इस छापामारी अभियान में थानाध्यक्ष सुरेंद्र पासवान, एसआई राम कुमार,जितेश कुमार मिश्रा,एएसआई चरित्र राम,मदन उराँव, इंद्रदेव सिंह सहित बीएमपी के जवान एव चौकिदार शामिल थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया गया पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। निर्वाचन शाखा मुजफ्फरपुर के सौजन्य से आज विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सिकंदरपुर स्थित वेयर हाउस कैम्पस में कई फलदार और छायादार पौधे लगाये गये। मौका था इवीएम, वीवीपैट वेयर हाउस के मासिक निरीक्षण का। प्रभारी जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी के द्वारा नियमित रूप से वेयर हाउस का इंस्पेक्शन होता रहा है। आज 5 जून को पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण दिवस पर निरीक्षण के साथ-साथ उनके द्वारा पौधारोपण भी किया गया। हरित आवरण के दायरा को बढ़ाने का प्रयास वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार, नगर आयुक्त नवीन कुमार, डीआरडीए के अधिकारीगण साथ ही निर्वाचन परिवार के सदस्य द्वारा भी कई अलग-अलग महत्वपूर्ण पौधे यथा शीशम, मोहंगनी, अमलताश तथा अन्य पर्यावरण मित्र पौधों का रोपण किया गया। जिला पदाधिकारी ने पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधारोपण और संरक्षण का संदेश देकर लोगों को शुभकामनाएं और बधाई दी। इस अवसर पर उप निवार्चन पदाधिकारी सत्यप्रिय कुमार, डीपीओ मनरेगा सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

शहर को स्वच्छ बनाने का शिक्षक ने बीड़ा उठाया

भागलपुर देशभर में स्वच्छता मिशन अभियान को लेकर केंद्र सरकार के द्वारा करोड़ों खर्च किया जा रहा है। जहां एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को स्वच्छ सुंदर बनाने के अपील भी कर रहे हैं, वही दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात व उनके विचारों से प्रेरित होकर भागलपुर में केंद्रीय विद्यालय के रिटायर्ड शिक्षक मनोज कुमार भागलपुर की सड़कों पर साफ सफाई करते दिख रहे हैं। वही जब शिक्षक से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि मैं स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत सिगत 17 सालों से जुड़ा हुआ हूं। मैं जहां भी गंदगी देखता हूंतो साफ सफाई करने लगता हूं, साथ साथ उन्होंने कहा कि देश की जनता भी अगर अपने आसपास को स्वच्छ रखें तो अपना देश दुनिया के सामने एक मिसाल बनकर सामने आयेगा पर पूरी तरह से तटस्थ हैं कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत ही इस मुल्क को एक नई दिशा प्रदान करेगी।

अपनी सगी बेटी ने मां व पिता को उतारा मौत के घाट

भागलपुर। सनोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत कुशाहापुर गांव से दिल को जकझोड़ देने वाली घटना सामने आयी है। जहां अपने ही बेटी ने अपने माता व पिता की हत्या कर दी। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि देर रात कुशाहापुर निवासी मो. शेख सुदी व पत्नी नसीमा खातून पर उसकी अपनी ही बेटी ने खटिया के पौवा से अचानक हमला कर दिया जिससे दम्पति की मौके पर ही मौत हो गई। उक्त घटना के बाद लड़की ने अपने भाई पर भी हमला कर दिया, उसने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। उसने सौर मचा कर आसपास के लोगों को जगाया जिसके बाद लड़की को रंगेहाथों ग्रामीणों द्वारा पकड़ लिया और मौके से स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर हत्यारी लड़की को गिरफ्तार कर थाना लेजाया गया। वही घटना को लेकर बताया जा रहा है लड़की गुल का नशा करती थी, इससे उसका मानसिक संतुलन बिगड़ गया था, उसका दवाई इलाज भी चल रहा था, लेकिन ठीक नहीं हो पाई थी। वहीं घटना को लेकर अहले सुबह विधि व्यवस्था डीएसपी अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घटना की जांच में जुट गई है।

जामुन के पेड़ से झूलता मिला युवक का शव, फैली सनसनी

जगदीशपुर (भागलपुर)।जगदीशपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत जगदीशपुर रेलवे हॉट के समीप कोकरा नदी के किनारे लगे जामुन के पेड़ पर गमछे के फंदे से लटकता हुआ शव बरामद किया गया है। वही घटना को लेकर लोगों व राहगीरों के बीच कोलाहल मच गई। वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची स्थानीय थाना पुलिस ने मृतक युवक को पेड़ पर लटके हुए फंदे से मृतक युवक के शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई हैं। वही प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पुलिस ने मृतक युवक की पहचान राजपुर चकोरिया कर बबलू हरिजन के पुत्र कुसो हरिजन के रूप में की है। वही युवक अपने ससुराल जगदीशपुर में रह कर ट्रैक्टर चलाता था। युवक की दो साल पहले स्थानीय इलाके की चंदा कुमारी नामक लड़की के साथ शादी हुई थी, बता दे की घटना करीब लगभग 10 बजे दिन की बतायी जा रही है। वही जगदीशपुर थाना प्रभारी अमित कुमार व उनकी पुलिस टीम द्वारा मृतक युवक के शव के पोस्टमार्टम कार्रवाई को लेकर कागजी प्रक्रिया पूरी कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए नवलखा भेज दिया है। वही घटना के बाद से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

पटेल सेवा संघ बैठक का किया गया आयोजन

संग्रामपुर (मुंगेर)। रविवार को संग्रामपुर प्रखंड के ददरीजाला पंचायत अंतर्गत रतनपुरा गांव स्थित काली मंदिर प्रांगण में पंचायत के मुखिया पिंटू मंडल के अध्यक्षता में पटेल सेवा संघ मुंगेर की बैठक आयोजित की गई बैठक में पटेल सेवा संघ के मुख्य अतिथि डॉ वरुण कुमार सिंह ने संघ के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बैठक में इस भीषण गर्मी में प्रखंड के तमाम जनों की उपस्थिति ही संगठन की मजबूती की पहचान है मैं चाहता हूं कि समाज के उप शाखाएं दूर कर एक पहचान बनाकर समाज के बेटी रोटी का संबंध करें समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करें।वही संध के वरीय संरक्षक डाक्टर रामानंद प्रसाद सिंह ने कहा कि इस माह के अंत तक जिले के सभी प्रखंडों में पटेल सेवा संध की प्रखंड स्तर पर गठन कर दी जायेगी।जिसमें आप सबों का सहयोग चाहिए। उन्होने कहा कि समाज के पीड़ितों की सच्ची सेवा करना ही मनुष्य का प्रथम कर्तव्य है। इस बैठक में पटेल सेवा संध के पुर्व जिलाध्यक्ष सह संरक्षक देवकी मंडल पटेल, बैकुंठ मंडल सहित दर्जनों पटेल समाज के लोगों ने अपनी अपनी विचार व्यक्त की।

स्विमिंग पूल में 21 वर्षीय युवक की मौत से शहरवासियों में आक्रोश

प्रात : किरण ब्यूरो।

भागलपुर। सैंडिस कंपाउंड परिसर स्थित स्मार्ट सिटी के तहत बने स्विमिंग पूल में एक युवक की गिरकर हुई मौत का मामला सामने आया है। उक्त घटना से स्मार्ट सिटी प्रबंधन और जिला प्रशासन की घोर लापरवाही देखी गई है, बीते दिनों एक 21 वर्षीय युवक स्विमिंग करने के दौरान डूब गया, जिससे उसकी स्थिति काफी नाजुक हो गई। उक्त स्थल पर एक भी एंबुलेंस सुविधा उपलब्ध नहीं रहने के चलते उसे आनन -फानन में बाइक पर बैठाकर मायागंज लेजाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचते ही युवक को ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों द्वारा जांचोपरांत मृत घोषित कर दिया गया। अब सवाल यह उठता है कि इतने बड़े स्मार्ट सिटी के तहत बने प्रोजेक्ट में स्विमिंग पूल के साथ ट्रेनर की जो बात कही गई थी, वह घटना के समय मौजूद क्यों नहीं था, साथ ही इतने बड़े कैंपस में एक भी एंबुलेंस की भी व्यवस्था क्यों नहीं मुहैया कराई गई है, प्रशासन पर यह सवालिया निशान खड़े कर रहे हैं, शहर में इतनी बड़ी घटना हो जाती है और नगर आयुक्त के पास कोई जबाब नही जब मीडिया प्रतिनिधि बात करने जाती है तो नगर आयुक्त साफ तौर पर कैमरे के सामने कुछ भी बताने से इंकार कर रहे हैं, इससे साफ जाहिर हो रहा है कि स्मार्ट सिटी प्रबंधन और जिला प्रशासन इसमें पूर्णरूपेण दोषी है। इसी बाबत शहर के लोगों के बीच में आक्रोश दिख रहा है, मामले को लेकर महापौर डॉ. बसुंधरा लाल ने कहा स्विमिंग पूल में 21 वर्ष के युवक की डूबने से मौत हो गई, यह शहर के लिए दुखद खबर है।

इस पर जिला प्रशासन को संज्ञान लेने की जरूरत है, ना तो वहां प्रशिक्षक है और ना ही एंबुलेंस की कोई सुविधा जिसके चलते यह घटना घटित हुई है,अगर समय पर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध रहती तो शायद उक्त युवक की जान बच सकती थी, साथ ही उन्होंने आक्रोशित शब्दों में कहा है कि दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे आगे फिर इस तरह की घटना घटित ना हो, वही प्रत्येक दिन सैंडिस कंपाउंड मैदान परिसर में टहलने के लिए आने वाली एक युवती ने कहा अगर इस स्विमिंग पूल में प्रशिक्षक रहते तो शायद इतनी बड़ी घटना नहीं होती, यह स्मार्ट सिटी प्रबंधन और जिला प्रबंधन की सबसे बड़ी लापरवाही है। वही भागलपुर शहर के समाजसेवी बंटी यादव ने कहा ओलंपिक के तर्ज पर मैदान परिसर में स्विमिंग पूल को तैयार कराया गया है, जिसकी गहराई साडे 8 फीट है लेकिन छोटे-छोटे बच्चों और मस्ती करने के लिए आने वाले बच्चों के लिए साढ़े चार फीट से 6 फीट के हाइट की स्विमिंग पूल होनी चाहिए थी। अगर इस तरह इस पर अभी भी संज्ञान नहीं लिया गया तो शहर के लोग कैसे इस स्विमिंग पूल का आनंद ले पाएंगें, वहीं उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन और स्मार्ट सिटी प्रबंधन अगर इस पर विशेष पहल करें, तो शायद यह दुर्घटना पुनः घटित नहीं होगी।

गंगा नदी पर बन रहे निमार्णाधीन फोरलेन पुल हुआ धराशायी

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। सुल्तानगंज अवस्थित अगुवानी घाट स्थित गंगा नदी पर बन रहे निमार्णाधीन फोरलेन पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। इसकी जीती जागती हकीकत रविवार की सुबह देखने को मिली है। गौरतलब हो कि सुल्तानगंज के अगवानी पुल पहले भी तेज हवा के झोंके से धरा शाही हो तास के पत्ते की तरह बिखर कर धराशायी हो चुका था, निमार्णाधीन पुल का सुपर ढांचागत क्षेत्र सहित नदी में गिर गया यह पुल पूर्णरूपेण जमीन दोष है ऐसा ही स्थानीय लोग मान रहे हैं। निमार्णाधीन फूल का सुपर ढांचेदार स्ट्रक्चर नदी में गिरते ही आसपास के लोगों में तबाही मच गई, कई फिल्मों के 30 स्लेव यानी एक 100 फीट लंबा हिस्सा भरभरा कर ढह गया।

बता दे चले कि भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में बन रहा यह पुल खगड़िया और भागलपुर जिले को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा था। जिससे जिला पर भारी वाहनों का दबाब ना पड़े और दूरी की काफी कम समय में पार कर लोग अपने गंतव्य स्थान पर पहुंच सकें, लेकिन इस तरह से पुल चालू होने के पूर्व धराशायी होना गिरने से बड़ी आपदाओं से घटित होने का दृश्य दो बार लोगों को देखने को मिला है, पुल निर्माण में लगे कम्पनी और उसके कार्यरत मुलाजिम की लापरवाही का दृश्य देखने से अंदाजा लगाया जा सकता है। विपक्ष राजनीतिक दलों के लोग सरकार के भ्रष्टाचार की बात कहने से चुके नही है, उक्त पुल निर्माण की हकीकत का पता उच्च स्तरीय जांच से पता लगाया जा सकता है, जिस पुल निर्माण में उपयोग करने वाले सामानों की क्वलिटी कितनी कारगर सिद्ध हुआ था लेकिन अब तो लोगों को इस बात की आशंका शता रही हैं कि पुल पर आवागमन जारी रहने पर इतने बड़े हादसे के अगर बाढ़ के दिनों में घटना घटित होती तो कितने लोग की जान जाने की बजह बन सकती थी लेकिन निमार्णाधीन पुल गिरते ही लोगों के सोच को हकीकत का घटना घटित होने के पूर्व उक्त दृश्यों से अवगत करा दिया है।

भीषण ट्रेन हादसे में सुरक्षित बचे बिहार के 40 यात्रियों से भरी बस पहुंचा भागलपुर

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। ओडिशा के बालासोर के बहनागा रेलवे स्टेशन के पास भीषण ट्रेन हादसे में सुरक्षित बचे बिहार के 40 यात्रियों को स्थानीय प्रशासन द्वारा बालासोर से बस से पटना रवाना किया गया था। जहां पहुंचने के बाद पटना प्रशासन के द्वारा यात्रियों से भरी बस को भागलपुर के रास्ते अररिया की ओर रवाना किए गया। उक्त 40 यात्रियों से भरी बस के भागलपुर आगमन के बाद जिला प्रशासन के द्वारा जलपान कराकर पुनः उनके गंतव्य स्थान अररिया रवाना किया गया। इसी क्रम में जब यात्रियों से बात की गई, तो वह घटना से काफी डरे व सहमे हुए थे, किसी ने कहा मैं पढ़ाई करने जा रहा था तो किसी ने कहा मैं तीर्थ यात्रा में निकला था, सबो के चेहरों पर भय का माहौल साफ मंजर दिखाई दे रहा था। सभी लोग अपने घर जाने को आतुर दिख रहे थे। वहीं मामले को लेकर एसडीएम धनंजय कुमार ने बताया जिला प्रशासन के आदेश अनुसार इन लोगों को भागलपुर में रोकना था, और जलपान करना था, वही हम लोगों ने यहां जलपान कराने के साथ ही उन्हें सुरक्षित बस से अररिया के लिए रवाना किया गया है। ज्ञात हो कि उड़ीसा के बालासोर में बहनागा रेलवे स्टेशन के पास भीषण ट्रेन हादसे में करीब 3 सौ से अधिक लोगों की जान चली गई है तो सैकड़ों लोग घायल हैं, जिसका इलाज स्थानीय बहनागा अस्पताल में भर्ती हो चल रहा है। गौरतलब हो कि बालासोर के करीब 40 किलोमीटर आगे शुक्रवार की रात कोडरमा एक्सप्रेस ट्रेन की टक्कर एक मालगाड़ी से हो गई, टक्कर के बाद कोरोमंडल ट्रेन की स्लीपर बोगी के 10 से 12 डब्बे पटरी से उतर गए थे, फिर तीसरी ट्रेन ने भी उसमें जोरदार टक्कर मार दी, देखते ही देखते वहां का मंजर तबाही में बदल गया। हर तरफ चीख-पुकार की गूंज चित्कार मचने लगी थी, और हालात इतने गंभीर हो गए थे कि लोग अपने ही लोगों की लाशें उक्त दुर्घटना ग्रस्त बॉगी से खींचते हुए निकालते नजर आ रहे थे।

नव मनोनीत सदस्यों का सम्मान सह सदस्यता कार्यक्रम किया आयोजन

भागलपुर। राष्ट्रीय लोक जनता दल के कार्यकताओं द्वारा नव मनोनीत पदाधिकारियों का सम्मान सह सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भागलपुर इकाई के सुमन कुमार प्रश्न ने की। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के 50 नव मनोनीत सदस्यों को फूल माला देकर राष्ट्रीय लोक जनता दल में सदस्यता ग्रहण के साथ पार्टी के कर्तव्यों की सपत दिलायी। वही उपस्थित सदस्यों के साथ संगठन विस्तार को लेकर सदस्यता अभियान व आगामी जिला सम्मेलन को लेकर वार्ता की । वही कार्यक्रम के दौरान युवा लोक जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु पटेल ने बताया कि हम लोगों का लक्ष्य है हमारी पार्टी अपने बलबूते उभरकर लोगों के जन जन तक अपनी आवाज पहुंचाएं और उनकी परेशानियों को सुनेकर उनके बीच होने वाली परेशानियों से निजात दिलाएगी।

युवक की संदिग्ध अवस्था में बंद कमरे में मिला शव

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बरारी थाना क्षेत्र अंतर्गत एक युवक की रहस्यमई ढंग से मौत का मामला सामने आया है। मामले के तहत मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि बरारी थाना क्षेत्र के झऊआ कोठी स्थित सरकारी क्वार्टर में रह रहे सुशांत कुमार उर्फ मोनू का शव संदिग्ध अवस्था में बरामद किया है। मृतक के शरीर पर कोई भी कपड़ा नहीं था, वही कमरे का दरवाजा भी बाहर से बंद था, लेकिन पीछे के साइड दीवाल छोटा होने के कारण किसी की आने जाने की संभावना जताई जा रही है।

मृतक यूवक के पिता अमरेंद्र कुमार निराला सरकारी सेवक से रिटायर्ड हुए थे। जिसके बाद से उनका परिवार यही रहता था। वही घटना को लेकर मिली जानकारी के तहत मृतक युवक की मां का कहना है कि उनके बेटे की हत्या की गई है, फोन पर किसी ने जान से मारने की धमकी दी थी। वही मृतक युवक के बारे में कहा जा रहा है कि वह नशे का भी सेवन किया करता था, लेकिन शरीर पर कपड़े नहीं होने को लेकर मां सवाल खड़े कर रही है। वही परिजन का यह भी कहना है कि 10 दिन पहले किसी से तू तू मैं मैं भी हुई थी, क्योंकि मोनू के दीवाल में कुछ लोग गोइथा ठोकने का काम कर रहे थे। वहीं उन्होंने उक्त लोगों को गोइठा दीवार पर चिपकने से मना किया गया था, और काफी वर्क जग हुई थी जिसके चलते उसे जान से मारने की चेतावनी भी दी गई थी। शायद मोनू इस मामले को हल्के में ले लिया लेकिन सामने बैठे उसके दुश्मन ने उसे मौत के घाट उतार दिया कुछ लोगों का यह भी कहना हो रहा है कि मोनू नशे का सेवन करता था, शायद ओवरडोज होने से भी उसकी मौत हो सकती है लेकिन उसकी मां इस बात से साफ तौर पर इंकार कर रही है।

मजदूर को चाकू मार अपराधियों ने उतारा मौत के घाट

फोरलेन सड़क निर्माण कार्य में कार्यरत मजदूर की निर्मम हत्या के बाद लोगों के बीच चर्चा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार एक तरफ जहां सभी थानों के थानेदारों के साथ अपराध पर नकेल कसने के लिए कई बैठक करते दिखते हैं तो वहीं दूसरी ओर अपराधी को पुलिस का तनिक भी खौफ नहीं और अपराधी बेखौफ व निर्भिग हो अपनी वारदात को अंजाम देने से बाज नहीं आ रहे है। ताजा मामला कहलगांव थाना क्षेत्र इलाके में फोरलेन निर्माण कार्य में काम कर रहे मजदूर को अपराधियों ने चाकू से मारकर बुरी तरह घायल कर दिये जाने का मामला सामने आया है। वही उक्त घटना के बाद मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि कहलगांव थाना क्षेत्र अन्तर्गत इलाके में फोरलेन निर्माण कार्य चल रहे जहां आए दिन कार्य में बाधा उत्पन्न करने को लेकर अपराधी रंगदारी की मांग करते आए दिन सामने आते रहा हैं।

वही अपराधियों ने अपने मंसूबों को पूरा न करने पर उक्त स्थल पर काम कर रहे मजदूर गुलशन कुमार की देर रात चाकू मार कर हत्या कर दी। अहली सुबह घटना की सूचना परिजनों को जब मिली तो पूरे इलाके में कोलाहल का माहौल बन गया। वही जब परिजनों की भीड़ जब घटनास्थल की ओर बढ़ रही थी, तभी बीच रास्ते में ही कुछ मजदूरों के द्वारा मृतक के शव को लेयाजा दिखाई देते ही वही परिजनों को देखकर अन्य मजदूर बीच रास्ते में शव छोड़कर मौके से फरार हो लिया। मृतक मजदूर के परिजनों का कहना है कि मृतक गुलशन फोरलेन सड़क निर्माण कार्य में मजदूरी वीरेंद्र नामक व्यक्ति के साथ मिलकर काम कर रहा था। परिजनों का कहना है कि घटना किस प्रकार हुई है इसकी जानकारी वीरेंद्र को होगी, लेकिन वही परिजन मजदूर गुलशन से किसी भी तरह की दुश्मनी से इंकार कर रहे हैं। मृतक मजदूर का शव देखने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसके गुप्तांग में अपराधियों ने कई बार धारदार हथियार से वार किया है, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। वही घटना के बाद से ही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वहीं घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच मामले की जांच में जुट गई है। ज्ञात हो कि फोरलेन सड़क निर्माण कार्य करने वाले लोगों में यह तीसरी व चौथी मौत की घटना सामने आई है।

चाचा भतीजा हताकांड मामले में दस साल बाद आया फैसला, 35 को उम्रकैद

पूर्णिया/ केनगर । कृत्यानंद नगर थाना क्षेत्र के बेगमपुर गांव जमीन विवाद में चाचा - भतीजे की हुई हत्या मामले में करीब 10 वर्ष बाद पंचम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन के न्यायालय द्वारा नामजद 35 दोषियों को उम्रकैद की सजा मिलने के उपरांत बेगमपुर गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।सजायाफ्ताओं के घर परिवार में मायूसी का माहौल है। गांव के लोग भी किसी से कोई बात खुलकर नहीं कर पा रहे हैं। दरअसल 30 जनवरी 2013 को बेगमपुर गांव में हुए जमीन विवाद में चाचा मो जमीरुद्दीन एवं भतीजे मसदर आलम की पीट-पीट कर हत्या दी गयी थी। मृतक की पहचान मो जमीरूउद्दीन और अजहर आलम के रूप में की गई थी। घटना के बाद मृतक के परिजन ने केनगर थाना में दर्ज कांड संख्या 39 /2013 के तहत भादवि की धारा 120 (बी), 147, 148 , 149, 323 , 427, 341, 342, 307, 326, 302 में गांव के ही 40 लोगों को नामजद हत्या आरोपित बनाया था।

अवैध कब्जा जमीन को प्रशासन द्वारा कराया गया खाली

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। अकबरनगर थाना क्षेत्र के अकबरनगर पूर्वी टोला के समीप जबरदस्ती दिवाकर कुमार के दखल किए जमीन को प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच खाली कराया, हालांकि यह मामला 2018 से लंबित चल रहा था। मामले को लेकर बताया जा रहा है कि भूमि सुधार उप समाहर्ता सदर भागलपुर द्वारा आवेदक दिवाकर कुमार, पिता सियाराम मंडल के पक्ष में विगत 25 जुलाई 2018 को आदेश पारित किया गया था। जिसमें नापी व सीमांकन कराया गया था। जिसके बाद विगत 27 नवंबर 2018 को बीएलडीआर एक्ट में सभी कार्यवाही को स्थगन रखने का आदेश दिया गया था। इसके उपरांत विगत 15 अक्टूबर 2021 को पूर्व निर्गत बीएलडीआर एक्ट के सभी कार्यवाही को स्थगित रखने का आदेश वापस ले लिया गया था। जिसमें पूर्व के मामले में पारित आदेशों के कार्यवयन का आदेश दिया गया। इसके बाद आवेदक दिवाकर कुमार ने विगत 27 अक्टूबर 2021 को भूमि सुधार उप समाहर्ता भागलपुर को आवेदन देकर जमीन दखल दिलाने संबंधित आवेदन दिया। जिसमें अंचल कार्यालय सुल्तानगंज द्वारा 4 फरवरी 2022 को इसके संबंधित विपक्षी बलराम प्रसाद सिंह को भूमि खाली करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके उपरांत अंचल कार्यालय सुल्तानगंज द्वारा 21 मार्च 2023 को इस केस संबंधित विपक्षी बलराम प्रसाद सिंह को 3 दिन के अंदर भूमि खाली करने को निर्देशित किया गया। लेकिन विपक्षी द्वारा जमीन खाली नहीं कराया गया था। इसके उपरांत शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अंचलाधिकारी अमित राज ने जमीन को खाली कराया। इस संबंध में प्रभारी अंचलाधिकारी अमित राज ने बताया कि 2018 से मामले की सुनवाई हो रही थी। जिसमें दिवाकर कुमार को बीएलडीआर एक्ट से जमीन दखल कराने का आदेश पारित हुआ था। इसके बाद अंचल द्वारा 21 मार्च 23 को जमीन खाली कराने संबंधित विपक्षी बलराम मंडल को आदेश दिया गया। जिसके बाद एक-एक कर तीन नोटिस भेजा गया। लेकिन बलराम प्रसाद सिंह द्वारा जमीन खाली नहीं किया गया। इसको लेकर शनिवार को स्थानीय थाना पुलिस एवं अतिरिक्त पुलिस बलों की मौजूदगी में जमीन को खाली कराया गया।

भतीजे ने अपने सगे चाची से हनुमान मंदिर में रचाई शादी

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। कहते हैं कि इश्क पर किसी का जोर नहीं चलता और प्यार अंधा होता है, इसमें ना तो उम्र कि सीमा देखी जाती है और ना ही रिश्ते मायने रखते है। एक ऐसी ही रिश्ते को तार-तार और शर्मसार करने वाली घटना सुल्तानगंज इलाका स्थित एक गांव से सामने आया है, जहां एक महिला ने अपने जेठानी के बेटे यानी अपने ही सगे भतीजे से शादी रचा ली है। दरअसल सुलतानगंज थाना क्षेत्र के मिरहट्टी पंचायत के विरवन्ना गांव के नंदेश्वरी मांझी की शादी 2017 ईस्वी में पूरे हिंदू रीति रिवाज से मुंगेर जिले के वर्धा निवासी मीनाक्षी के साथ हुई थी, शादी के 4 वर्षों तक पति-पत्नी के बीच काफी अच्छा रिश्ता रहा लेकिन विगत 2021 के बाद से इन दोनों के वैवाहिक जीवन में मनीष आ टपका और धीरे-धीरे मीनाक्षी अपने ही पति के बड़े भाई के बेटे के प्रति आकर्षित होने लगी।

दोनों के प्यार का परवान चढ़ना इनके घर वालों को पता चला और लगातार घर वालों ने दोनों लोगों को रिश्ते की दुहाई देकर समझाने की कोशिश भी की, लेकिन जब सर पर इश्क का भूत सवार हो तो रिश्ते मायने नहीं रखते, इश्क और वासना के खेल में कई बार परिजनों ने मनीष व मीनाक्षी को आपत्तिजनक की स्थिति में पकड़ा था, दोनों पर परिजनों के बातों का असर ना होता देख पति नंदेश्वरी मांझी अपने परिजनों के साथ सुल्तानगंज थाने पहुंचा और महिला डेस्क से मदद की गुहार लगाई थी, महिला डेस्क के द्वारा दोनों प्रेमी जोड़े को थाना बुलाकर समझाने बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन जब दोनों शादी करने के लिए अरे रहे, तो उसके बाद मीनाक्षी के पति महेश्वरी मांझी ने बड़ा दिल दिखाते हुए सुल्तानगंज के हनुमान मंदिर में दोनों की शादी देर रात करवा दी।

पर्यावरण की सुरक्षा वृक्ष लगाने से ही संभव है: गुंजन पांडे

प्रात : किरण ब्यूरो

मुंगेर। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वावधान में पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसकी अध्यक्षता प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्रभारी अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार के गुंजन पांडे ने किया। संचालन सचिव राजीव नयन ने किया। इस अवसर पर एडीआर भवन के परिसर में वृक्ष लगाया गया। प्रभारी जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्रभारी अध्यक्ष श्री पांडे ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा वृक्ष के लगाने से ही संभव होगा। उन्होंने जिले के सभी लोगों से वृक्ष लगाने की भी अपील किये। जिससे कि पर्यावरण सुरक्षित एवं सुंदर बना रहेगा। इस मौके पर विशेष न्यायाधीश उत्पाद अधिनियम प्रथम श्रेणी उदय प्रताप सिंह विशेष न्यायाधीश उत्पाद अधिनियम द्वितीय श्रेणी श्रीमती अनुपम कुमारी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ प्रवाल दत्ता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय श्रीमती रूपा कुमारी अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश षष्ठ सह एक्सक्लूसिव विशेष न्यायालय पास्को ं प्रदीप कुमार चौधरी अवर न्यायाधीश प्रथम श्रेणी श्रीमती खुशबू श्रीवास्तव एवं अन्य न्यायिक पदाधिकारी पैनल अधिवक्ता गण जिला विधिक सेवा प्राधिकार मुंगेर के कर्मचारी गण भी मौजूद थे।

पूर्व एमएलसी के निधन से क्षेत्र भर में शोक की लहर

तारापुर (मुंगेर 5 जून)। विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पड़ने वाले गैनैली पंचायत के हरपुर गांव निवासी एवं राजद के पूर्व एमएलसी रहे 75 वर्षीय फुलेश्वर मंडल के आकस्मिक निधन की खबर सुनते ही हरपुर सहित आसपास गांवों में के ग्रामीणों पंचायत प्रतिनिधियों समाजसेवियों के बीच शोक की लहर दौड़ पड़ी । गौरतलब है कि फिलहाल पूर्व एमएलसी रांची स्थित अपने बड़े पुत्र संजय कुमार के साथ रह रहे थे । पिछले कई महीनों से पूर्व एमएलसी अस्वस्थ थे। जिनका समय-समय पर रांची में ही डॉक्टर की देखरेख में इलाज चल रहा था । चार जून की रात अचानक तबीयत बेहद बिगड़ने के बाद उनकी मौत हो गई । पूर्व एमएलसी का पार्थिव शरीर रांची सड़क मार्ग से इनका पैतृक गांव हरपुर लाया जा रहा है। जहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों समाजसेवियों शिक्षाविद इत्यादि लोगों द्वारा उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि कर पूर्व एमएलसी के प्रति श्रद्धा निवेदित किया गया ।

लोजपा (रा) के डेकोमेंट्री विजन बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट से ही बिहार का विकास संभव : राजू तिवारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर सदर । लोजपा रामविलास के संगठनात्मक समीक्षा को लेकर मुंगेर के साई रिसेप्शन हॉल में बैठक हुई ।इस की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष विनय कुमार गुड्डू ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में लोजपा(रा) के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक राजू तिवारी एवं लोजपा (रा) संगठन प्रमुख इंजीनियर सुरेंद्र विवेक उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला प्रभारी प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक सिंह एवं सहायक प्रभारी प्रदेश महासचिव संजय कुमार मंडल मौजूद थे '

लोजपा (रा)के सभी कार्यकताओं ने अपने प्रदेश अध्यक्ष को माला पहनाकर स्वागत किया ' प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक राजू तिवारी ने कहा कि पार्टी हित में संगठन की मजबूती को लेकर संगठनात्मक रूपरेखा को समीक्षा बैठक के माध्यम से सुनिश्चित किया गया है ' समीक्षा से पार्टी में मजबूती आती है ' जबकि पार्टी का कार्यकर्ता ही रीढ़ होती है ' जिला स्तरीय कमेटी एवं प्रखंड स्तरीय कमेटी के साथ-साथ पंचायतों एवं बूथों तक जाकर संगठन को मजबूती प्रदान करना है। पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के संगठन की संरचना को विस्तार करने की जरूरत है ' उन्होंने कहा कि बिहार में सत्ता परिवर्तन की लहर है ' वर्तमान बिहार सरकार के मुखिया नीतीश कुमार बिहार को जाति के नाम पर और भाई भाई के नाम पर बांटने का काम कर रहे हैं ' अपराध का ग्राफ बढ़ते ही जा रहा है ' शिक्षा व्यवस्था चौपट हो गई है ,बिजली में भारी हेराफेरी कर उपभोक्ताओं से अधिक राशि लिया जा रहा है ' इसके लिए लोजपा (रा) आंदोलन करेगी!

बिहार का चौमुखी विकास तभी संभव है जब तक लोजपा (रा)के डॉक्यूमेंट्री विजन बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट को आधार नहीं बनाएगी ' लोजपा (रा) ने ओडीशा के बालासोर के ट्रेन हादसा परिवारों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त किया!

समीक्षा बैठक के कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष प्रणव कुमार उर्फ सीटू मोदी, पूर्व प्रत्याशी चंदन सिंह, प्रदेश महासचिव प्रमोद पासवान, जिला परिषद सदस्य संजय कुमार सिंह, युवा अध्यक्ष रंजीत पासवान, एससी/ एसटी प्रकोष्ठ अध्यक्ष अभय रजक, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष मोहम्मद आमिर खान ,महिला अध्यक्ष निशी शर्मा ,आईटी सेल अध्यक्ष रोहित सिंह, ,नवल किशोर पासवान ,पवन मंडल ,मेघा श्री , मोहम्मद इरशाद हुसैन उर्फ नीलू, प्रखंड अध्यक्ष जयराम मंडल ,जीवन सिंह, विभाकर सिंह ,ज्योतिष पासवान ,संजय ठाकुर ,, देवव्रत पासवान ,गायत्री देवी, पंकज पासवान ,आयुष कुशवाहा, मनोहर दास ,रविंद्र पासवान ,, , अवधेश पासवान ,आदि सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे ।

संक्षिप्त खबरें

अस्पताल परिसर मे पौधारोपण किया : संतोष कुमार

गया।पर्यावरण दिवस के अवसर पर हमारे द्वारा 7 साल पहले आज ही के दिन बरगद का वृक्ष लगाया गया था उसका सातवां जन्मदिन आज था या फिरप्रभावती अस्पताल के अंदर लगाया गया था इस बरगद के वृक्ष पेड़ का जन्मदिन आज हम सभी लोगों ने मिलकर धूमधाम से पेड़ को सजाकर केक काटकर और मिठाई बांटकर धूमधाम से इस बरगद के वृक्ष का जन्मदिन मनाया गया यह कार्यक्रम संतोष कुमार छोटे के द्वारा जो पेड़ इन्होंने ही 7 वर्ष पहले लगाया था और साथ में आशुतोष कुमार बड़े सुमित सिंघानिया दीपक शुभम आशीष रिशु और हॉस्पिटल के बहुत सारे कर्मचारियों ने धूमधाम से बरगद के वृक्ष का जन्मदिन मनाया गया पर्यावरण दिवस के अवसर पर यह संदेश देने का प्रयास किया कि जैसे अपने बच्चे का जन्मदिन मनाते हैं वैसे ही पेड़ का भी जन्मदिन मनाएं क्योंकि पेड़ हमें पर्यावरण स्वस्थ रखने में और ऑक्सीजन देने में सहयोग करते हैं इसलिए आप सभी अपने नाम पर पूर्वजों के नाम पर अपने बच्चे के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाएं लगाने के बाद जब तक वह पेड़ छायादार फलदार नहीं हो जाए तब तक उस पेड़ का सेवा करते रहे हैं।

मनुष्य अपना सांस बचाने के लिए पर्यावरण को संतुलित करें : विनय कुशवाहा

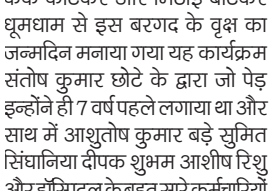

गया। अंतर्राष्ट्रीय विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश सचिव विनय कुशवाहा ने नीम और आम का पौधा लगाकर पर्यावरण को संतुलित करने का संदेश दिया। विनय कुशवाहा ने बताया कि मानव अपना जीवन बचाने के लिए कम से कम एक पौधा लगाकर उसे पानी डालकर जीवित रखे तभी मनुष्य का कल्याण हो सकेगा।इस तरह से पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी हो रही है पेड़ों की कटाई अंधाधुन हो रहा है लेकिन आम जनता पौधा लगाने के प्रति उदासीन है ऐसी परिस्थिति में अनेकों बीमारियां घर कर रही है इसलिए प्रत्येक मानव का कर्तव्य है एक पौधा अपने जीवन बचाने के लिए अवश्य लगाएं। इस मौके पर राजद के युवा नेता जयप्रकाश शर्मा, विश्वनाथ कुमार, अनिल कुमार, विजय यादव, सत्येंद्र मां जी, गौरव शर्मा, गौतम शर्मा उपस्थित थे।

शिक्षा पदाधिकारी ने अपने कैम्पस में किए पौधारोपण

गया।सोमवार विश्व पर्यावरण दिवस (5.6.2023) के अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय गया के प्रांगण में,शाम 5:00 बजे पौधा रोपण कार्यक्रम , जिला शिक्षा पदाधिकारी , राजदेव राम के करकमलो से किया गया है।

अग्निवीर के माध्यम से युवा अपने कैरियर को दिशा प्रदान करेंगे

आरा।बिहार सरकार के सात निश्चय के अंतर्गत स्थापित कुशल युवा कार्यक्रम मालती तकनीकी एवं सामाजिक कल्याण संस्थान द्वारा संचालित डॉक्टर पी सी महादेवा रोड आरा में वायु सेना स्टेशन बिहटा के भर्ती अधिकारी बी एम सेवदा, मनोज बंजारा, एम एल प्रजापति ने भोजपुर के डॉक्टर पी सी के सचिव सह साइबर विशेषज्ञ सत्य प्रकाश एवं एमडी मालती गुप्ता से मुलाकात की उन्होंने वायु सेना में अग्निवीर की भर्ती से संबंधित जानकारी प्रदान की।चयन अधिकारी बीएम सेवदा ने कहा कि अग्निवीर के माध्यम से युवा अपने कैरियर को दिशा प्रदान करेंगे प्लस टू पास (आर्ट्स ,कमर्स ,साइंस) या समकक्ष परीक्षा में 50% अंक के साथ उत्तरीण 17 वर्ष से 21 वर्ष के युवक युवतियां इस पद के लिए आवेदन कर सकते हैं भारतीय अधिकारी ने कहा कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रतिक्रिया जल्द ही जारी होगा पुरुष प्रतिभागी का ऊंचाई 152.5 सेंटीमीटर एवं महिला प्रतिभागी का ऊंचाई 152 सेंटीमीटर होनी चाहिए । अग्निवीर वायु में भर्ती के लिए दसवीं और ग्यारहवीं के सामान्य विषयों पर ध्यान देकर पढ़ाई करने की जरूरत है एनसीसी सर्टिफिकेट होल्डर के लिए 5 अंक एक्स्ट्रा मिलेगा। अग्निवीर भर्ती के साथ 4 सालों में अलग-अलग राज्यों में पोस्टिंग होगी एवं एक्सपीरियंस प्राप्त कर सकेंगे। भर्ती अधिकारी एम एल प्रजापति ने छात्रों के बीच प्रश्न पूछ कर उन्हें पुरस्कृत किया ।

हज यात्रियों का पहला जत्था सात जून को होगा रवाना : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। सोमवार कोआगामी 07 जून के सुबह से प्रारंभ होने वाले हज यात्रा 2023 का सफल आयोजन के उद्देश्य से आज गया अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा के बाहरी परिसर में जिला पदाधिकारी, गया डॉ० त्यागराजन एसएम एवं वरीय पुलिस अधीक्षक संयुक्त अध्यक्षता में पदाधिकारियों एवं रजाकारों के साथ ब्रीफिंग किया गया है।

जिलाधिकारी ने बताया गया कि हज यात्रा शुरूआत दिनांक 07 जून से 22 जून, 2023 तक चलेगी, जिसमे गया अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा से जिले के लगभग 3456 आजमीने हज जेद्दाह के लिए रवाना होंगे। प्रति फ्लाइट में लगभग 144 लोग रवाना होंगे। हज यात्री एक दिन पहले ही पटना हज भवन से रात्रि में गया के लिए रवाना होंगे और रात्रि में ही बोधगया हवाई अड्डा पर बनाए गए टेंट पंडाल में आराम करेंने के बाद अगले सुबह ही उनकी फ्लाइट रहेगी। पासपोर्ट से लेकर अन्य सभी कागजातों का जांच उपरांत पटना हज भवन में किया जाएगा। 12 जून तक हीटवेव का पूवार्नुमान है इसे ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग पेजल का पूरा बेहतर व्यवस्था रखें। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से भी एक वाटर कूलर दिया जा रहा है उसे भी पूरी अच्छी तरीके से सदुपयोग करें। इन सबो के अलावा रजाकार के द्वारा प्रतिदिन 50 आरो फिल्टर कोल्ड वाटर हज यात्रियों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। अतिरिक्त एवं पर्याप्त संख्या में वाटर कूलर लगवाने का भी निर्देश दिए हैं। जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता पीएचडी को निर्देश दिया कि पानी टैंकर को छांव में रखें जिससे पानी जल्दी गर्म ना हो।नगर परिषद बोधगया के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिए कि पर्याप्त संख्या में डस्टबिन रखें तथा डस्टबिन एवं परिसर का पूरी तरीके से पालीवाल सफाई कर्मी की प्रतिनियुक्ति करते हुए सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखें सफाई व्यवस्था में कहीं कोई कमी ना हो यह सुनिश्चित करें। जिस स्थान पर खाना खाने एवं पानी पीने का स्थान निर्धारित है उस स्थान पर बड़े आकार के पर्याप्त संख्या में डस्टबिन रखें वाहन के पढ़ाओ वाले पार्किंग स्थल पर अतिरिक्त रोशनी की व्यवस्था करें ताकि रात्रि में किसी प्रकार की कोई कठिनाई ना हो।

जिला अग्निशमन पदाधिकारी को निर्देश दिए कि अग्निशमन विभाग के पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति करते हुए आग लगने जैसी घटना पर पूरी नजर बनाए रखें। कहीं भी आपात स्थिति में तुरंत रिस्पॉन्ड करें। मे आई हेल्प यू काउंटर पर कार्य करने वाले वॉलिंटियर को निर्देश दिए कि हज यात्रा में आने वाले श्रद्धालु ज्यादातर बुजुर्ग प्रवृत्ति के होते हैं तथा वह पहली बार हवाई जहाज का सफर करते हैं इसे ध्यान में रखते हुए उनकी पूरी मदद करें। सभी पदाधिकारियों एवं वॉलिंटियर को कहा कि लोगों की सहायता करें अच्छा व्यवहार रखें पूरी सेवा भाव से सहायता करें।

जिलाधिकारी ने हज यात्रा की तैयारी को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई है। एयरपोर्ट पर हज यात्रियों के सुविधा हेतु आवासन, शुद्ध शीतल पेयजल, शौचालय, स्नानागार, कूलर की व्यवस्था, पर्याप्त रौशनी साथ ही साथ वजूखाना, नमाजगाह, इत्यादि की मुकम्मल इंतजाम किए गए हैं। सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया की अपने अपने दायित्वों का निर्वहन सही ढंग से करेंगे। इसके साथ ही इस वर्ष और बेहतर व्यवस्था करने की हर संभव प्रयास करेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया की हज यात्रा के दौरान हज यात्रियों की सुविधा हेतु एयरपोर्ट पर अस्थाई नियंत्रण कक्ष, स्वास्थ्य जांच शिविर, पुलिस थाना, मै आई हेल्प यू काउंटर, पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी का संस्थापन इत्यादि करना सुनिश्चित करेंगे। पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम का मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम के माध्यम से करें और पर्याप्त संख्या में स्पीकर लगाएं ताकि लोगों को आसानी से सूचनाएं मिल सके। जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया की तीन पालियों को चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ की प्रतिनियुक्ति सभी जीवनरक्षक दवाइयों एवं एंबुलेंस के साथ एयरपोर्ट पर करना सुनिश्चित करेंगे। वरीय पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि हज यात्रा के दौरान विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था का संधारण करना सुनिश्चित करेंगे। इसके साथ ही जिला नजारत उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि नियंत्रण कक्ष में हंटिंग लाइन सिस्टम का संस्थापन आज ही करना सुनिश्चित करेंगे। पूरे राज्य भर के हज यात्री हज के लिए गया जिला आते हैं यह गर्व की बात है कि गया जिला से ही हज की यात्रा के लिए रवाना होते हैं। उनकी सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं होगी। पूरी व्यवस्थाएं को दुरुस्त एवं अलर्ट मोड में रखा गया है। समय पर सभी पदाधिकारी अपने प्रतिनियुक्ति स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना सुनिश्चित करेंगे।

इसके उपरांत जिलाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों द्वारा एयरपोर्ट के बाहरी परिसर में निर्माण किये जा रहे विविन्न काउंटर का निरीक्षण किया गया है। संबंधित पदाधिकारियों को आज ही कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त, निदेशक एयरपोर्ट, सिविल सर्जन, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, डीसीएलआर नीमचक बथानी, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, जिला योजना पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्तागण, एयरपोर्ट के पदाधिकारीगण सहित हज कमिटी के सदस्य एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा गया जिला भवन निर्माण का किया उद्घाटन :सांसद

प्रात : किरण संवाददाता

गया ।सोमवार को मुख्यमंत्री नितीश कुमार के कर कमलों द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बिहार राज्य भवन निर्माण निगम लिङ्क के पुरे बिहार में क्रियान्वित योजनाओं का उद्घाटन और शिलन्यास किया गया है जिसमे गया जिला के विभिन्न योजनाओं का भी उद्घाटन एवं शिल्यान्स किया गया है। 1. 720 आसान वाले राजकीय अम्बेदकर आवासीय उच्च विद्यालय, मटिहानी, गया 2. 720 आसान वाले राजकीय अम्बेदकर आवासीय उच्च विद्यालय मनफर (बाराचट्टी) गया 3. 300 मीटर ट्रैक युक्त स्टेडियम, गुरारू (गया) 4. प्रथम वर्गीय पशु चिकित्सालय, शादीपुर मानपुर (गया) इस उद्घाटन एवं शिलन्यास कार्यक्रम में विडिओ कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए सांसद विजय कुमार मांझी जी भी थे।

छात्रों को नामांकन प्रपत्र भरने में समस्याओं का समाधान कर रहें है अभाविप कार्यकर्ता

गया।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् गया कॉलेज अध्यक्ष विनायक कुमार सिंह ने बताया कि नामांकन प्रपत्र भरने में छात्र-छात्राओ को काफी समस्याओ का सामना करना पड रहा हैं। छात्र-छात्राओ को समझ नही आ रहा कि वो कौन सा विषय में नामांकन लें, उन्हे विषय चयन करने में काफी समस्या आ रही है। गया कॉलेज गया में चल रहे सीबीसीएस के अन्तर्गत प्रथम सेमेस्टर में नामांकन हेतु छात्र छात्राएं को नामांकन फार्म में हो रही दिक्कत को दूर करने हेतु अखिल भारतीय विधार्थी परिषद् गया कॉलेज इकाई के द्वारा पांच दिनों से सहायता काउंटर लगाया जा रहा है जिसमे छात्र-छात्राओ को विषय चयन करने में सहयोग किया जा रहा है साथ ही फार्म भरने में कोई और समस्या ना हो उसमे भी सहयोग किया जा रहा है। मौके पर उपस्थित आर्यन कुमार, सिमरन कुमार, आशुतोष राणा, संकेत कुमार दीक्षा कुमारी अन्य मौजूद थे।

स्मृति वन में अपने पितरों की याद में नेम प्लेट के साथ लगा सकेंगे पौधे

प्रात : किरण संवाददाता

गया।आप भी अपने प्रियजनों एवं पूर्वजों की याद में पौधे लगा सकते हैं। खास बात यह है कि पौधे के साथ आपके पूर्वज का शिलापट भी लगेगा। चाहे आप कहीं भी रहे प्रत्येक दिन पौधे की देखभाल भी होगी।गया वन प्रमंडल ने ब्रह्मयोनि पहाड़ी की तलहटी पर स्थित ब्रह्म वन परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सोमवार को 4 एकड़ में स्मृति वन वाटिका का शुभारंभ किया। वन वाटिका में ढाई से तीन हजार पौधे लगाए जा सकते हैं। सूर्य की लालिमा के बीच सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चारण एवं सूक्त पाठ के साथ अपने पूर्वजों के नाम से पीपल का पेड़ लगाया। इसके साथ ही वन प्रमंडल पदाधिकारी राजीव रंजन, गया अंचल के वन संरक्षक एस सुधाकर, राज्य वन प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक डीके दास, प्रोजेक्ट ऑफिसर उज्जवल प्रधान फॉरेस्ट प्लस 2.0 के प्रतिनिधि मनोज पटनायक, श्री विष्णुपद प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य मणिलाल बारिक,भिक्षु संघ के प्रतिनिधि एवं गया जिला ट्रेंड लाइब्रेरियन वेलफेयर फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष अश्वनी कुमार सहित प्रशिक्षु वनरक्षियों ने सामूहिक रूप से अपने पूर्वजों के नाम पीपल, नीम, आमलताश, शीशम, बरगद, आंवला सहित कई अन्य जातियों के लगभग सैकड़ों पौधे लगाएं और जल से सिंचित किया। इस संबंध में विशेष जानकारी देते हुए गया अंचल के वन प्रमंडल अधिकारी राजीव रंजन ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्रह्म वन में स्मृति योजना की शुरूआत की गई है। योजना में अपने पूर्वजों के नाम से एक पौधे लगाकर उन्हें याद किया जा सकता है। गया जी मोक्ष स्थली है,जहां पर पितृपक्ष मेले में देश और विदेश से लोग पिंडदान करने आते हैं ऐसे में वे अपनों की याद में पौधा लगा सकते हैं।उनका यहां से भावनात्मक रूप से जुड़ना स्वाभाविक है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया गया पौधारोपण

आरा। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया भोजपुर यूनिट के बैनर तले मझौवा ठाकुरबाड़ी परिसर में विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण किया गया। इस पर्यावरण दिवस का विषय है " ल्अक फॉर हेल्थी नेचर" मौके पर अध्यक्ष डॉ एस० के० रूंगटा ने कहा कि 500 करोड़ पौधे लगाने की आवश्यकता है इस अनुसार एक आदमी को 40 पेड़ लगाने होंगे। तभी पर्यावरण दुरुस्त रहेगा। पौधे से हमें ऑक्सीजन मिलता है। चेयरमैन डॉ अर्चना सिंह ने कहा कि वृक्ष है तो प्रकृति है प्रकृति है तो हम है। पर्यावरण को अगर ठीक-ठाक रखना है तो सभी को पौधे लगाना पडेगा। पौधे हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी हैं। मौके पर 51 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर अनिल कुमार राष्ट्रीय सदस्य बिहार शाखा (एढउ) सदस्य अजय कृष्ण अग्रवाल पूर्व सचिव दिनेश कुमार, डॉ दिनेश प्रसाद सिन्हा, सचिव विष्णु शंकर ,सरदार गुरुचरण सिंह, कोषाध्यक्ष अभिषेक आनंद, आलोक अतुल्य के साथ अन्य सदस्य मौजूद थे।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री भोजपुर जिला के विकास तीर्थ कार्यक्रम मे हुए शामिल

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सह बिहार प्रभारी विनोद तावड़े महाजनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विकास तीर्थ कार्यक्रम मे भोजपुर जिला के विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम मे शामिल हुए। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व मे भाजपा भोजपुर के नेताओं और कार्यकताओं ने जिला के प्रवेश द्वार कोईलवर मे भव्य स्वागत अपने राष्ट्रीय महामंत्री का किया। बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह,वरिष्ठ नेता सूर्यभान सिंह,पूर्व सांसद मीना सिंह, अपने समर्थकों के साथ कोईलवर मे तावड़े जी के स्वागत के लिए डटे हुए थे।इसके अलावा जिले भर के कार्यकर्ता सुबह से ही अपने नेता के स्वागत मे पलक बिछाए हुए थे। आरा विधायक अमरेन्द्र प्रताप सिंह,विधानपार्षद जीवन कुमार,प्रदेश प्रवक्ता संजय सिंह टाईगर, पूर्व विधायक मुनी देवी,शिवेश राम,पूर्व प्रत्याशी कौशल विद्यार्थी आदि नेताओं ने स्वागत किया। राष्ट्रीय महामंत्री सह प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े केन्द्र सरकार और स्थानीय सांसद के नौ वर्षो के विकास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विकास तीर्थ के दौरान कोईलवर सोन नद पर छह लेन पुल,आरा-बक्सर फोर लेन सड़क,पूर्वी रेलवे ऊपरी पुल,माननीय स्थानीय सांसद आर के सिंह के प्रयास से बन रहे मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पावर ग्रिड स्थित विद्धुत विस्तारिकरण, रमना मैदान सौंदर्यीकरण और आरा-मोहनिया फोर लेन सड़क का अवलोकन किया और भोजपुर की जनता को जिले मे हुए विकास का संदेश दिया। कोईलवर मे बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व मे एक जन संवाद कार्यक्रम भी हुआ, जिसमे तावड़े जी ने केन्द्र सरकार के नौ वर्षो का विकास का लेखा-जोखा कार्यकताओं और जनता के साथ शेयर किया।

विकास तीर्थ दर्शन के उपरांत राष्ट्रीय महामंत्री सह प्रदेश प्रभारी ने समाज के विभिन्न प्रबुद्धजनों से सम्पर्क और संवाद कार्यक्रम के दौरान डॉ विरेन्द्र राणा, प्रोफेसर कन्हैया बहादुर सिंह,व्यवसायी कृष्णमुरारी अग्रवाल ,आदित्य विजय जैन ,राम कुमार सिंह के आवास पर जाकर संवाद किए और सरकार के विकास की चर्चा किया। ब्यवसायियो ने केन्द्र सरकार एवं स्थानीय सांसद के विकास की तारीफ करते हुए कहा कि ब्यवसायी वर्ग सहित समाज के सभी वर्ग आज मोदी जी और भाजपा के साथ है और पुनः 2024 मे नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बनाने मे हमलोग का पूर्ण सहयोग रहेगा। बिहार प्रदेश प्रभारी तावड़े जी ने समाज के सभी वर्गो को संतुष्ट दिया कि आप लोगो के साथ,आपलोगो के विश्वास और आपलोगो के प्रयास से ही सभी जगह विकास हो रहा है।आज विश्व मे देश का मान-सम्मान बढा है।

राष्ट्रीय महामंत्री ने कार्यकताओं के साथ आरा परिसदन मे बैठक किया।

सम्पूर्ण कार्यक्रम के दौरान महाजनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के जिला संयोजक ई.धीरेन्द्र सिंह,सह संयोजक अखिलानंद ओझा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय सिंह,सीडी शर्मा,उपाध्यक्ष कौशल यादव,उदय प्रताप सिंह,मीरा यादव,वंदना राजवंशी,सतीश भट्ट,महामंत्री राकेश सिंह,नरेन्द्र तिवारी, पुनम कुशवाहा, मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह,मंत्री विनय बेलाउर,संतोष चंद्रवंशी,मधु मिश्रा, प्रवक्ता राजेश सिंह,नवीन प्रकाश,संतोष तिवारी,संतोष सिंह, अजीत गुप्ता, निलेश जैन,युवा मोर्चा अध्यक्ष बिभु जैन,किसान मोर्चा अध्यक्ष विद्यासागर पांडेय,अति पिछडा. मोर्चा अध्यक्ष रितुराज,महिला मोर्चा अध्यक्ष ममता सिंह,अनु.जाति मोर्चा अध्यक्ष विजय पासवान आदि पदाधिकारियों का योगदान रहा।

विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करना है: कुमार गौरव

प्रात : किरण संवाददाता

गया। अपने पूरे परिवार को हमेशा पर्यावरण के प्रति जागरुक रखने वाले उद्योगपति अशोक कुमार लाल ने अपने पूरे परिवार को इस प्रकार इसके लिए प्रेरित किया है कि इनका पूरा परिवार किसी भी आयोजन पर दर्जनों पेड़ लगाकर अपने उत्सव को मनाते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गया एयरपोर्ट के समीप अशोक कुमार ने अपने पुत्र सह युवा जदयू नेता कुमार गौरव उर्फ गौरव सिन्हा के साथ मिलकर दर्जनों पौधारोपण किया। इस मौके पर अशोक कुमार लाल ने कहा कि हमारा बचपन हमेशा से प्राकृति की गोद में गुजरा है, इसलिए मैं हमेशा अपने परिवार के अलावे लोगों को भी हर किसी आयोजन पर पौधारोपण के लिए तन-मन-धन से सहयोग भी करता हूं। वहीं युवा जदयू नेता कुमार गौरव उर्फ गौरव सिन्हा ने पौधारोपण करने के बाद विश्व पर्यावरण दिवस पर बताया कि हर साल पांच जून को विश्वक पर्यावरण दिवस के रुप में मनाया जाता है।

विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनियाभर के लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है। लोगों को पर्यावरण प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, ग्रीन हाउस के प्रभाव, ग्लोबल वार्मिंग, ब्लैक होल इफेक्ट आदि ज्वलंत मुद्दों और इनसे होने वाली विभिन्न समस्याओं के प्रति जागरूक करना है, साथ ही लोगों को इससे निपटने के लिए कदम उठाने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। श्री सिन्हा ने आगे कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जब से बिहार की सत्ता संभाली उस समय यहां का हरित आवरण क्षेत्र 9 था लेकिन पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूरे बिहार में लगभग 22 करोड़ पौधारोपण करवाकर 15 प्रतिशत हरित आवरण क्षेत्र हो गया है, आज उसी का नतीजा है कि समयानुकूल वर्षा होती है। फसल का सही समय पर उत्पादन हो रहा है। पौधारोपण होने से पर्यावरण में बहुत कुछ बदलाव देखने को मिल रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 5 जून 1972 को पहली बार पर्यावरण दिवस मनाया था। इसके बाद से हर साल दुनियाभर में पांच जून को विश्व1 पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक खास थीम होती है, जिसके अनुसार यह मनाया जाता है। इस बार की थीम प्लास्टिक प्रदूषण के समाधान पर आधारित है। दुनिया में लगातार प्रदूषण का स्तीर बढ़ रहा है। इसी बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति पर खतरा बढ़ता जा रहा है। इसे रोकने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस मनाने की शुरूआत हुई, जिससे लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाए और प्रकृति को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रेरित किया जा सके। प्रदूषण के बढ़ते दुष्प्रभाव को कंट्रोल करने में भी सभी के सहयोग की जरूरत है, प्रदूषण कम होगा तो पर्यावरण भी शुद्ध होगा, जिसका समाज के सभी लोगों को फायदा मिलेगा। पेड़- पौधे जीवन के आधार हैं। हर व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए। आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण देने के लिए पौधारोपण हर हाल में करना होगा। पर्यावरण संरक्षण बहुत जरुरी है।

भाजपा ने गया जंक्शन रेल सुरक्षा बल के बैरक परिसर में किया पौधा रोपण

गया।भारतीय जनता पार्टी के द्वारा 9साल बेमिसाल,सेवा, सुशासन,गरीब कल्याण कार्यक्रम को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गया जंक्शन रेल सुरक्षा बल के बैरक परिसर में पौधा रोपण किया गया, पौधा रोपण कार्यक्रम में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता एवं जिला मीडिया प्रभारी संतोष ठाकुर के द्वारा पौधा रोपण किया गया इस कार्यक्रम में रेल सुरक्षा बल के बैरक के पदाधिकारीगण एवं आरक्षी लोग भी शामिल होकर पौधा रोपण किया गया है।इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता एवं संतोष ठाकुर ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में एक पेड़ अवश्य लगाएं जिससे पर्यावरण संतुलित रहे बीसीसीआई के द्वारा आईपीएल क्रिकेट मैच के दौरान एक डॉट बाल पर 500पौधा रोपण किया जाएगा।पूरे आईपीएल मैच में लगभग डॉट बाल पर लाखों पौधा लगाया जाएगा जो प्रशंसनीय है क्योंकि पौधा ही ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में मददगार साबित होगा।

महिला मोर्चा कार्यसमिति की बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

गया।गया के के'दुई के सूर्य विहार कॉलोनी में गया महिला मोर्चा कार्यसमिति की बैठक रघुनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पटना से आई प्रदेश महिला मोर्चा के उपाध्यक्ष मिलन सिंह उपस्थित थे विशिष्ट अतिथि के रूप में गया विधानसभा के प्रभारी शशि जल्दी हाथ भाजपा के जिला लोकसभा प्रभारी क्षितिज मोहन सिंह जिला महामंत्री रंजन सिंह पूर्व महिला मोर्चा की अध्यक्ष डॉ शालिनी कुमारी एवं वंदना कुमारी उपस्थित थी। इस कार्यक्रम में नवनीत महिला मोर्चा के पदाधिकारी उपाध्यक्ष श्रमिक कुमारी ,पुष्पा सिंह ,खुशबू कुमारी, रंजना सिंह ,नगीना कुमारी, अनुराधा कुमारी ,राखी सेठ, मीडिया प्रभारी प्रेमाकुमारी को अंक बस बुके देकर स्वागत किया गया है। इस बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश एवं जिला के सभी पदाधिकारियों ने नवनियुक्त महिला मोर्चा के पदाधिकारियों को उनके दायित्व से अवगत कराया गया है एवं पार्टी हित में अपने योगदान देने का आग्रह किया गया है।महिला मोर्चा अध्यक्ष ने आए हुए अतिथियों का अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया है इस बैठक में प्रधानमंत्री के 9 वर्ष के कार्यकाल में किए गए कार्य योजनाओं की विस्तृत रूप से चर्चा की गई और योजनाओं को हर घर-घर तक पहुंचाने की अपील की गई है।

अभिलंब पाइप को ठीक कराते हुए जलापूर्ति सुचारू करें : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

गया। सोमवार को जिला पदाधिकारी गया डॉ० त्यागराजन एसएम ने हीटवेव से बचाव एवं अत्यधिक गर्मी को देखते हुए जल संकट ना हो इस उद्देश्य से प्रखंडों का लगातार भ्रमण एवं बैठक किया जा रहा है।आज उसी क्रम में इसी मोहनपुर प्रखंड कार्यालय पहुंचकर मोहनपुर क्षेत्र में पेयजल की व्यवस्था एवं हीटवेव से बचाव की व्यवस्था पर विस्तार से समीक्षा की एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों से भी इस क्षेत्र में सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त किया है।

पेयजल की समीक्षा के दौरान बताया गया कि मोहनपुर प्रखंड में 18 पंचायत अंतर्गत 241 वार्ड हैं। जिनमें 148 वार्ड पीआरडी द्वारा संचालित है जिसमें 139 योजना क्रियाशील है तथा 93 वार्ड पीएचडी द्वारा संचालित है।मोहनपुर क्षेत्र में 18 पंचायत में 120 छूटे हुए टोला एवं बसावट हैं जिनमें 22 बसावट में नल जल योजना का कार्य शुरू करते हुए पानी उपलब्ध करवा दिया गया है, शेष बचे बसावट में तेजी से पानी उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है।मोहनपुर क्षेत्र अंतर्गत 14 पंचायतों में 63 कुआं का जीर्णोद्धार में से 61 कुआँ का जीर्णोद्धार पूर्ण किया गया है।

सार्वजनिक चापाकल मरम्मत की समीक्षा में बताया गया कि 18 पंचायत में 521 चापाकल का मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कुछ चापाकल में राइजर पाइप बदलने की आवश्यकता है उसे भी बदला गया है। केवला पंचायत के वार्ड संख्या सात में सड़क निर्माण होने के कारण पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हुआ है। लखैपुर के वार्ड संख्या 4, बुमुआर के वार्ड संख्या 1 और वार्ड संख्या 9 में पाइपलाइ क्षतिग्रस्त रहने के कारण जलापूर्ति प्रभावित है। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि संबंधित संवेदक से अभिलंब पाइप को ठीक कराते हुए जलापूर्ति सुचारू करें। क्रिटिकल टोलो में जल संकट को देखते हुए टैंकर के माध्यम से भी पानी पहुंचाया जा रहा है। मोहनपुर में चार टैंकर के माध्यम से 14 टोला में 3 ट्रिप के माध्यम से पानी पहुँचाया जा रहा है।मोहनपुर क्षेत्र में 29 सार्वजनिक स्थानों यथा हाट बाजार, बस स्टैंड, टेंपो स्टैंड के समीप प्याऊ संचालित है। हजारों लोग प्रतिदिन संबंधित प्याऊ से शीतल शुद्ध पेयजल का लाभ ले रहे हैं। हीटवेव से बचाव के संबंध में जिला पदाधिकारी ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को कहा कि स्वास्थ्य विभाग एवं आपदा विभाग द्वारा जारी किए गए एडवाइजरी का पूरी तरह पालन करें। अगले एक सप्ताह गर्मी से कोई राहत नहीं है। हीटवेव से बचाव हेतु आम जनों को जानकारी हेतु जागरूकता वाहन का भी संचालन किया गया है। साथ ही लोगों तक पंपलेट भी उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है, जिसमें लू से बचाओ की पूरी जानकारी लिखी हुई है। यात्र

सेंसेक्स
61431.32 पर बंद
निफ्टी
18130.76 पर बंद

सोना
60,070
चांदी
71608

पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था में मौका, चीन और जापान बेहतर उदाहरण

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के जितने भी देश आज पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था के आंकड़े को पार किए हैं, उन सभी का शेयर बाजार तब बेहतर प्रदर्शन किया जब उन्होंने दो लाख करोड़ डॉलर से पांच लाख करोड़ डॉलर की यात्रा पूरी किए। आंकड़े बताते हैं कि तीन प्रमुख देशों अमेरिका, चीन और जापान इसके सबसे अच्छे उदाहरण हैं।

चीन की अर्थव्यवस्था 2004 से 2009 के बीच दो लाख करोड़ डॉलर से पांच लाख करोड़ डॉलर हुई। इस दौरान इसका शेयर बाजार हैंगसेंग 8,500 से 32,000 तक पहुंच गया। यानी इसने 5 साल में करीब 4 गुना की वृद्धि हासिल की।

जापान की अर्थव्यवस्था 1978 में दो लाख करोड़ डॉलर की थी और 8.5 साल बाद 1986 में यह पांच लाख करोड़ डॉलर की बनी। 1978 से 1991 के दौरान इसके शेयर बाजार ने 14 गुना की वृद्धि हासिल की। यह 2000 से बढ़कर 27,000 पर पहुंच गया।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था 1977 में दो लाख करोड़ डॉलर की थी। 1988 में 5 लाख करोड़ डॉलर हुई। शेयर बाजार डाऊजोंस 1977 से 2000 के बीच 17 गुना बढ़ा, जो 700 से बढ़कर 12000 के पार पहुंच गया। भारतीय शेयर बाजार का रुझान भी ऐसा ही है। अक्तूबर, 2021 में सेंसेक्स ने पहली बार 62,000 और फिर 63 हजार को पार किया।

भारत की अर्थव्यवस्था इस समय करीब 3.5 लाख करोड़ डॉलर की है जो 2026-27 तक 5 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगी।

दुनिया के कई देशों के अगर पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था और शेयर बाजारों के रुझान को देखें तो इस आधार पर भारतीय शेयर बाजार चार साल में अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। ब्रोकरेज हाउसों का मानना है कि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) सेंसेक्स दो-तीन साल में एक लाख के आंकड़े को पार कर सकता है। यहां से 70 फीसदी का रिटर्न मिलने की उम्मीद है। कोरोना के समय जब पूरी दुनिया के बाजार टूटे थे, उस समय से भारतीय बाजार ने करीब ढाई गुना की वृद्धि हासिल की है। मार्च, 2020 में कोरोना के समय सेंसेक्स 26 हजार से नीचे चला गया था जो अब 63 हजार के पार है।

विविधीकरण का मिलता है फायदा

विश्लेषकों का मानना है कि शेयर बाजार के इस माहौल में इक्विटी सेविंग्स फंड में निवेश बेहतर हो सकता है। इसमें कम से कम तीन एसेट क्लास होते हैं जिनके जरिये आपको विविधीकरण का फायदा मिलता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि हर सेगमेंट में निवेश का जो हिस्सा है, वह बदलता रहता है। यही कारण है कि इस फंड में निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिलता है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी सेविंग्स फंड इस सेगमेंट में एक बेहतर फंड बनकर उभरा है। यह विविधीकरण का एक तरीका है।

वैश्विक आर्थिक मंदी और कई अन्य कारणों से इक्विटी बाजार अस्थिर है। मूल्यांकन भी बहुत सस्ता नहीं हैं। ऐसे में इक्विटी सेविंग फंड निवेश के लिए एक अच्छा विकल्प है। - दिनेश अग्रवाल, फिनकैप्स इन्वेस्टमेंट सर्विसेस

डेट और इक्विटी वाले सेगमेंट चुनें

आम तौर पर, इक्विटी आवंटन के लिए फंड मैनेजर लार्ज कैप पसंद करते हैं। जब डेट की बात आती है, तो आवंटन एएए रेटेड पेपर या कम अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में होता है। इसके अलावा, आर्बिट्राज के माध्यम से स्कीम के फंड मैनेजर इक्विटी बाजार के कैश और डेरिवेटिव सेगमेंट में मूल्य निर्धारण क्षमता का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। इससे एक निश्चित सीमा तक इक्विटी जोखिम की हेजिंग होती है और अस्थिरता को नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है।

हीरो मोटोकॉर्प ने 6,000 रुपये तक बढ़ाए इलेक्ट्रिक स्कूटर के दाम

हीरो मोटोकॉर्प ने इलेक्ट्रिक स्कूटर वीआईडीए वी1 प्रो की कीमत 6,000 रुपये तक बढ़ा कर 1,45,900 रुपये कर दी है। यह कीमत एक जून से लागू हो गई है। कंपनी ने कहा, फेम-2 की सब्सिडी को घटाने के कारण उसे ऐसा करना पड़ा है। फेम-2 के तहत पहले सब्सिडी एक्स फैक्टरी के भाव पर 40 प्रतिशत मिलती थी जो अब 15 प्रतिशत हो गई है।

सीएलटी : 51,424 करोड़ वसूली

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने वित्त वर्ष 2022-23 में 180 समाधान योजनाओं को मंजूरी दी है। इससे दबाव वाली संपत्तियों से रिकॉर्ड 51,424 करोड़ रुपये की वसूली की। जहां तक कर्जदाताओं की बात है तो वित्त वर्ष 2018-19 के बाद यह दूसरी सर्वाधिक वसूली है। उस समय 77 दिवाला समाधान प्रक्रियाओं से वसूली 1.11 लाख करोड़ की रही थी। इनमें एस्सार स्टील और मोनेट इस्पात जैसे मामले भी शामिल थे।

500 करोड़ से कम की मार्केट कैप वाली कंपनियों पर लागू हुआ ईएसएम फ्रेमवर्क

नई दिल्ली, एजेंसी । शेयर बाजार में छोटे शेयरों में उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंस और नेशनल स्टॉक एक्सचेंस ने सोमवार (5 जून, 2023) से ईएसएम को लागू किया है। दोनों एक्सचेंज की ओर से ये निर्णय निवेशकों के हितों को ध्यान में रखकर लिया गया है।

एएसई और बीएसई की ओर से शुक्रवार को जारी हुए दो अलग-अलग सर्कुलर में बाजार नियामक सेबी और एक्सचेंज के बीच हुई एक ज्वाइंट बैठक में तय किया गया है कि 500 करोड़ से कम के मार्केट कैप वाली माइक्रो स्मॉल कंपनियों पर ईएसएम फ्रेमवर्क लागू किया जाए।

एक्सचेंज की ओर से बताया गया ईएसएम फ्रेमवर्क के तहत शेयर में ट्रेडिंग ट्रेड टू ट्रेड मैकेनिज्म के तहत 5 प्रतिशत और 2 प्रतिशत के प्राइस बैंड में होती है। इसमें दो स्टेज होगी। कोई भी शेयर इस फ्रेमवर्क में कम से कम तीन महीने के लिए रहेगा। वहीं, अगर वह ईएसएम फ्रेमवर्क की स्टेज 2 में चला जाता है तो उसे कम से कम एक महीने के लिए रहना होगा। स्टेज 2 में एक महीना पूरा करने के बाद अगर शेयर में 8 प्रतिशत के कम का उतार-चढ़ाव आता है जो कि उसे स्टेज 1 में भेजा जाएगा।

आमतौर पर देखा जाता है कि 500 करोड़ से कम की मार्केट कैप वाली कंपनियों में जल्द उतार-चढ़ाव आता है। कई बार ये शेयर सर्किट टू सर्किट चलते हैं और इनमें गड़बड़ी भी सबसे अधिक होती है। ऐसे में ईएसएम फ्रेमवर्क लागू से निवेशकों को लाभ होगा।

सिस्टम अपग्रेड के कारण दो दिन नहीं मिलेंगी एचडीएफसी बैंक की सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक की ओर से ग्राहकों को ईमेल लिखकर जानकारी दी गई है कि सिस्टम के रखरखाव और अपग्रेड के चलते कुछ सेवाएं बंद रहेंगी। ये कदम बैंक ने अपने सेवाओं को बेहतर करने के लिए उठाया है।

एचडीएफसी बैंक की ओर से ग्राहकों को भेजे गए मेल में लिखा गया कि हम अपने ग्राहकों को अच्छी बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम अपने सिस्टम के रखरखाव और अपग्रेड करने के लिए थोड़े समय के लिए अपनी कुछ सेवाओं को बंद रखेंगे।

ग्राहकों के लिए राहत की बात हैं कि ये सिस्टम के रखरखाव और अपग्रेड का कार्य सुबह 3 बजे से लेकर 6 बजे के बीच किया जाएगा। इस समय बैंकिंग सेवाओं का आमतौर पर कम इस्तेमाल होता है।

कौन-सी सेवाएं रहेंगी बंद?

बैंक की ओर से किए गए मेल के मुताबिक, बैलेंस चेक करने, डिपाजिट, फंड ट्रांसफर, और अन्य भुगतान से जुड़ी सेवाएं 10 जून और 18 जून को बंद रहेगी।

बैंक द्वारा सिस्टम अपग्रेड करने के लिए 4 जून को सुबह 3 बजे से 6 बजे के बीच बैंकिंग सेवाओं को बंद रखा गया था। इसके साथ ही बैंक द्वारा मेल में कहा गया कि डाउनटाइम को कम करने की हर संभव कोशिश किया जाएगा।

सर्विस सेक्टर में दिखी जबरदस्त तेजी, पीएमआई 61.2 अंक रहा

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत के सर्विस सेक्टर की ग्रोथ रेट में मई में बढ़त देखने को मिली है और ये पिछले 13 सालों के उच्चतम स्तर के करीब पहुंच गई है। सर्विस सेक्टर में तेजी की वजह मांग बढ़ना और कंपनियों के नए ग्राहकों में वृद्धि होना है। सोमवार को जारी हुए एक मासिक सर्वे में ये बातें कही गई।

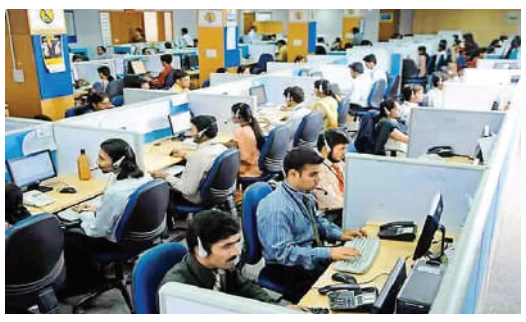

एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज का पीएमआई डाटा सोमवार को जारी किया गया है, जिसमें बताया गया कि मई में सर्विस सेक्टर का पीएमआई 61.2 रह गया है जो कि अप्रैल में 62 पर था। अप्रैल के मुकाबले मई में हल्की गिरावट होने के बावजूद पीएमआई डेटा दिखाता है कि सर्विस सेक्टर का आउटपुट जुलाई 2010 के बाद दूसरे सबसे तेज गति से बढ़ा है। यह लगातार 22 वां महीना है, जब पीएमआई 50 से ऊपर है। पीएमआई का 50 से ऊपर होना बढ़त का संकेत है और जब भी पीएमआई 50 से नीचे होता है तो दिखाता है कि इसमें गिरावट हो रही है।

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में इकोनॉमिक्स एसोसिएट डायरेक्टर पोलियाना डी लीमा ने कहा कि मई में पीएमआई डेटा मौजूदा मांग में लचीलापन, उत्पादन में वृद्धि के कारण पीएमआई डेटा ऊपरी स्तरों पर बना हुआ है। वहीं, इससे जॉब क्रिएशन में भी मदद मिल रही है।

इस रिपोर्ट में आगे कहा गया कि जिन कंपनियों ने इस सर्वे में भाग लिया है उन्होंने अधिक काम के चलते अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती करना शुरू कर दिया है।

एनडीआरऑटो ने वित्त वर्ष 23 में शुद्ध लाभ में 86 प्रतिशत की वृद्धि के साथ उल्लेखनीय वित्तीय प्रदर्शन किया

नईदिल्ली, एजेंसी। फोर व्हीलर्स और टू व्हीलर्स वाहनों के लिएफ्रेम्स और ट्रिम्स जैसे सीटिंग सल्यूशंस के निर्माण के बिजनेस में कार्यरत,एनडीआर ऑटो कॉम्पोनेंट्स (एनएसई एवं बीएसई - 543214) ने वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 23 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए,एनडीआर ऑटो कॉम्पोनेंट्स के होल टाइम डायरेक्टर- प्रणव रेलन ने कहा, मैं यह रिपोर्ट देते हुए हर्षित हूं कि हमने वित्त वर्ष 23 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 23 में शानदार ग्रोथ हासिल की है। हमारे क्लाइंटों की मजबूत मांग शानदार मोमेंटम को बरकरार रखने में सहायक रही है और उल्लेखनीय रूप से हमारी आय में सुधार हो रहा है। हमारी लागत नियंत्रण पर सख्त नजर होने से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ है जिससे एबिटडा और शुद्ध लाभ में वृद्धि हुई है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव आज गिरावट के साथ खुले। एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोने का भाव 59500 रुपए के भाव पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह चांदी की कीमतों में भी नरमी देखने को मिल रही। चांदी का वायदा भाव 71817 रुपए प्रति किलोग्राम के भाव पर ट्रेड कर रहा है। इंटरनेशनल स्पॉट मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमतों में बिकवाली देखने को मिल रही है। कॉमैक्स पर सोने का भाव 1960 डॉलर प्रति ऑन्स पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह चांदी भी 24 डॉलर प्रति ऑन्स के भाव पर ट्रेड कर रही है। इसका भाव फिलहाल 23.62 डॉलर प्रति ऑन्स पर ट्रेड कर रहा है। अमेरिकी जॉब आंकड़ों के चलते बॉन्ड यील्ड में उछाल देखने को मिल रहा है। इससे बुलियन मार्केट पर दबाव देखने को मिल सकता है।

अडानी नहीं रहे एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस, पानी बेचने वाले चीनी अरबपति से पिछड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी अब एशिया के दूसरे सबसे अमीर नही रहे। एक बार फिर पानी बेचने वाले चीनी अरबपति झोंग शानशान ने उन्हें पछाड़कर यह रुतब हासिल कर लिया है। अब अडानी पर ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में टॉप 20 अरबपतियों से बाहर होने का खतरा बढ़ गया है। गौतम अडानी अब अरबपतियों की लिस्ट में 61.5 अरब डॉलर के कुल नेटवर्थ के साथ 19वें और झोंग शानशान 62.4 अरब डॉलर के साथ 18वें स्थान पर हैं। मुकेश अंबानी अभी भी 84.6 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ एशिया के सबसे बड़े रईस बने हुए हैं। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अंबानी 13वें स्थान पर हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में अमेरिकी अरबपतियों का दबदबा बरकरार है। दूसरे नंबर पर 191 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ काबिज बर्नार्ड अर्नाल्ट एक मात्र गैर अमेरिकी हैं।

मल्टीबैगर स्टॉक ने दिया 475 प्रतिशत का रिटर्न, अब दे रहा 150 प्रतिशत डिविडेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। मनकसिया कोविड के बाद के रिबाउंड में यह स्मॉल-कैप मल्टीबैगर स्टॉक लगभग 30.50 से 176.50 प्रति शेयर के स्तर तक बढ़ गया है। यानी पिछले तीन वर्षों में 475 फीसद से अधिक की वृद्धि हुई है। अब यह कंपनी अपने निवेशकों के हर शेयर पर 150 फीसद का डिविडेंड देने जा रही है। लगभग 1,150 करोड़ के मार्केट कैप वाले स्मॉल-कैप स्टॉक ने अपने पात्र शेयरधारकों को 3 प्रति शेयर अंतिम डिविडेंड की घोषणा की है। स्मॉल-कैप कंपनी ने कहा है कि डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड तिथि बाद में सूचित की जाएगी।

डिविडेंड पेमेंट के बारे में भारतीय शेयर बाजार एक्सचेंजों को सूचित करते हुए मनाक्सिया लि. ने कहा, कंपनी के निदेशक मंडल की 3 जून, 2023 को बैठक संपन्न हुई। इक्विटी शेयरों पर अनुशंसित अंतिम डिविडेंड 150 प्रतिशत (अर्थात रु. 3.00/- प्रति इक्विटी शेयर रु. 2/- प्रत्येक का फेस वैल्यू) कंपनी के वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी की आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए और डिविडेंड का भुगतान एजीएम की तारीख से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा।

मनकसिया शेयर मल्टीबैगर शेयरों में से एक है। पिछले एक महीने में यह स्मॉल-कैप मल्टीबैगर स्टॉक लगभग 136 से बढ़कर 176.50 प्रति शेयर हो गया है, इस अवधि में लगभग 30 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। पिछले छह महीनों में यह स्मॉल-कैप स्टॉक 78.65 से बढ़कर 176.50 के स्तर पर पहुंच गया है, इस समय में लगभग 125 फीसद की वृद्धि हुई है। इस साल अबतक एनएसई में लिस्टेड यह स्टॉक 127 फीसद से अधिक बढ़ गया है। हालांकि, पिछले एक साल में इसमें 102 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसका 52 हफ्ते का हाई, जो इसने इसी 2 जून को बनाया, 178 रुपये है और लो 68.35 रुपये।

सब्सिडी घटने के बाद हीरो मोटोकॉर्प ने ई-स्कूटर विडा वी1 प्रो का दाम 6,000 रुपए बढ़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी दोपहिया कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर सब्सिडी घटने के बाद अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर विडा वी1 प्रो की कीमत में करीब 6,000 रुपए की बढ़ोतरी की है। यह वृद्धि एक जून से लागू हो गई है। कंपनी का प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर विडा वी1 प्रो अब फेम-दो सब्सिडी और पोर्टेबल चार्जर सहित 1,45,900 रुपए में उपलब्ध होगा। यह पहले के दाम से करीब 6,000 रुपए की वृद्धि है। इस बारे में संपर्क करने पर कंपनी के एक डीलर ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि फेम-दो के तहत एक जून से सब्सिडी में कटौती का ज्यादातर बोझ कंपनी ने खुद वहन किया और ग्राहकों पर इसका काफी सीमित भार डाला है। इस बारे में कंपनी से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

भारी उद्योग मंत्रालय ने इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए अधिकतम सब्सिडी सीमा को (कारखाना मूल्य) 40 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार, फेम-दो में संशोधन के बाद सब्सिडी में लगभग 32,000 रुपए प्रति इकाई की कमी आई है। पहले ही कई इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनियां अपने इलेक्ट्रिक मॉडलों के दाम बढ़ा चुकी हैं। टीवीएस मोटर ने कहा है कि फेम-दो योजना में संशोधन के बाद उसने अपने मॉडल आईक्यूब का दाम संस्करणों के आधार पर 17,000 से 22,000 रुपए बढ़ाया है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार वार्ता, यात्री वाहनों के लिए शुल्क पर विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन प्रस्तावित व्यापार समझौते के तहत जटिल मुद्दों को निपटाने की को?शिश कर रहे हैं। भारत सरकार काफी संभलकर कदम आगे बढ़ा रही है। वह ब्रिटिश कंपनियों को अपने यात्री वाहन बाजार में आने देने के लिए तैयार है मगर समझौता होने के बाद एक सीमित संख्या में वाहन इस बाजार में बेचने की ही अनुमति होगी।

भारत ने शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के हिसाब से भारतीय बाजार में प्रवेश की इजाजत का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत रियायती आयात शुल्क पर 1 लाख यात्री वाहनों का आयात करने की अनुमति होगी। मामले की जानकारी रखने वाले दो व्यक्तियों ने बताया कि इन वाहनों के लिए आयात शुल्क (टीआरक्यू के तहत) पांच साल में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया जाएगा। हालांकि ये लोग सीधे तौर पर बातचीत में शामिल नहीं थे।

वित्त वर्ष 2022-23 में देश में 38.9 लाख यात्री

वाहन बिके थे। इस हिसाब से ब्रिटिश कंपनियों के वाहनों के लिए तय सीमा 1 फीसदी से भी कम रहेगी। इससे स्थानीय कार विनिर्माताओं की यह चिंता दूर हो सकती है कि यदि व्यापार समझौता लागू हुआ तो आयात में अचानक वृद्धि नहीं होगी। एक व्यक्ति ने कहा, 'टीआरक्यू के अलावा बाकी आयात के लिए शुल्क धीरे-धीरे खत्म कर दिया जाएगा।' मगर यह देखना बाकी है कि ब्रिटेन इस प्रस्ताव को कबूल करता है या नहीं क्योंकि वार्ता अभी पूरी नहीं हुई है। 10वें दौर की वार्ता 5 से 9 जून तक नई दिल्ली में होनी है। भारत को उन देशों में गिना जाता है, जहां वाहनों पर अधिक शुल्क लगाया जाता है। पूरी तरह तैयार (सीबीयू) आयातित वाहनों पर 70 से 100 फीसदी सीमा शुल्क लगता है। ब्रिटिश उच्चायोग के प्रवक्ता ने कहा, 'आधुनिक, दूरदर्शी मुक्त व्यापार समझौता हमें 2030 तक भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार दोगुना करने के साझा लक्ष्य तक ले जा सकता है।

साक्षी मलिक ने आंदोलन से पीछे हटने की खबरों को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ पिछले एक महीने से अधिक समय से जारी प्रदर्शन का हिस्सा रही ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने आंदोलन से पीछे हटने की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि इंसाफ मिलने तक लड़ाई जारी रहेगी।

मीडिया में आई खबरों में कहा गया था कि साक्षी आंदोलन से पीछे हटकर रेलवे की नौकरी पर लौट गई हैं। साक्षी ने ट्वीट किया, 'ये खबर बिल्कुल गलत है। इंसाफ की लड़ाई में ना हम में से कोई पीछे हटा है और ना हटेगा। उन्होंने आगे लिखा, 'सत्याग्रह के साथ साथ रेलवे में अपनी जिम्मेदारी निभा रही हूं। इंसाफ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी है। कृपया कोई गलत खबर ना चलाई जाए।

गौर हो कि साक्षी मलिक के साथ-साथ विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया के भी नौकरी पर वापस लौटने की खबर है। साक्षी, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया अपनी रेलवे की नौकरी पर वापस लौटे हैं। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मोर्चा खोले पहलवानों ने कहा कि अभी आंदोलन खत्म नहीं हुआ है और न्याय के लिए जंग जारी है, हम सिर्फ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। बता दें कि विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया के नेतृत्व में तमाम पहलवानों ने कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मर्चा खोल रखा है। ये पहलवान 23 अप्रैल से जंतर-मंतर पर धरना दे रहे थे, हालांकि पिछले दिनों इनका धरना वहां से हटवाया गया है।

गत चैम्पियन सिंधू की होगी वापसी

सिंगापुर (एजेंसी)। गत चैम्पियन पी वी सिंधू थाईलैंड में खराब प्रदर्शन के बाद यहां मंगलवार से शुरू हो रहे सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के जरिये वापसी की कोशिश करेंगी जबकि फॉर्म में चल रहे एच एस प्रणय जीत की लय कायम रखना चाहेंगे । पिछले साल अगस्त में टखने की चोट का शिकार हुई सिंधू के लिये हालात समान नहीं रहे हैं। वह धीरे धीरे लय में लौट रही हैं और मैड्रिड में स्पेन मास्टर्स में फाइनल तथा मलेशिया मास्टर्स में सेमीफाइनल तक पहुंची। थाईलैंड ओपन में हालांकि वह पहले दौर में बाहर हो गई। अब यहां उनका सामना पहले ही दौर में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी जापान की अकाने यामागुची से होगा।

सिंधू का उसके खिलाफ कैरियर रिकॉर्ड 14.9 का है लेकिन पिछले साल थाईलैंड ओपन में दोनों की टक्कर के बाद काफी कुछ बदल गया है। उन्हें अब इस जापानी प्रतिद्वंद्वी को हराने के लिये अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा । दूसरी ओर प्रणय छह साल का खिताब का सूखा खत्म करने के बाद इस टूर्नामेंट में आये हैं।उन्होंने हाल ही में मलेशिया मास्टर्स खिताब जीता। उनका सामना जापान के तीसरी वरीयता प्राप्त कोडाइ नाराओका से होगा । थाईलैंड में सेमीफाइनल में हारे लक्ष्य सेन की टक्कर चीनी ताइपै के पांचवीं वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन से होगी।

प्रणय की नजरें सिंगापुर ओपन में अच्छे प्रदर्शन पर

विश्व चैम्पियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता किदाम्बी श्रीकांत थाईलैंड के केंटाफोन वांगचारोन से खेलेंगे जबकि ओरलियंस मास्टर्स विजेता प्रियांशु राजावत का सामना जापान के केंटा सुनेयामा से होगा । महिला एकल में लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल थाईलैंड की रेचानोक इंतानोन से खेलेंगी जिनसे वह पिछले दो मुकाबले हार चुकी है। पुरूष युगल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी का सामना जापान के अकिरा कोगा और ताइची सेइतो से होगा जबकि एम आर अर्जुन और ध्रुव कपिला की टक्कर फ्रांस के लुकास कोरवी और रोनान लोबार से होगा। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद हांगकांग के यिउंग एंग तिंग और यिउंग पुइ लाम से खेलेंगे।

ओडिशा रेल दुर्घटना पर वीरेंदर सहवाग ने किया बड़ा ऐलान

हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के बच्चों को देंगे मुफ्त शिक्षा

मुंबई (एजेंसी)। रविवार 2 जून की शाम को ओडिशा के बालासोर में हुए बड़े ट्रेन हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के बच्चों के लिए पूर्व क्रिकेटर वीरेंदर सहवाग ने ऐलान किया है कि उन्हें मुफ्त शिक्षा दीं जाएंगी। सहवाग ने अपने ट्विटर से ट्वीट करके इस जानकारी को साझा किया। उन्होनें लिखा की ओडिशा में हुई भयानक रेल दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के बच्चे को सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में मुफ्त शिक्षा दीं जाएगी। आपको बता दें कि ये पिछले कई दशकों की सबसे भयंकर रेल दुर्घटना है। ऐसा पहली बार हुआ कि एक साथ एक जगह पर तीन ट्रेनों की टक्कर हो गई हो।

भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ने ट्वीट कर लिखा, यह तस्वीर हमें लंबे समय तक दुख देगी। दुख की इस घड़ी में मैं कम से कम इतना तो कर ही सकता हूं कि इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के बच्चों की पढ़ाई का ध्यान रखूं। मैं ऐसे बच्चों को सहवाग इंटरनेशनल स्कूल की बोर्डिंग सुविधा में मुफ्त शिक्षा प्रदान करता हूं। इसके अलावा वीरेंदर सहवाग ने इसी ट्वीट के थ्रेड में एक और ट्वीट किया, उन्होंने अगले ट्वीट में लिखा कि,इसके अलावा मैं उन सभी बहादुर पुरुषों और महिलाओं को सलाम करता हूं जो बचाव कार्यों में सबसे आगे रहे हैं। और स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले चिकित्सा दल और स्वयंसेवकों को भी मैं सलाम करता हूं। इस समय हम सब एक साथ हैं।

भारतीय ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर का ट्विटर अकाउंट हुआ हैक : रिपोर्ट्स

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर वाशिंगटन सुंदर का सोमवार 5 जून को ट्विटर अकाउंट हैक हो गया था। हैकर ने उनके अकाउंट पर क्रिप्टोकरंसीज के लिंक के साथ एक पोस्ट ट्वीट किया गया था। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब किसी क्रिकेटर का सोशल मीडिया अकाउंट को हैक किया गया हो। इससे पहले क्रुणाल पांड्या का अकाउंट भी हैक हो चुका है। वहीं इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का ट्विटर अकाउंट दो बार सितंबर 2021 में और जनवरी 2023 में हैक किया गया था।

आरसीबी ने इस साल की शुरुआत में फ्रैंचाइजी की टाइमलाइन पर एनएफटी से संबंधित ट्वीट पोस्ट करना बंद कर दिया था। हैकर ने प्रोफाइल फोटो और नाम बदलकर बोरेड एप यॉट क्लब कर दिया और एनएफटी से संबंधित ट्वीट्स साझा किए, जिन्हें एनएफटी से संबंधित अन्य उपयोगकर्ताओं ने दोबारा पोस्ट किया। 2022 में भारत के हरफनमौला खिलाड़ी क्रुणाल पांड्या का अकाउंट भी एक बिटकॉइन स्कैमर द्वारा हैक कर लिया गया था। हैक किए गए अकाउंट के एक ट्वीट में कहा गया है कि वे बिटकॉइन के लिए अकाउंट बेच रहे थे।

वाशिंगटन सुंदर आईपीएल में 2016 की चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद में हैं। एडेन मार्करम की अगुआई वाली फ्रैंचाइजी का सीजन निराशाजनक रहा और वह केवल 8 अंकों के साथ अंक तालिका में सबसे नीचे रही। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण उन्हें आकर्षक लीग के 16वें संस्करण से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे उन्हें काफी समय गंवाना पड़ा। सात मैचों में, 23 वर्षीय गेंदबाजी ऑलराउंडर ने 48.66 के औसत और 8.26 की इकॉनमी रेट से केवल तीन विकेट लिए। बल्ले से उन्होंने सात पारियों में 15.00 के औसत और 100.00 के स्ट्राइक रेट से 60 रन बनाए। तमिलनाडु में जन्मे इस खिलाड़ी को पिछले आईपीएल सीजन के दौरान गेंदबाजी हाथ में चोट लग गई थी।

इंग्लैंड को लगा बड़ा झटका, एशेज से पहले टीम से बाहर हुआ बड़ा खिलाड़ी

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच लॉर्ड्स में आयरलैंड पर जीत के दौरान पीठ में खिंचाव के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। लीच ने इस हफ्ते की शुरुआत में आयरलैंड पर इंग्लैंड की एकमात्र टेस्ट जीत में चार विकेट लिए थे। कोच ब्रेंडन मैकुलम और कप्तान बेन स्टोक्स के नेतृत्व में इंग्लैंड की टीम में लगातार खेल रहे लीच ने पिछले साल 46 टेस्ट विकेट लिए थे।

उन्हें दो एशेज टेस्ट के लिए इंग्लैंड की 16 सदस्यीय टीम में नामित किया गया था। लीच की चोट इंग्लैंड की गेंदबाजी इकाई के लिए बड़ा झटका है क्योंकि श्रृंखला करीब आ रही है, जिसमें तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शामिल हैं। ईसीबी ने एक बयान में कहा, च्31 वर्षीय बाएं हाथ के धीमी गति के तेज गेंदबाज ने शनिवार को आयरलैंड पर इंग्लैंड की जीत के दौरान पीठ के निचले हिस्से में लक्षण दिखे।

उन्होंने कहा, रविवार को लंदन में हुए एक स्कैन में स्ट्रेस फ्रैक्चर का पता चला है, जो उन्हें आगामी एशेज टेस्ट सीरीज से बाहर रखेगा ... इंग्लैंड एशेज सीरीज के लिए उचित समय पर प्रतिस्थापन की घोषणा करेगा। लीच भले ही बेन स्टोक्स के नेतृत्व में इंग्लैंड की क्रिकेट शैली का प्रतिनिधित्व न करते हों, लेकिन वह मौजूदा इंग्लैंड टीम में जगह लेने वाले सबसे मुश्किल खिलाड़ियों में से एक हैं।

स्टोक्स लीच को स्टोक्स-मैकुलम युग के दौरान सिर्फ पांच स्थिरांकों में से एक मानते हैं। वह इंग्लैंड के संयुक्त अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, जो सबसे अधिक 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं और 2022 की गर्मियों की शुरुआत में स्टोक्स के कप्तान के रूप में पदभार संभालने के बाद से इंग्लैंड के लिए किसी और की तुलना में 179 ओवर से अधिक गेंदबाजी की है।

ब्रेंडन किंग के शतक से वेस्टइंडीज ने यूएई को सात विकेट से हराया

शारजाह (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग के पहले शतक की मदद से वेस्टइंडीज ने रविवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में यूएई को सात विकेट से हरा दिया। किंग ने 112 गेंद में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली जबकि शामरा ब्रूक्स ने 44 रन बनाए जिससे टीम ने 88 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। नए कप्तान शाई होप (नाबाद 13) ने छक्का जड़कर 35.2 ओवर में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 206 रन तक पहुंचाकर उसे जीत दिलाई। इससे पहले यूएई की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.1 ओवर में 202 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज कीमो पॉल ने 34 रन पर तीन विकेट चटकाए। मेजबान टीम ने लिए 19 साल के अली नसीर पदार्पण करते हुए 52 गेंद में 58 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। वी अरविंद ने भी 77 गेंद में 40 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से यानिक कारिया ने 26, डोमीनिक ड्रेक्स ने 29 और ओडियन स्मिथ ने 40 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। तीन मैचों की यह श्रृंखला अगले महीने जिंबाब्वे में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर्स की तैयारी कर रही दोनों टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

तेज गेंदबाज यश दयाल ने शेयर की विवादास्पद 'लव जिहाद' पोस्ट, बाद में मांगी माफी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटन्स के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल ने कथित तौर पर अपनी आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक सांप्रदायिक पोस्ट साझा करने के बाद खुद को मुश्किल में डाल लिया है। दयाल की इंस्टा स्टोरी के स्क्रीनशॉट्स सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं। पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यश दयाल ने डिलीट कर दिया और इसके तुरंत बाद माफी भी मांगी है।

बाद में माफी मांगी

सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल होने के बाद दयाल ने एक और स्टोरी इंस्टाग्राम पर शेयर की। उन्होंने लिखा, दोस्तों स्टोरी के लिए खेद है, यह बस गलती से पोस्ट कर दिया गया था। कृपया नफरत न फैलाएं, धन्यवाद। मेरे मन में हर समुदाय और समाज के लिए सम्मान है। गौर हो कि दयाल आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एक ओवर में पांच छक्के लगाने के बाद सुर्खियों में आए थे। केकेआर के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने 20वें ओवर की आखिरी पांच गेंदों में लगातार पांच छक्के लगाकर गत चैंपियन को चौंका दिया। गुजरात टाइटन्स ने आईपीएल 2023 में उप-विजेता के रूप में समाप्त अपना सफर समाप्त किया और खिताबी मुकाबले में सीएसके से हार गया।

वसीम अकरम ने डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले चुनी अपनी पसंदीदा टीम, इसे बताया प्रबल दावेदार

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व अंतरराष्ट्रीय वसीम अकरम का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप जीतने के लिए पसंदीदा है। 57 वर्षीय ने कहा कि ओवल में पिच तेज गेंदबाजों का समर्थन करेगी और इससे मध्य में भारतीय बल्लेबाजों को परेशानी हो सकती है। उनका यह भी मानना है कि सतह अधिक उछाल देगी और इस प्रकार, भारतीय बल्लेबाजी इकाई को बहुत सतर्क रहने की आवश्यकता है। अकरम ने कहा, ओवल में, आप अगस्त के आखिरी सप्ताह में या सितंबर के पहले या दूसरे सप्ताह में टेस्ट मैच खेलते हैं, जब पिच बिल्कुल सूखी होती है। लेकिन इस बार यह एक नई पिच है और जून की शुरुआत है। बहुत अधिक उछाल होगा। ड्यूक्स बहुत अधिक और अधिक समय तक स्विंग करती है और कूकाबुरा की तुलना में बहुत कठिन रहती है। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया थोड़ा प्रबल दावेदार होगा। गौर हो कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डब्ल्यूटीसी फाइनल 7 जून से द ओवल में होगा। दोनों टीमें इस समय लंदन में हैं और तैयारियों में जुटी हैं। भारतीय टीम में कोई बदलाव नहीं है जबकि ऑस्ट्रेयिला ने 15 सदस्यीय टीम में बदलाव करते हुए तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को महा मुकाबले से पहले चोट के कारण बाहर कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज ग्रेग चैपल को सताया डर

फाइनल से पहले कहा विराट का ओवल की पिच पर अच्छा रिकार्ड

सिडनी (एजेंसी)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल 2023 का फाइनल मुकाबला 7 जून से शुरु होने वाला है। इस मुकाबले में दोनों टीमें काफी जोरो शोरो से तैयारीयों में जूटी हुई है। ये फाइनल द ओवल में खेला जाना है और भारतीय टीम वहां पहुंच चुंकि है। वहीं पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ग्रेग चैपल ने विराट कोहली को लेकर एक बड़ी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में विराट कोहली कंगारू टीम के खिलाफ काफी रन बनाकर एक बड़े लक्ष्य को हासिल करना चाहते है उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना काफी ज्यादा पसंद है। चैपल के मुताबिक विराट कोहली को मुश्किल परिस्थितियां पसंद आती हैं और ओवल की पिच उनके लिए अचछी साबित हो सकती है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पहले चैपल ने विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दिया। पूर्व दिग्गज ने कहा, विराट कोहली को ऑस्ट्रेलियंस के खिलाफ बल्लेबाजी करना पसंद है। हमने ऑस्ट्रेलिया में ये देखा है। उनके आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि वो हमारे खिलाफ कितने बेहतरीन रहे हैं। उन्हें मुकाबला करना पसंद है और इससे वो पीछे नहीं हटते हैं। मेरा अनुभव कहता है कि ओवल में काफी बाउंस मिलेगा और ये विराट कोहली को सूट करेगा। आपने कहा कि मौसम सूखा रहेगा और अगर ऐसा हुआ तो ओवल की विकेट ऑस्ट्रेलिया जैसी होगी। ये विराट कोहली को सूट करेगी। अगर वो मानसिक रूप से स्विच ऑन हैं तो रन बनाएंगे। वो एक बहुत ही बेहतरीन प्लेयर हैं और काफी फर्क पैदा कर सकते है।

इससे पहले भी स्टीव स्मिथ ने विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दिया था और कहा था कि विराट कोहली लंबे समय से एक सुपरस्टार प्लेयर रहे है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हें खेलना काफी पसंद है और वो हमेशा हमारे खिलाफ रन बनाते है लेकिन उम्मीद है इस हफ्ते हम उन्हें शांत रख पाएंगे।

इस बार मैं रन बनाने पर ध्यान दूंगा, अच्छी गेंद से निपटने का ये है प्लान : कैमरन ग्रीन

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के उभरते हुए ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन इंडियन प्रीमियर लीग की अपनी प्रभावशाली फॉर्म को भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में दोहराना चाहते हैं और उनका मानना है कि टी20 से पारंपरिक प्रारूप में बदलाव के बावजूद उन्हें अपने आक्रामक खेल में लगाम लगाने की जरूरत नहीं है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डब्ल्यूटीसी फाइनल द ओवल में 7 जून से खेला जाएगा।

इस साल आईपीएल में ग्रीन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 16 पारियों में 160 के स्ट्राइक रेट से 452 रन बनाए जिसमें 47 गेंद में जड़ा शतक भी शामिल है। उनके शतक की बदौलत मुंबई इंडियन्स ने प्लेऑफ में जगह बनाई। बुधवार से द ओवल में शुरू हो रहे डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले 'क्रिकेट.कॉम.एयू' ने ग्रीन के हवाले से कहा, 'इंग्लैंड की टीम अभी काफी आक्रामक क्रिकेट खेल रही है इसलिए शायद आपको अपने खेल में अधिक बदलाव करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'पिछले साल पारी की शुरुआत में मैंने रन बनाने की कोशिश करने की जगह संभवतः थोड़ा अधिक रक्षात्मक होकर खेलने का प्रयास किया। आप अच्छी गेंद के खिलाफ रक्षात्मक रुख अपना सकते हैं, आपको क्रीज पर अच्छे फैसले करने होते हैं। ग्रीन ने कहा, 'इस बार मैं रन बनाने पर ध्यान दूंगा और अगर गेंद अच्छी हुई तो रक्षात्मक खेल दिखाऊंगा। बल्लेबाजी के अलावा ग्रीन ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी आक्रमण का भी अहम हिस्सा होंगे और यह 24 वर्षीय तेज गेंदबाज इंग्लैंड में ड्यूक गेंद से गेंदबाजी करने की चुनौती के लिए तैयार है। ग्रीन ने कहा, 'सभी, विशेषकर गेंदबाज, स्विंग के कारण यहां (इंग्लैंड) आने को लेकर उत्साहित रहते हैं। सामान्यतः, जब मैं ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करता हूं तो काफी मूवमेंट नहीं मिलती इसलिए मैं रोमांचित हूं कि यहां हालात का फायदा उठा सकता हूं।

अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप

उरूग्वे और दक्षिण कोरिया पहुंची सेमीफाइनल में

अमेरिका और नाइजीरिया बाहर

ब्यूनर्स आयर्स (एजेंसी)। उरूग्वे और दक्षिण कोरिया ने रविवार को यहां अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। उरूग्वे ने अमेरिका के खिलाफ पूरे मैच के दौरान दबदबा बनाते हुए 2-0 से जीत दर्ज की। उरूग्वे को 21वें मिनट में एंडरसन दुराते ने बढ़त दिलाई जबकि 56वें मिनट में जोशुआ विंडर ने आत्मघाती गोल दागकर उरूग्वे की जीत सुनिश्चित की।

पिछले टूर्नामेंट के उप विजेता दक्षिण कोरिया ने अतिरिक्त समय में दागे गोल की मदद से नाइजीरिया को 1-0 से हराया। दक्षिण कोरिया के लिए मैच का एकमात्र गोल सियोक ह्युन चोई ने हेडर के जरिए किया। उरूब्वे की टीम सेमीफाइनल में गुरुवार को इजराइल से भिड़ेगी जबकि इसी दिन दक्षिण कोरिया को फाइनल में जगह बनाने के लिए इटली का सामना करना है।

महिला जूनियर हॉकी एशिया कप

भारत ने मलेशिया को हराया, अब कोरिया से होगा सामना

काकामिगाहारा (एजेंसी)। भारतीय टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में मलेशिया को सोमवार को 2-1 से हराया। भारत के लिए मुमताज खान ने दसवें और दीपिका ने 26वें मिनट में गोल किया।

मलेशिया के लिए डियान नजेरी ने छठे मिनट में गोल दागा। इस जीत के बाद भारत पूल ए में शीर्ष पर है जिसने पहले मैच में उजबेकिस्तान को 22-0 से शिकस्त दी थी। भारत ने पहले मिनट से ही आक्रामक खेल दिखाया और कुछ पेनल्टी कॉर्नर बनाए हालांकि उन पर गोल नहीं हो सका। दूसरी ओर मलेशिया ने शुरूआत में गेंद पर नियंत्रण में बाजी मारी और छठे ही मिनट में नजेरी ने उसके लिए गोल कर दिया।

मलेशिया की बढ़त हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और चार मिनट बाद मुमताज ने पेनल्टी कॉर्नर पर भारत के लिए बराबरी का गोल किया। हाफ टाइम से चार मिनट पहले भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे दीपिका ने गोल में बदला। हाफटाइम के बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी। भारत का सामना मंगलवार को तीसरे पूल मैच में कोरिया से होगा।

संक्षिप्त समाचार

जीबीयू यूनिवर्सिटी में सिगरेट पीने को विवाद, छात्रों और सिक्योरिटी गार्ड के बीच जमकर मारपीट

नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में देर रात सिगरेट पीने को लेकर गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी (जीबीयू) के हॉस्टल में छात्रों का सिक्योरिटी गार्ड के साथ विवाद हो गया। गार्ड्स ने एकत्रित होकर हॉस्टल के छात्रों पर हमला बोल दिया। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई जिसमें 15 छात्र घायल हुए हैं। गार्ड्स ने हॉस्टल के छात्रों की कई मोटरसाइकिल भी तोड़ डाली। सारी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। मौके पर पहुंची थाना ईकोटेक प्रथम पुलिस ने 33 लोगों को हिरासत में लिया है। जिम्स में मुंशी प्रेमचंद हॉस्टल है, जो जिम्स के विद्यार्थियों का छात्रावास है। रविवार देर रात सिगरेट पीने को लेकर छात्रों और सिक्योरिटी गार्ड में विवाद हो गया। आरोप है कि सुरक्षा गार्ड ने अपने पांच अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया और छात्रावास में रहने वाले छात्रों से मारपीट की। इसके बाद छात्रावास में रहने वाले कई अन्य छात्र भी मौके पर आ गए। छात्रों का आरोप है कि सुरक्षा गार्ड और उसके साथियों ने लाठी-डंडे से लैस होकर छात्रावास के कमरे में घुसकर उन्हें पीटा। मारपीट में करीब 15 छात्र घायल हुए हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने 33 लोगों को हिरासत में लिया है।

यूपी के गांव में तीन साल की बच्चे ने चबाया जिंदा सांप

फरुर्खाबाद , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जिले में तीन साल के बच्चे ने सांप को चबाकर मार डाला। घटना जिले के मोहम्मदाबाद क्षेत्र के मदनापुर गांव की है। घटना से भयभीत माता-पिता ने मृत सांप को एक पॉलीबैग में डाल दिया और बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों ने बच्चे को 24 घंटे निगरानी में रखने के बाद उसे खतरे से बाहर बताया। दिनेश कुमार का बेटा आयुष अपने घर के आंगन में खेल रहा था, तभी वह चिल्लाने लगा। उसकी दादी दौड़ी और उसके मुंह में मरा हुआ सांप देखकर चौंक गई। बच्चे की दादी सुनीता ने कहा, मैंने उसे बाहर निकाला और उसका मुंह साफ किया और बच्चे के माता-पिता को सूचित किया, जो उसे डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल ले गए। सांप भी वे अपने साथ ले गए थे, ताकि डॉक्टरों को समझाने में आसानी हो। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर मोहम्मद सलीम अंसारी, जिन्होंने बच्चे को देखा, ने कहा कि लड़के को आवश्यक दवाएं दी गई थीं और वह ठीक था और उसे छुट्टी दे दी गई। डॉक्टर ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि सांप जहरीला नहीं था।

बहराइच में नवविवाहित जोड़े की कार्डियक अरेस्ट से मौत

बहराइच, एजेंसी। शादी की रात एक कमरे में मृत पाए गए नवविवाहित जोड़े की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दोनों की मौत की वजह कार्डियक अरेस्ट बतायी गई है। 24 वर्षीय प्रताप यादव और 22 वर्षीय पुष्पा यादव की शादी 30 मई को हुई थी। नवविवाहित जोड़ा अपने कमरे में सोने गया और अगले दिन सुबह मृत पाया गया। गांव में ही दंपति का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर कर दिया गया। बहराइच के पुलिस अधीक्षक (एसपी) प्रशांत कुमार ने कहा कि शनिवार शाम आई पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि दंपति की मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है। एसपी ने कहा, फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम ने दंपति के कमरे की जांच की और खुलासा किया कि कमरे में वेंटिलेशन की कमी थी और सीलिंग फैन और एयर सर्कुलेशन की कमी के कारण कार्डियक अरेस्ट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद मामले से हटे मुख्य वादी

वाराणसी, एजेंसी। विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह विशेन ने वाराणसी के श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी मामलों से किनारा कर लिया है। विशेन की भतीजी राखी सिंह श्रृंगार गौरी नियमित दर्शन मामले में पांच हिंदू महिला वादियों में से एक है। विशेन ने कहा कि उन्होंने मुकदमा लड़ने के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी और धर्म-विरोधी लोगों द्वारा उत्पीड़न के चलते यह निर्णय लिया।

उन्होंने अभी तक कोर्ट में अपने फैसले को लेकर कोई अर्जी दाखिल नहीं की है। पांच हिंदू महिलाओं - राखी सिंह, मंजू व्यास, रेखा पाठक, सीता साहू, और लक्ष्मी देवी - ने अगस्त 2021 में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) वाराणसी की अदालत में श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी मामला दायर किया। वादी ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मां श्रृंगार गौरी स्थल पर दैनिक पूजा का अधिकार मांगा।विशेन ने कहा, मैंने देश और धर्म के हित में विभिन्न अदालतों में दायर किए गए सभी मामलों की पैरवी से खुद को और अपने परिवार के सदस्यों को दूर रखने का फैसला किया है। मेरी भतीजी राखी सिंह ने चार महिलाओं के साथ मुकदमा दायर किया। राखी सिंह और अन्य मां श्रृंगार गौरी स्थल पर दैनिक पूजा की अनुमति मांग रहे हैं, और मैं इसके साथ मुख्य वकील के रूप में जुड़ा हुआ हूं। जहां विशेन राखी सिंह की ओर से श्रृंगार गौरी मामले की वकालत कर रहे थे, वहीं उनकी पत्नी किरण सिंह ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में आदि विश्वेश्वर विराजमान की दैनिक पूजा की अनुमति के लिए मुकदमा दायर किया था।

विशेन ने कहा, जब से ये मामले दर्ज किए गए हैं, तब से मेरे परिवार के सदस्यों और मुझे हिंदू धर्म के खिलाफ धर्म-विरोधी लोगों द्वारा परेशान किया जा रहा है। ये लोग हमें गद्दार घोषित करने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही समाज भी इनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा, कुछ महीने पहले, मैंने केस लड़ने के लिए आवश्यक धन की व्यवस्था करने के लिए अपनी कार बेच दी। लेकिन अब मेरे पास बहुत ही सीमित संसाधन और ताकत बची है, इसके कारण मैं अब मुकदमों की पैरवी नहीं कर सकता। मैंने और मेरे परिवार के सदस्यों ने इन मुकदमों की पैरवी से हटने का फैसला किया है।

अब नए गवर्नर से भी ममता बनर्जी की ठनी

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस शासित पश्चिम बंगाल में एक बार फिर राज्यपाल बनाम सरकार शुरू होता नजर आ रहा है। खबर है कि कुलपति की नियुक्तियों को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार और राज्यपाल सीवी आनंद बोस आमने-सामने आ गए हैं। गुरुवार को ही बोस ने 11 विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपतियों की नियुक्तियां की हैं। टीएमसी राजभवन के इस कदम को चौरकानूनीज्बता रही है।

गुरुवार को कल्याणी विश्वविद्यालय, बर्दवान विश्वविद्यालय, संस्कृत कॉलेज और विश्वविद्यालय, सिधो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय, काजी नजरुल विश्वविद्यालय, दक्षिण दिनाजपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, जाधवुर विश्वविद्यालय, बांकुरा विश्वविद्यालय, बाबा साहब आंबेडकर एजुकेशन विश्वविद्यालय, डायमंड हार्बर महिला विश्वविद्यालय में कुलपति पद पर 11 नियुक्तियां की गईं थीं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों को लेकर अटकलों का दौर अप्रैल में ही शुरू हो गया था। उस दौरान राज्यपाल ने 29 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से अपने 5 सबसे अनुभवि और योग्य प्रोफेसर्स की लिस्ट मांगी थी। कहा जाने लगा था कि इसके जरिए राज्यपाल उम्मीदवारों की तलाश के लिए एक डेटाबेस तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। खबर है कि यह फैसला लेने से पहले राज्यपाल ने इन प्रोफेसर्स को मिलने के लिए बुलाया था। दरअसल, बीते साल ही 29 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों का कार्यकाल खत्म हो गया था, जिसके बाद 31 मई तक सेवाओं में विस्तार दिया गया था। खास बात है कि हाल ही में राज्य सरकार ने उम्मीदवारों के चयन के लिए कमेटी गठित करने की प्रक्रिया की शुरुआत की थी। राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने इसे गैर कानूनी बताया है और शिक्षकों से पद स्वीकार करने के लिए मना करने की अपील की है। बसु ने कहा, मुझे मीडिया से नियुक्तियों के बारे में पता चला। विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्त करना प्रक्रिया का उल्लंघन है। शिक्षा विभाग को इससे बाहर रखा गया था। यह पूरी तरह गैरकानूनी है। उन्होंने ट्वीट किया, हम अगले कदम के लिए कानूनी सलाह ले रहे हैं। शिक्षा विभाग की तरफ से अनुरोध किया जा रहा है कि गैरकानूनी तरीके से नियुक्त किए गए वीसी पद लेने से इनकार कर दें। बसु का दावा है कि सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राज्यपाल प्रदेश सरकार से चर्चा कर कुलपति की नियुक्ति करेंगे, लेकिन इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। एक मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि अब इस तरह की और नियुक्तियां भी हो सकती हैं। खबरें हैं कि कई पूर्व और मौजूदा कुलपतियों ने भी आरोप लगाए हैं कि बोस कुलपतियों को नियमों का उल्लंघन करने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी की पत्नी को यूएई की फ्लाइट में चढ़ने से रोका

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी की पत्नी रुजिरा बनर्जी को प्रवर्तन निदेशालय के 'लुकआउट नोटिस का हवाला देते हुए कथित तौर पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाने वाली एक उड़ान पर सवार होने से रोक दिया गया। प्रवर्तन निदेशालय ने रुजिरा बनर्जी को 8 जून को पेश होने को कहा है। रुजिरा बनर्जी के वकील ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, रुजिरा विमान में सवार होने के लिए अपने दो बच्चों के साथ सुबह 7 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचीं।

रुजिरा के एक वकील ने बताया, उन्हें एक मामले में ईडी की ओर से जारी लुकआउट नोटिस का हवाला देते हुए आव्रजन पर रोका गया। सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश में कहा गया है कि उनकी विदेश यात्रा पर कोई रोक नहीं है। वकील ने कहा कि रुजिरा ने ईडी को शनिवार को अपनी यात्रा योजना के संबंध में जानकारी दी थी और टिकट की प्रति भी दी थी। उन्होंने कहा, अब उन्हें रोक दिया गया। उन्हें 5 जून की तारीख वाले समन की प्रति भी सौंपी गई जिसमें उनसे 8 जून को कोलकाता में श्वष्ठ कार्यालय में पेश होने को कहा गया है। वह अब घर लौट गई हैं।

इस संबंध में जानकारी के लिए हवाई अड्डे तथा ईडी प्राधिकारियों से संपर्क किया गया लेकिन उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। रुजिरा के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में दावा किया गया कि सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि जिसमें कहा गया है कि दंपति पर विदेश यात्रा पर कोई प्रतिबंध नहीं है। बयान में कहा गया , रुजिरा बनर्जी ने 5 अक्टूबर से 18 अक्टबूर तक अमेरिका की यात्रा की थी और तब ईडी को कोई आपत्ति नहीं थी। गौरतलब है कि पिछले वर्ष ईडी ने कोयला चोरी घोटाला मामले में रुजिरा से पूछताछ की थी। सीबीआई ने भी इसी मामले में 2021 में रुजिरा से पूछताछ की थी।

पान महासंघ के सम्मेलन के जरिए समाज को साधने में जुटा महागठबंधन

पटना, एजेंसी। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर बिहार में सभी दल तैयारी में जुट गए हैं। इसी के मद्देनजर जातियों को साधने की कोशिश शुरू हो गई है। अखिल भारतीय पान महासंघ द्वारा आयोजित पान समाज सम्मेलन में कांग्रेस और राजद के नेता भी शामिल हुए और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। राजद के नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस के बिहार प्रभारी भक्तचरण दास और प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह जैसे नेताओं का पान समाज के महासम्मलेन में भाग लेना इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। समाप्त करने में जुटी है। कबीर जयंती के मौके पर आयोजित इस सम्मेलन में यादव ने कहा कि हमलोग सभी जाति, धर्म, समाज के लोगों को साथ लेकर चलने पर विश्वास करते हैं। इधर, कांग्रेस बिहार प्रभारी भक्तचरण दास ने पान समाज को एकजुट रहने की सलाह देते हुए कहा कि समाज बेहतर ढंग से एकजुट रहेगा तभी राजनीतिक हिस्सेदारी प्राप्त करेगा।

वेब सीरीज से प्रेरित होकर तीन नाबालिगों ने की ज्वैलरी की दुकान लूटने की कोशिश

लखनऊ, एजेंसी। वेब सीरीज से प्रेरित होकर उत्तर प्रदेश के तीन नाबालिग लड़कों ने राज्य की राजधानी के एक इलाके में जौहरी की दुकान को लूटने का प्रयास किया। 15, 16 और 17 साल की उम्र के तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। ज्वैलर हर्ष माहेश्वरी के मुताबिक, वह अपनी दुकान पर था, तभी बाइक सवार तीन नाबालिग वहां पहुंचे और हर्ष से गहने दिखाने को कहा। इसके बाद लड़कों ने हर्ष पर पिस्टल तान दी, उसे गोली मारने की धमकी दी और लूटपाट का प्रयास किया। लेकिन दुकान के मालिक द्वारा शोर मचाने पर लड़के घबरा गए और वे भाग गए।

बाद में हर्ष ने मड़ियां पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच का नेतृत्व कर रहे अलीगंज के सहायक पुलिस आयुक्त आशुतोष कुमार ने कहा कि मामले की जांच के दौरान पुलिस ने हर्ष की दुकान पर लगे सीसीटीवी से और अन्य जगहों से भी लिंक खोजने के लिए बदमाशों की तस्वीर हासिल की। बाद में, पुष्टि होने पर पुलिस ने मुखबिरों के नेटवर्क के जरिए संदिग्धों के बारे में जानकारी हासिल की। अधिकारी ने कहा, तीनों को पकड़ लिया गया और उनसे पूछताछ की गई। उन्होंने अपना अपराध कबूल कर लिया और खुलासा किया कि वे फुकेत द्वीप जैसे विदेशी देशों की यात्रा करने और अपने जन्मदिन को शानदार तरीके से मनाने के लिए जल्दी पैसा कमाना चाहते थे।

अयोध्या स्कूल में छात्रा की आत्महत्या मामले में स्कूल प्रबंधक गिरफ्तार: अयोध्या पुलिस ने एक छात्रा की आत्महत्या मामले में स्कूल प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं एक छात्र को भी हिरासत में लिया है। घटना के मद्देनजर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने स्कूल प्रबंधक बृजेश यादव को गिरफ्तार किया और नाबालिग छात्र को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि यादव को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और छात्र को किशोर गृह को सौंप दिया गया है।

गुरुग्राम में बिल्डिंगों की पोल उजागर कर रही आइआइटी दिल्ली की रिपोर्ट, चिंटल के बाद अब गोदरेज सोसाइटी भी अनसेफ

गुरुग्राम, एजेंसी। नए गुरुग्राम के सेक्टर-104 के गोदरेज समिट सोसाइटी भी रहने के लिए सुरक्षित नहीं है। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर विश्वजीत भट्टाचार्य की रिपोर्ट में सोसाइटी के इमारतों में क्लोराइड की मात्रा से अधिक बताई है। रिपोर्ट में कहा गया कि पानी पड़ने पर इमारत में रिसाव होगा। जो इसमें लगी सरिया, कंक्रीट, सीमेंट कमजोर हो जाएगी। इससे कोई हादसा हो सकता है। इस रिपोर्ट को लेकर बिल्डर की ओर से फ्लैट मालिकों को पैसा रिफंड करने को राजी हो गया है। लेकिन सोसाइटी निवासी बिल्डर की रिपोर्ट को मानने से मना कर दिया है। लोगों को अब चिंटल सोसाइटी जैसे हादसा होने का डर सता रहा है। इस मामले में गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड के कस्टमर साइट हेड गौरव कश्यप की ओर से मैसेज का कोई जवाब नहीं दिया गया।

सोसाइटी के फ्लैटों से गिरते प्लास्टर को लेकर बिल्डर ने इसमें लगी मैटीरियल का सैंपल लेकर निजी एजेंसी से जांच कराई। जांच रिपोर्ट आने के बाद बिल्डर ने मई में बिल्डिंग निर्माण के सैंपल रिपोर्ट को दिल्ली आईआईटी को भेजकर राय लेने के लिए भेजा था। इसके बाद एक जून को आईआईटी प्रोफेसर ने इमारत निर्माण में क्लोराइड की मात्रा अधिक बताया यानी सोसाइटी रहने लायक नहीं है। सोसाइटी के लोगों का आरोप है कि आईटीआई प्रोफेसर की रिपोर्ट को लेकर बिल्डर फ्लैट खाली कराना चाहता है। कई दिनों से लगातार लोगों के साथ बैठक कर रहा है। बिल्डर की ओर से फ्लैट की मूलराशि के अलावा पैसा नहीं देगा। इसलिए बिल्डर के प्रस्ताव को मानने से मना कर दिया गया है। सेक्टर-104 में गोदरेज समिट सोसाइटी में कुल 11 टावरों में 1170 फ्लैट बनाए गए है। वर्ष 2017 में बिल्डर ने फ्लैटों का कब्जा देने की पेशकश की। यहां पर 700 परिवार रहे है। फ्लैटों में घटिया निर्माण के चलते बालकनी का दोबारा से बनाया जा रहा है। इसकी डीसी से लेकर डीटीपी प्रवर्तन से घटिया निर्माण की शिकायत कर चुके हैं। वर्ष 2020 से सोसाइटी कुछ संरचनात्मक में कमी के कारण सभी फ्लैटों की बालकनियों को फिर से ठीक कर रहा है। लोगों का आरोप है कि अभी तक 700 से अधिक फ्लैटों की बालकनियों को मरम्मत कराया जा चुका है। जबकि बाकी का काम अभी बाकी है।

रूस का दावा, घुसपैठ कर रहे थे यूक्रेनी सैनिक, 250 को मार गिराया

मास्को, एजेंसी। रूस ने दावा किया है कि उसने यूक्रेन के तरफ से होने वाले एक बड़े हमल को टाल दिया है और दोनेत्स्क में सैकड़ों यूक्रेनी सैनिकों को मार दिया। रूस का दावा है कि यूक्रेनी सैनिक उसकी सीमा तक पहुंच गए थे। इसके बाद इस टुकड़ी को तोप से निशाना बनाया गया। बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को 18 महीने होने को हैं। अब तक इसका कोई समाधान नहीं निकल पाया। उधर रूसी क्षेत्र में यूक्रेन ड्रोन की घुसपैठ से व्लादिमीर पुतिन की चिंता बढ़ी हुई है।

रूस के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि यूक्रेन ने 6 टैंकों के साथ दक्षिणी दोनेत्स्क में हमला किया था। रूस का कहना है कि उसे पहले से ही संदेह था कि इसी रास्ते से यूक्रेन के सैनिक घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। रूस ने कहा है कि यूक्रेन के सैनिक चाहते थे कि वे हमारे इलाके में प्रवेश कर जाएं और फिर सेना के ठिकानों को नुकसान पहुंचाएं।

रॉयटर्स न्यूज एजेंसी का कहना है कि इस हमले और इसमें मारे गए सैनिकों के बारे में पुष्टि नहीं हो सकी है। बीते सप्ताह यूक्रेन ने भी एक वीडियो ट्वीट कर दावा किया था कि वह अपने इलाकों को वापस लेने की तैयारी कर रहा है।

दुनिया के लिए बजी खतरे की घंटी, 20वीं सदी की तुलना में तीन गुना तेजी से पिघल रहे ग्रीनलैंड के ग्लेशियर

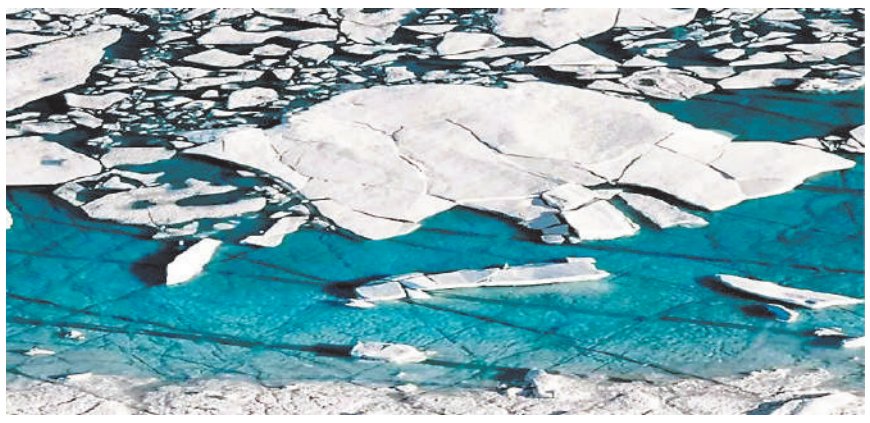

लंदन, एजेंसी। ग्रीनलैंड में ग्लेशियरों और बर्फ की चोटियों के बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है, जो कि 20वीं सदी की तुलना में तीन गुना तेज है। एक अध्ययन में यह खतरनाक बात सामने आई है। यह अनुसंधान में जलवायु परिवर्तन के कारण देश के ग्लेशियरों और आइस कैप में दीर्घकालिक बदलावों में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जिसने पिछले दशक में वैश्विक समुद्र स्तर की वृद्धि में लगभग पांचवां योगदान दिया है।

ऐतिहासिक डाटा का उपयोग करते हुए विज्ञानियों ने 5,327 ग्लेशियरों और आइस कैप्स की मैपिंग की, जो 1900 में लिटिल आइस एज के अंत के समय मौजूद थे। व्यापक शीतलन की अवधि में औसत वैश्विक तापमान में दो डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई। इसके बाद वे 2001 तक इन टुकड़ों को 5,467 में प्रकाशित करने में सक्षम थे।

अध्ययन जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित हुआ है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह अनुमान है कि जिस गति से ग्लेशियर का पानी 2000 और 2019 के बीच पिघल गया, वह 1900 के बाद से दीर्घकालिक औसत से तीन गुना अधिक है। पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय में पर्यावरण, भूगोल और भूविज्ञान के स्कूल डा क्लेयर बोस्टन ने कहा कि यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि हमने केवल ग्लेशियरों और आइसकैप्स को देखा जो कम से कम एक किमी क्षेत्र में थे। इसलिए पिघलने वाली बर्फ की कुल मात्रा हमारे पूर्वानुमानों से भी अधिक होगी। यह अध्ययन वैश्विक स्तर पर समुद्र के स्तर में वृद्धि के संदर्भ में इन बदलावों को समझने के महत्व पर बल देता है। ग्रीनलैंड के ग्लेशियर और बर्फ की चोटियों पर पानी के बहाव में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और वर्तमान में अलास्का के बाद पिघले पानी के दूसरे सबसे बड़े स्रोत के रूप में रैंक करते हैं। यूनिवर्सिटी आफ लीड्स के स्कूल आफ जियोग्राफी के मुख्य लेखक डा. जोनाथन एल. कैरिविक ने कहा कि ग्रीनलैंड से उत्तरी अटलांटिक में पिघले पानी के अपवाह के प्रभाव वैश्विक स्तर पर समुद्र के स्तर की वृद्धि से परे है, जो उत्तरी अटलांटिक महासागर परिसंचरण, यूरोपीय जलवायु पैटर्न और ग्रीनलैंडिक जोर्ड में पानी की गुणवत्ता और समुद्री पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करता है। इसका इंसानों पर भी अत्यधिक प्रभाव पड़ता है।

मर्डर के बाद शव को लगाया करंट, रिपोर्ट से खुली प्रेमी-पत्नी की साजिश

नई दिल्ली, एजेंसी। वसंतकुंज साउथ इलाके में एक शख्स ने अवैध संबंध में बाधक बनने पर प्रेमिका के पति की गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर करंट लगने से मौत का बहाना बनाकर अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हकीकत सामने आ गई। मृतक सीआईएसएफ में कांस्टेबल था और सीजीओ कॉम्प्लेक्स में तैनात था। पुलिस ने रविवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घिटोरनी गांव में सीआईएसएफ कांस्टेबल राजीव अपनी पत्नी सुमन (परिवर्तित नाम) और दो बच्चों के साथ रहता था। राजीव मूल रूप से झज्जर से था और घर के बगल में 24 वर्षीय आरोपी राकेश रहता था। राकेश के पिता भी सीआईएसएफ में हेड कांस्टेबल हैं और झज्जर के रहने वाले हैं। इस वजह से राकेश और राजीव के बीच में दोस्ती हो गई। राकेश अक्सर राजीव के घर पर आता था। इसी दौरान सुमन से प्रेम संबंध हो गए। राजीव को पता चलने पर वह पत्नी को उससे मिलने से रोकने लगा। बताया जाता है कि 31 मई को इसी मुद्दे पर राजीव अपनी पत्नी से मारपीट कर रहा था। तभी राकेश वहां आ गया और उसे रोकने लगा। चूंकि पहलवानी करने की वजह से राकेश मजबूत था तो उसने राजीव का गला दबाकर हत्या कर दी। फिर शव को बाथरूम में ले जाकर करंट लगा दिया, जिसकी वजह से शरीर काला पड़ गया। पत्नी ने राजीव को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया जहां करंट लगने से घायल बताया था। शनिवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने से मौत का कारण बताया गया। इसके बाद पुलिस ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया। राजीव की पत्नी से पूछताछ के बाद आरोपी पहलवान को गिरफ्तार कर लिया। अभी पुलिस महिला की भूमिका खंगाल रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभी तक की जांच में राजीव की पत्नी की साक्ष्य मिटाने में भूमिका नजर आ रही है। बहरहाल पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी पहलवान को गिरफ्तार कर लिया है।

अंडरवियर न धोने और न बदलने का ट्रेंड, कपड़ों से बदबू आने पर छिड़कते हैं वोदका या सिरका, सुखाकर झाड़ते हैं

लंदन/वॉशिंगटन एजेंसी। 2010 की बात है। द रिबेल्स वार्डरोब फाउंडर के लेखक ब्रायन साबो ने एक जोड़ी डेनिम जींस खरीदी। इस जींस के साथ वह कनाडा से यूरोप के लिए घूमने निकल पड़े। छह महीने की ट्रिप के दौरान उन्होंने अपनी ये जींस पहनी लेकिन कभी धोई नहीं। बुडापेस्ट में वह अपनी होने वाली बीवी से मिले। ब्रायन की दोस्त जब उनके कमरे में पहुंचीं तो जींस फर्श पर पड़ी हुई थी। दोस्त को बदबू न आए इसके लिए उन्होंने जींस को बेड की एक तरफ रख दिया। एक इंटरव्यू में ब्रायन ने कहा वह भाग्यशाली रहे क्योंकि लड़की को उनमें दिलचस्पी थी न कि उनकी बदबूदार जींस देखने में।

दरअसल, आजकल पश्चिमी देशों में कपड़े न धोने का एक अभियान चल पड़ा है। इस अभियान के तहत एक-एक साल तक बिना धोए कपड़े पहनने का ट्रेंड है। अब नो वॉश क्लब बनाकर उसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने की मुहिम चल रही है। यह क्लब ह्यूट डेनिम कंपनी ने बनाया है जिसके मेंबर महीनों तक बिना धोए कपड़े पहनते हैं और इसके लिए लोगों को प्रेरित करने का काम भी करते हैं। ब्रिटिश फैशन डिजाइनर स्टेला मैक्कार्टनी इसके समर्थन में काफी लंबे समय से काम कर रही हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा- आमतौर हम नियम से काम करते हैं लेकिन अगर कोई चीज साफ करने की जरूरत न हो तो उसे साफ नहीं करना चाहिए। इससे कपड़े लंबे समय तक नए बने रहते हैं और कपड़े नहीं धोने से पर्यावरण पर भी बुरा असर नहीं पड़ता। दरअसल, स्टेला वॉशिंग मशीनों का प्रयोग न करने के पक्ष में अभियान चला रही हैं।

कपड़े धोने से 90 लाख प्लास्टिक माइक्रोफाइबर्स पर्यावरण में घुल जाते प्लास्टिक सोप फाउंडेशन एडवोकेसी ग्रुप से जुड़ीं लॉरा डियाज सांचेज के मुताबिक, ये बात महंगे कपड़ों पर पूरी तरह से लागू होती है कि क्योंकि उनमें सिंथेटिक मैटेरियल जैसे पॉलिएस्टर और एक्रेलिक होते हैं। सांचेज कहती हैं, 'हर बार जब हम कपड़े धोते हैं तो औसतन 90 लाख प्लास्टिक माइक्रोफाइबर्स पर्यावरण में घुल जाते हैं। हम जिस तरह अपने कपड़े धोते हैं, उससे हमारा पर्यावरण और हमारे कपड़े प्रभावित होते हैं।' मेक्कार्टनी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि कपड़े बार-बार न धोने की बात महिलाओं के अंडरगार्मेंट यानी ब्रा, पेंटी पर ज्यादा लागू होती है। मैं अपनी ब्रा बार-बार नहीं बदलती हूं।

दरअसल, मशीन में ब्रा धुलने से उसमें लगा सिल्क का कपड़ा और लेस जल्दी खराब हो जाते हैं। साथ ही उसमें लगे तार निकल सकते हैं। कलर धुंधले पड़ जाते हैं और अगर उसमें कप है तो वह पूरी तरह से बेकार हो जाता है। डिजाइनर नेओमी डे हान कहती हैं कि जो महिलाएं महंगे ब्रांड की ब्रा खरीदती हैं, उन्हें ब्रा को हाथ से गुनगुने पानी में धोना चाहिए और इसके लिए बेबी शैंपू इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर है। सस्ती ब्रा को भी कम ही धोना चाहिए। हालांकि, स्पोर्ट्स ब्रा को अक्सर धोने की जरूरत पड़ती है। अमेरिका के कनेक्टिकट की चेल्सी हैरी कहती हैं कि मैं ऐसे घर में पली बढ़ी जहां कोई भी कपड़ा हो, एक बार पहनने के बाद जरूर धोते। यहां तक कि तौलिया और पैजामा भी एक बार यूज करने पर ही धो देते। एक बार जब मैं दादी के यहां रहने गई तो उन्होंने मुझे पैजामा तकिए के नीचे रखना सिखाया और अगले दिन उसे ही पहन लेने को बताया। बाद में जब मैं अपने पति से मिली। पति शायद ही कभी किसी कपड़े को धोते। लेकिन कोरोना महामारी के दौरान चीजें बदल गईं और सब लोग कपड़ों के साथ-साथ हर चीज की सफाई का ध्यान रखने लगे।

चेल्सी आगे कहती हैं, 'गर्मियों के दौरान मैं मिडिल ईस्ट घूमने निकली। तब मैंने ब्रायन साबो की तरह कपड़े पूरी तरह न धोने की ट्रिक अपनाई। कपड़ों को रात भर खुले में सुखाती या फिर बदबू खत्म करने के लिए सिरका (विनेगर) और वोदका का स्प्रे कर देती। इस तरह सुबह तक मेरे कपड़े शानदार स्थिति में मिलते।'

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129